देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 27 अक्टूबर 2025 | वर्ष –69 | अंक –341 पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ आसियान में मोदी की.. ■ रूसी तेल कंपनियों पर.. 04
■ भारत वाले प्लान से पाकिस्तान को चित करेगा.. ■ आसियान का 35 साल बाद बढ़ा आकार, इस... 09
■ सर्दियों में सभी का पसंदीदा फल सीताफल ■ अपना भोजन स्वयं उगाने के लाभ, किचन ... 11
■ वर्ल्ड कप 2027 में .. ■ न्यूज़ीलैण्ड के सफर.. 10

सार संक्षेप

भारत में होगी विमानन दुर्घटना जांच समूह की बैठक

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र के एशिया प्रशांत दुर्घटना जांच समूह (एपीएसी–एआईजी) की चार दिवसीय बैठक 28 अक्टूबर से भारत में होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो 28–31 अक्टूबर 2025 तक इस बैठक और कार्यशाला का आयोजन करेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। एपीएसी–एआईजी की वार्षिक बैठक पहली बार भारत में आयोजित हो रही है। एशिया प्रशांत क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के सदस्य देशों के साथ–साथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बैठक में भाग लेते हैं।

'छत्रपति संभाजीनगर' के नाम से जाना जाएगा औरंगाबाद स्टेशन

नई दिल्ली। दक्षिण मध्य रेलवे ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर' कर दिया है। यह बदलाव नांदेड़ मंडल के प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा स्वीकृत किया गया है। इसका नया स्टेशन कोड सीपीएसएन होगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अब इस स्टेशन को 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' के नाम से जाना जाएगा। राज्य और देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने के उद्देश्य से स्टेशन का नया नाम रखा गया है।

म्यांमार सीमा के पास हथियारों का जखीरा बरामद

आइजोल। मिजोरम के चामफाई जिले में भारत–म्यांमार सीमा के निकट असम राइफल्स ने हथियारों के एक बड़े जखीरे का पता लगाया है। यह बरामदगी वाफाई ग्राम परिषद के अधीन सैखुमपाई क्षेत्र में की गई तलाशी कार्रवाई के दौरान हुई। बरामद हथियारों में छह 60 मिमी मोर्टार ट्यूब बेस प्लेट के साथ, दो 7.62 मिमी म्यांमार निर्मित असॉल्ट राइफलें, तीन शॉटगन, दो .22 राइफलें और एक हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इसके अलावा, 7.62 मिमी के 40 कारतूस, 60 मिमी मोर्टार के पंद्रह गोले, दो एंटी–पर्सनल माइन और दो रेडियो सेट एंटीना व चार्जर बरामद किए गए।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-अदालत ने वकील पर 6 लाख का जुर्माना ठोका है।
चुहिया- हां प्रिये- न्यायालय का समय नष्ट करने वालों को सबक मिलना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने आसियान समिट से दिया दुनिया को बड़ा संदेश

'हर संकट में हम साथ खड़े'

21 वीं सदी हमारी सदी है

मोदी ने कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है। मुझे विश्वास है कि आसियान कम्यूनिटी विजन 2045 और विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पूरी मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेगा।

आसियान है एक्स ईस्ट नीति का स्तंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। आसियान का 22वां शिखर सम्मेलन मलेशिया में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मलेशिया नहीं गए लेकिन उन्होंने इस सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। आसियान में श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों। मोदी ने कहा है कि हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे बीच न केवल व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि सांस्कृतिक संबंध भी हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ है। भारत ने हमेशा आसियान की केंद्रीयता और हिंद–प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अनिश्चितता के इस दौर में भारत–आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत, हर आपदा में अपने आसियान मित्रों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। हमारा सहयोग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए हम 2026 में आसियान–इंडिया ईयर ऑफ मेरिटाइम कॉपरेशन घोषित करते हैं। साथही हम एजुकेशन, टूरिज्म, साइंड एंड टेक्नॉलॉजी, खेल, ग्रीन एनर्जी और साइबर सिक्योरिटी में आपसी सहयोग को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। मोदी ने कहा कि अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संजोने और पीपुल–टू–पीपुल संबंधों को मजबूत करने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

मलेशिया में रेड कार्पेट पर नाचे ट्रम्प

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच शांति समझौता कराया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने रेड कॉर्पेट पर स्थानीय कलाकारों के साथ डांस किया। कुआलालंपुर में ट्रम्प की मौजूदगी में थाईलैंड और कंबोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था।

'जॉब सीकर' नहीं 'जॉब क्रिएटर' बन रहीं महिलाएं : मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें अब जॉब सीकर नहीं, 'जॉब क्रिएटर' बन रही हैं। उद्योग और निवेश के क्षेत्र में महिलाएं वह आत्मविश्वास लेकर आई हैं, जो आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत का ग्रोथ इंजन बनाएगा। प्रदेश के 47 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप में महिलाओं की हिस्सेदारी है।

लखपति दीदी योजना से प्रदेश की एक लाख से अधिक महिलाएं प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। आज 5 लाख से अधिक स्व–सहायता समूहों से लगभग 62 लाख बहनें जुड़कर न सिर्फ अपने घर की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में भी अपना योगदान दे रही हैं। ग्रामीण अंचलों में स्व–सहायता समूह अब उत्पादन, पैकेजिंग, मार्केटिंग और डिजाइनिंग के क्षेत्र में कदम रख चुके हैं। प्रदेश की महिलाएं कृषि–उद्योग, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र निर्माण, बायोटेक और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में भोपाल वुमेन हब द्वारा आयोजित एमपी एक्सीलेंस

मुख्यमंत्री ने प्रदान किए एमपी एक्सीलेंस अवार्ड–2025

अवार्ड–2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को समाज की धुरी माना गया है। हमारे लिए बहन, बेटियां देवी समान हैं। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म महिला सशक्तिकरण का प्रभावी प्लेटफार्म बन चुका है।

इन्हें मिला सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मान समारोह में श्रेणी–1 में सुश्री गौरांशी शर्मा, सरगम कुशवाहा, भावना देहरिया, सिद्धि मिश्रा, निशिता पाठरकर, शांति देवी, श्रुति अधिकारी, लता मुंशी, मुस्कान रघुवंशी, संगीता राजगीर, शिवि श्रीवास्तव, सोमित दुबे, कनिष्का शर्मा, शिखा शर्मा, मनन सिंह और अविराज सिंह ठाकुर को सम्मानित किया। श्रेणी–2 में नमन देशमुख, मयंक तिवारी, सिमरन बहल, विजय निहाल चंदानी, माही पवार, इशिका ककड़, देवेंद्र गोरे, चिन्मय गोधा, आयुष गुप्ता, दैविका वघेला, वंशदीप, आरविका गुप्ता और सुषांत कौशल को सम्मानित किया।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा

चेन्नई, (एजेंसियां)। दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र धीरे–धीरे तेज हो रहा है और सोमवार सुबह तक इसके चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में तब्दील होने की आशंका है। रविवार को भारत मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी इस चेतावनी के बाद तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है।

- 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा
- उत्तरी तटीय क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विभाग के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान की गति अब उत्तर–पश्चिम की तरफ है और यह लगभग 8 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। अगले दो दिनों में इसके कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवा होने की संभावना है। दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र रविवार सुबह 5.30 बजे चेन्नई से लगभग 800 किलोमीटर पूर्व–दक्षिणपूर्व में केंद्रित था।

आईएमडी का अनुमान है कि यह दवाब सोमवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण–पश्चिम और पश्चिम–मध्य हिस्से में एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम उत्तर–उत्तर–पश्चिम की दिशा में बढ़ता रहेगा और सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान बन सकता है। यह तूफान मंगलवार शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के तट से काकीनाडा के पास, मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच होकर गुजर सकता है। तूफान के दौरान हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चल सकती हैं।

घर में जिंदा जले दो भाई, तीसरा गंभीर

बाड़मेर। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में रविवार सुबह एक भीषण अग्निकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया। जिले के जस्तानियों की ढाणी, भाड़खा गांव में एक घर में अचानक आग लग गई, जिसमें सो रहे तीन चचेरे भाई लपटों की चपेट में आ गए।

हादसे में दो युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे जोधपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करवाया।

जानकारी के अनुसार, देवीलाल के घर में रविवार तड़के अचानक आग लग गई। घर के जिस ईंटों के बने कमरे में तीनों चचेरे भाई सो रहे थे, वह पलभर में लपटों में घिर गया। अरुण (19), राजू (12) और जसराज (21) आग की चपेट में आ गए। ग्रामीणों ने शोर सुनते ही मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक अरुण और राजू की मौत हो चुकी थी। जसराज बुरी तरह झुलस गया, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया।

मृतकों के जीवित अवस्था के चित्र

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका– ग्रामीण थानाधिकारी राजूराम ने बताया कि यह आग देवालाल के घर में बने एक कमरे में लगी, जहां तीनों चचेरे भाई सो रहे थे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।

बलूचिस्तान को अलग देश बताने पर

पाकिस्तान ने अभिनेता सलमान खान को आतंकवादी घोषित किया

इस्लामाबाद। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के एक बयान पर पाकिस्तान भड़क गया है। हाल ही में सऊदी अरब में एक कार्यक्रम के दौरान सलमान खान द्वारा बलूचिस्तान को कथित तौर पर एक अलग देश के रूप में संबोधित करने पर शहबाज शरीफ सरकार बुरी तरह चिढ़ गई है।

इस बयान के बाद पाकिस्तान ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए सलमान को आतंकी घोषित कर दिया है। पाक गृह मंत्रालय ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए सलमान खान को आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत आतंकी घोषित किया है।

'न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग'

राम मंदिर के फैसले को चुनौती देने वाले वकील पर लगाया 6 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने हाल ही में वकील महमूद प्राचा की याचिका को खारिज कर दिया। प्राचा की याचिका में सुप्रीम कोर्ट के 2019 के अयोध्या फैसले को अमान्य घोषित करने की मांग की गई थी।

जिला न्यायालय के समक्ष प्राचा ने अपनी याचिका में इस मुद्दे पर उनके मुकदमे को खारिज करने के सिविल न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में प्राचा ने दावा किया था कि तत्कालीन सीजेआईडी.वाई. चंद्रचूड़ ने एक भाषण में कहा था कि अयोध्या फैसला भगवान श्रीराम लला द्वारा दिए गए समाधान पर आधारित था। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जस्टिस चंद्रचूड़ ने केवल यह कहा था कि उन्होंने भगवान से मार्गदर्शन की प्रार्थना की थी, न कि किसी पक्ष से कोई समाधान प्राप्त किया। कोर्ट ने कहा कि वकील ने ईश्वर और ज्यूरिस्टिक पर्सनालिटी यानी कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त देवता के बीच का फर्क समझे बिना ही मामला दायर कर दिया। पटियाला हाउस कोर्ट के जिला न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने कहा कि प्राचा का मामला तुच्छ, गलत धारणा वाला और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग था।

न्यायालय ने प्राचा पर 6 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, जो निचली अदालत द्वारा उन्हें दिए गए एक लाख रुपये के जुर्माने को बढ़ा देता है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जस्टिस चंद्रचूड़ के भाषण का गलत अर्थ निकाला गया।

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2026-27
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

संतरा तोड़ने गये थे महाराष्ट्र गये थे मैहर के मजदूर

खेत मालिक ने बंधक बनाया, प्रशासन और पुलिस ने कराई वापसी

मैहर। मैहर के ये ग्रामीण मजदूर अगस्त 2025 में रोज़गार की तलाश में अपने परिवारों सहित घर से निकले थे। कुल 12 लोग जिनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे और लड़कियां शामिल थीं। ये सभी महाराष्ट्र के जालना जिले पहुंचे, जहां उन्हें स्थानीय निवासी आबा नामक व्यक्ति के खेत में संतरे तोड़ने का कार्य दिया गया।

शुरुआत में सबकुछ सामान्य रहा। मजदूर संतरे तोड़ने का काम करने लगे लेकिन दीपावली के कुछ दिन पहले जब उन्होंने अपने घर लौटने की बात कही तो खेत मालिक आबा ने उन्हें जाने से रोक दिया। मजदूरों के अनुसार, उसने कहा कि संतरे के बाद गन्ने की कटाई का काम करना होगा तभी वापस भेजा जाएगा। जब मजदूरों ने इसका विरोध किया तो उन्हें डराने–धमकाने का प्रयास किया गया। उन पर निगरानी रखी जाने लगी। भय के माहौल में मजदूरों ने चुपचाप अपने घरवालों से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई।

सूचना मिलने पर मैहर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया। समन्वय के बाद जालना पुलिस ने सभी मजदूरों को मुक्त कराकर सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की। सभी मजदूर ट्रेन के माध्यम से महाराष्ट्र से इटारसी होते हुए मैहर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर श्रम निरीक्षक नरेश पटेल ने टीम के साथ मजदूरों का अगवानी की और सभी से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मजदूरों के साथ किसी भी तरह की ज्यादती नहीं होने दी जाएगी। भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए निगरानी प्रणाली और सख्त की जाएगी। सभी मजदूरों को सुरक्षित मैहर लाया गया है, जहां से सभी मजदूर अपने घर वापस हो जाएंगे।

देश-विदेश

खुद को 'पीस मेकर' कहलाने में गर्व महसूस करने वाले ट्रंप के निशाने पर आखिर वेनेजुएला क्यों?

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की बागडोर संभालते ही 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा दिया। मागा काफी लोकप्रिय भी हुआ। स्पष्ट मत था कि 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) फॉरेन पॉलिसी का मतलब होगा उन मिलिट्री कमिटमेंट्स का खत्म होना, जिन्होंने अमेरिका को अपने किनारों से दूर लंबी लड़ाइयों में फंसा दिया था। लेकिन टैरिफ अटैक करते-करते ट्रंप वेनेजुएला के खिलाफ शस्त्रों से प्रहार करने से चूक नहीं रहे हैं। अब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सत्ता को टारगेट कर रहे हैं। सैन्य कार्रवाई उस कमिटमेंट को तोड़ रही है जिसका वायदा ट्रंप गाहे बगाहे करते रहे। स्पष्ट है कि व्हाइट हाउस एक ऐसा आक्रामक रवैया अपना रहा है जो ट्रंप की खुद को पीस प्रेसिडेंट बताने वाली छवि के खिलाफ है।

तेज हवाओं ने वाशिंगटन तट पर बरपाया कहर, सिएटल में बिजली गुल, अंधेरे में हजारों लोग

वाशिंगटन। वाशिंगटन राज्य के तटवर्ती इलाकों में प्रशांत महासागर से उठी तेज हवाओं ने सिएटल और उसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तबाही मचा दी। इन हवाओं ने बड़े स्तर पर बिजली आपूर्ति बाधित कर दी, जिससे हजारों लोग अंधेरे में डूब गए। सिएटल टाइम्स की खबर के मुताबिक, दिन में तूफान के दौरान एक बड़ा पेड़ टूटकर गिर गया, जो रॉय के निकट एक सामुदायिक 'ट्रिक-ऑर-ट्रीट' कार्यक्रम के दौरान एक शख्स की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, टैकोमा नैरो ब्रिज के आसपास हवाओं की रफ्तार 60 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन पर यह 43 मील प्रति घंटे की रही।

पुगेट साउंड एनर्जी के अनुसार, 117000 से ज़्यादा ग्राहक इस तूफान के कारण प्रभावित हुए हैं। पियर्स और थर्स्टन काउंटी में लोग प्रभावित हुए हैं। इसी तरह, ग्रेज हार्बर पीयूडी ने 17000, स्नोहोमिश काउंटी पीयूडी ने 5000 और सिएटल सिटी लाइट ने अतिरिक्त बिजली व्यवधान की जानकारी साझा की, जिसमें शहर में 32000 से अधिक उपभोक्ताओं को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने ग्रेज हार्बर के लिए 50 से 65 मील प्रति घंटे की लगातार हवाओं की चेतावनी जारी की। रात 8 बजे से थोड़ी पहले होक्विम हवाई अड्डे पर 77 मील प्रति घंटे की रफ्तार का हवा का झोंका मापा गया। वहीं, वेस्टपोर्ट में 71 मील प्रति घंटे की हवा चली। इस कारण एक स्टील का झंडा हिल गया, जिस कारण शहर के केंद्र के लाइव कैमरे को बंद हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात को सिएटल के निवासियों ने 37 मील प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं का सामना किया।

शहर में एक चौथाई इंच तक वर्षा भी हुई। रविवार, 26 अक्टूबर की सुबह 5 बजे तक तेज हवाओं की चेतावनी बरकरार रहेगी। रविवार को अधिकतम तापमान 51 डिग्री फॉरेनहाइट रहने का अनुमान है। इधर, शनिवार तक सी-टैक हवाई अड्डे पर करीब 1.25 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। न्यूज एजेड के हवाले से टैकोमा पब्लिक यूटिलिटीज़ ने बताया कि बिजली कटौती से 21000 से अधिक ग्राहक प्रभावित हुए हैं।

ग्रेज हार्बर पीयूडी के अनुसार, लगभग 12000 लोग बिना बिजली के हैं। सेड्रो-वूली में विकर रोड और फ्रूटडेल रोड के पास एक बहु-वाहन दुर्घटना के चलते अस्थायी रूप से अतिरिक्त बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में फंसे सभी लोग सुरक्षित बचा लिए गए हैं और अधिकांश सेवाएं बहाल हो चुकी हैं।

उ.प्र. में औषधि अधिकारियों की भर्ती साक्षात्कार की जगह लिखित परीक्षा से होगी : योगी

लखनऊ, देशबन्धु। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 अक्टूबर को जनपद लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन एवं नए पदों के सृजन सम्बन्धित प्रस्तावों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण तंत्र को और सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर कार्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अब जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी का पद सृजित किया जाए। औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए। इन पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई

समीक्षा बैठक में कई निर्णय

जाए। सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) के पदों की संख्या में वृद्धि तथा संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। उन्होंने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने खरना पूजा की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महापर्व छठ के खरना पूजा अवसर पर शुभकामनाएं दीं है। श्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा आप सभी को महापर्व छठ की खरना पूजा की असीम शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को सादर नमन! श्रद्धा और संयम के प्रतीक इस पावन अवसर पर गुड़ से तैयार खीर के साथ ही सात्विक प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा रही है। मेरी कामना है कि इस अनुष्ठान पर छठी मइया हर किसी को अपना आशीर्वाद दें।

उपराष्ट्रपति सेशेल्स की दो दिन की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन रविवार को सेशेल्स की दो दिन की यात्रा पर नई दिल्ली से रवाना हुए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार श्री राधाकृष्णन की सेशेल्स की यह यात्रा वहां की सरकार के निमंत्रण पर हो रही है।

उपराष्ट्रपति इस यात्रा में सेशेल्स के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के विक्टोरिया में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे।

यूक्रेन युद्ध के बीच रूस का खतरनाक क्रूज मिसाइल टेस्ट, इस 'तूफानी पक्षी' को रोकना असंभव

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। संघर्ष के बीच रूस ने अपनी सबसे नई परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल 'बुरेवेस्टनिक' का सफल परीक्षण पूरा कर लिया। रूस के उच्च स्तरीय सैन्य अधिकारी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस सफलता की जानकारी दी। यह मिसाइल परमाणु ऊर्जा पर निर्भर होने के चलते असीमित दूरी तय कर सकती है और इसमें परमाणु हथियार लादने की सुविधा भी है। रूसी सेना के महानिदेशालय प्रमुख जनरल वालेरी गेरासिमोव ने पुतिन को बताया कि मिसाइल ने 14000 किलोमीटर (करीब 8,700 मील) का सफर तय किया और हवाई क्षेत्र में लगभग 15 घंटे तक क्रियाशील रही। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के अनुसार, 9एम730 बुरेवेस्टनिक (स्टॉर्म पेट्रेल), जिसे नाटो ने एसएससी-एक्स-9 स्काईफॉल नाम दिया है, वर्तमान और भविष्य की मिसाइल रक्षा प्रणालियों के खिलाफ 'अजेय' है। इसकी सीमा लगभग अनंत है और उड़ान पथ अप्रत्याशित। रविवार के अपने भाषण में व्लादिमीर पुतिन ने गेरासिमोव को आदेश दिया कि बुरेवेस्टनिक के मुख्य परीक्षण अब समाप्त हो चुके हैं, इसलिए मिसाइलों की तैनाती से पहले अंतिम तैयारी के चरण पर तत्काल काम शुरू कर दिया जाए।

क्या है बुरेवेस्तनिक?- बुरेवेस्तनिक एक उच्च कोटी की क्रूज मिसाइल है, जो पारंपरिक मिसाइलों से पूरी तरह अलग है। इसकी खासियत एक छोटा परमाणु रिएक्टर है, जो इसे असीमित दूरी तय करने की क्षमता प्रदान करता है। सामान्य मिसाइलें ईंधन समाप्त होने पर रुक जाती हैं, लेकिन यह परमाणु ऊर्जा से संचालित होती है, जिससे यह हफ्तों या महीनों तक लगातार उड़ान भर सकती है। रूसी भाषा में इसका नाम स्टॉर्म पेट्रेल (तूफानी पक्षी) है, जो तूफान की पूर्वसूचना की तरह खतरे का प्रतीक है। यह मात्र 50-100 मीटर की कम ऊंचाई पर उड़ती है, जिसके कारण रडार इसे आसानी से ट्रैक नहीं कर पाते। इसमें परमाणु वारहेड (परमाणु विस्फोटक) फिट किया जा सकता है, जो विनाशकारी विस्फोट पैदा कर सकता है। यह इतिहास की पहली ऐसी हथियार प्रणाली है जो परमाणु प्रणोदन (न्यूक्लियर प्रोपल्शन) पर आधारित है। रूस का दावा है कि यह अमेरिका या नाटो के किसी भी मिसाइल रक्षा तंत्र को धोखा दे सकती है।

पाकिस्तान के सिंध में 13 लाख बच्चे मजदूरी करने को मजबूर

इस्लामाबाद, (आईएएनएस)। एक सरकारी सर्वे के मुताबिक, पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पांच से 17 साल की उम्र के करीब 13 लाख बच्चे बाल मजदूरी के जाल में फंसे हैं, जिनमें से 65 फीसदी एग्रीकल्चर सेक्टर (कृषि क्षेत्र) में काम कर रहे हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान के लेबर डिपार्टमेंट ने यूनिसेफ के साथ मिलकर सिंध चाइल्ड लेबर सर्वे 2023-2024 लॉन्च किया है।

पाकिस्तान के डेली डॉन वेबसाइट पर छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वे के अनुसार, 13 लाख बच्चों में से लगभग दो-तिहाई बच्चे एग्रीकल्चर सेक्टर में काम कर रहे थे, इसके बाद 12.4 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग में, जबकि 10.8 प्रतिशत होलसेल/रिटेल ट्रेड में थे। लगभग 30 साल बाद किए गए इस पहले सर्वे ने बाल श्रम को खत्म करने के लिए मजबूत नीतियां लागू करने के सबूत दिए हैं, जिसमें सिंध प्रांत के 29 जिलों में बच्चों की शैक्षिक स्थिति, माहौल और काम की जिम्मेदारियों के बारे में डिटेल्स सामने आए हैं। सर्वे के अनुसार, प्रांत में काम करने वाले बच्चों की संख्या 1996 में किए गए सर्वे के बाद से लगभग 50 प्रतिशत कम हो गई है, तब यह 20.6 प्रतिशत थी। सर्वे में पाया गया कि पांच से 17 साल की उम्र के 10.3

प्रतिशत बच्चे बाल श्रम में शामिल थे, जिसमें 13.7 प्रतिशत लड़के और 6.6 प्रतिशत लड़कियां थीं। इसमें पता चला कि 44.3 प्रतिशत माता-पिता अपने बच्चों को इसलिए काम करने देते हैं ताकि वे परिवार की इनकम बढ़ा सकें, जबकि बाल श्रम में फंसे 43.5 प्रतिशत बच्चों ने काम से जुड़ी थकान या चोट लगने की बात कही।

सर्वे के अनुसार, बाल श्रम सबसे ज्यादा सुजावल (35.1 प्रतिशत) और थारपारकर (25.6 प्रतिशत) में था, जबकि मलिर (2.7 प्रतिशत) और कराची साउथ (3 प्रतिशत) में कम मामले सामने आए। सर्वे से पता चला कि काम में लगे 10-17 साल के 50.4 प्रतिशत बच्चों को खतरनाक स्थितियों का सामना करना पड़ता है। परिस्थितियां अनुकूल नहीं होतीं। भारी बोझ उठाना (29.8 प्रतिशत) पड़ता है, बढ़े तापमान में काम करना (28.1 प्रतिशत) पड़ता है, और वर्क प्लेस पर दुर्व्यवहार (17.5 प्रतिशत) का सामना करना पड़ता है। इसमें पाया गया कि काम करने वाले बच्चों में से केवल 41.2 प्रतिशत ही स्कूल जाते हैं, जबकि काम न करने वाले 69.9 प्रतिशत बच्चे स्कूल जाते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या उम्र के साथ कम होती जाती है, क्योंकि 14-17 साल के काम करने वाले किशोरों में से केवल 29.1 प्रतिशत ही स्कूल जाते हैं। सर्वे में पता चला कि सबसे गरीब परिवारों में से 33.7 फीसदी परिवारों में एक बच्चा मजदूरी करता है। सर्वे के अनुसार, जिन परिवारों को बेनजीर इनकम सपोर्ट प्रोग्राम (बीआईएसपी) से मदद मिलती है या जो आर्थिक दिक्कतों का सामना कर रहे हैं, उनमें बाल मजदूरी की दर ज्यादा है। सर्वे लॉन्च के दौरान, लेबर सेक्रेटरी असदुल्लाह एब्रो ने कहा कि सर्वे के नतीजे इस बात की साफ याद दिलाते हैं कि उन्हें भविष्य में क्या काम करना है। उन्होंने सिंध प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऑफ चिल्ड्रन एक्ट, 2017 को मजबूत करने और इस समस्या की जड़ तक पहुंचने के लिए नीतियां बनाने पर बल दिया।

कई मामलों में वांछित भगोड़ा लखविंदर अमेरिका से भारत लाया गया

भगोड़े अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे लखविंदर कुमार को भारत लाया जा चुका है। हरियाणा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। लखविंदर कुमार को सीबीआई अमेरिका से भारत लेकर आई है। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसके तहत उसे दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर लाया गया, जहां उसे हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

लखविंदर कुमार हरियाणा पुलिस के कई मामलों में वांछित था। उस पर फिरौती, गैरकानूनी हथियार रखने और हत्या के प्रयास जैसे कई गंभीर मुकदमे चल रहे हैं। हरियाणा पुलिस ने 26 अक्टूबर 2024 को इंटरपोल के जरिए लखविंदर कुमार के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की थी। इसके बाद ही यह कार्यवाही हुई। लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट किया गया, जिसके बाद 25 अक्टूबर 2025 को वह भारत पहुंचा। एयरपोर्ट पर उतरते ही हरियाणा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। सीबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीबीआई ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से, वांछित भगोड़े लखविंदर कुमार की 25.10.2025 को अमेरिका से वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है। लखविंदर कुमार हरियाणा पुलिस द्वारा जबरन वसूली, धमकी, अवैध हथियार रखने और इस्तेमाल करने तथा हत्या के प्रयास से संबंधित कई आपराधिक मामलों में वांछित है। लखविंदर कुमार लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा एक गैंगस्टर है। एजेंसी ने आगे कहा, इससे पहले सीबीआई ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर 26.10.2024 को इंटरपोल के माध्यम से लखविंदर कुमार के खिलाफ रेड नोटिस प्रकाशित करवाया था। लखविंदर कुमार को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया और वह 25.10.2025 को भारत पहुंचा। उसे दिल्ली हवाई अड्डे पर हरियाणा पुलिस की एक टीम ने हिरासत में ले लिया।

खंड -1

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - दक्षिण सिवनी वनमण्डल मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 3137/ ई-टेंडरिंग/2025-26 दिनांक 22.10.2025

1 . वनमंडलाधिकारी, दक्षिण सिवनी वनमण्डल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथासंशोधित-2022) के अंतर्गत वन एवं वन्यप्राणी तथा अन्य वन संपदा की प्रभावी सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये मासिक किराये पर वाहन अनुबंधित करने हेतु (पी.ओ.एल. रहित समस्त टैक्स तथा वाहन चालक सहित) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	वाहन का प्रकार	प्रत्येक वाहन हेतु सत्यंकार की निधि (रू. में)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	स्कॉर्पियों ए.सी.	10000/-	1000/-
2	बोलेरो ए.सी.		

2. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।
3. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 23/10/2025 बजे 01.30 PM से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
4. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
5. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
6. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल - https://www.mptenders.gov.in/

क्र.	जानकारी	विवरण
1	निविदा प्रारंभ करने की तिथि	23/10/2025 दोपहर 10.30 बजे
2	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	03/11/2025 शाम 06.00 बजे
3	तकनीकी प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि	06/11/2025 दोपहर 01.30 बजे
4	वित्तीय प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि	07/11/2025 दोपहर 01.30 बजे
5	जमा करने का प्रकार	आनलाईन जमा

https://www.mptenders.gov.in/ पर करें

G-20542/25 स्वच्छता ही सेवा

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण सिवनी वनमण्डल

निविदा/ नियुक्ति/जाहिरात

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं कृष्ण कुमार शर्मा आत्मज स्वर्गीय सतीश चंद्र शर्मा निवासी प्लॉट नंबर 11 सनसिटी कंचनपुर आधारताल थाना आधारताल जिला जबलपुर का निवासी हूं मेरा पुत्र रितेश शर्मा केंद्रीय विद्यालय सीओडी जबलपुर में कक्षा 9वी का छात्र है मेरे पुत्र के स्कूल रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम संगीता शर्मा (SANGEETA SHARMA) दर्ज है जिसकी इंग्लिश स्पेलिंग गलत है मेरी पत्नी का सही नाम संगीता शर्मा (SANGITA SHARMA) है। अतः मेरी पत्नी का नाम संगीता शर्मा (SANGEETA SHARMA) के स्थान पर संगीता शर्मा (SANGITA SHARMA) लिखा पढ़ा और जाना पहचाना जाए।

कृति

नाम सुधार सूचना

मैं नसीम खान पिता रहीम खान शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र का नाम पासपोर्ट में मोहम्मद गानिम गुशैरिब रजा खान (Mohammad Ganim Gousharib Raza Khan) है जबकि बाकी सभी दस्तावेज में इनका नाम गानिम गुशैरिब रजा (Ganim Gousharib Raza) है जो कि सही नाम है। अतः मेरे पुत्र को भविष्य में गानिम गुशैरिब रज़ा (Ganim Gousharib Raza) नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

र.नं. 2355

नीतीश का राजद पर करारा प्रहार, कहा लोग अराजकता के दौर में वापस नहीं लौटेंगे

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है।

इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए 2005 से पहले के दौर को याद किया और बताया कि उन्होंने 20 सालों में क्या बदलाव किए। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि 2005 से पहले का दौर आप सब सबको याद होगा, जब बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर था। हर तरफ अराजकता का माहौल था। लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया था। शाम 6 बजे के बाद लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल पाते थे। हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। राज्य में अपहरण का धंधा उद्योग का रूप धारण कर चुका था। शोरूम से दिनदहाड़े गाड़ियां लूट ली जाती थीं।उन्होंने कहा कि अपराधियों के भय से कोई नई गाड़ी नहीं खरीदना चाहता था। पैसा रहते हुए भी कोई नया मकान नहीं बनाना चाहता था। राज्य में रंगदारों के आतंक की वजह से उद्योग धंधे बंद हो चुके थे। राज्य से डॉक्टर-इंजीनियर पलायन कर रहे थे। पूरी व्यवस्था चरमरा गई थी। बिहार में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई थी। अपराध को सत्ता से सीधे संरक्षण मिल रहा था और सत्ता में बैठे लोगों ने शासन-प्रशासन को पूरी तरह से पंगु बना कर रख दिया था। राज्य की जनता डर के साए में जीवन व्यतीत करने को मजबूर थी। बिहारी कहलाना अपमान की बात थी।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, डिण्डौरी

//-अधिसूचना-//

डिण्डौरी दिनांक 29/08/2025

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक Reliance BP Mobility Lmt. Block No. 1, 3rd Floor, DB City Mall Corporate Wing, Bhopal mp द्वारा संदर्भित पत्र के माध्यम से प्रोपराईटर श्री अविनाश छावड़ा मेसर्स माँ जगदम्बा पेट्रोलियम हाउस नम्बर 89 वार्ड नं. 10 जगदम्बा मंदिर के पास डिण्डौरी खसरा नं. 1023/1/2/&1023/1/1/1/2, Village KOHKA तहसील एवं जिला डिण्डौरी में स्थापित होने वाले न्यू रिटेल आउट लेट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) स्थापित किये जाने के हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने का अनुरोध किया गया है।

अतः पेट्रोलियम नियम 2002 के नियम 144 के अंतर्गत प्रश्नागत भूमि पर पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प की स्थापना से यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति होने हैं तो वह अपनी आपत्ति अधिसूचना प्रकाशित होने के 30 दिवस के अंदर इस कार्यालय में लिखित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि समाप्त होने उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अति. जिला दण्डाधिकारी
जिला-डिण्डौरी

जोरदार झटकों से दहला जापान, भूकम्प की तीव्रता 5.9 रही, घरों से बाहर निकले लोग

टोक्यो। जापान के उत्तरी हिस्से में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। पूर्वी होक्काइडो क्षेत्र में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गई। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र नेमुरो प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्व में करीब 40 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। झटकों के बाद कई लोग एहतियातन अपने घरों से बाहर निकल आए। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। स्थानीय समाचार एजेंसी क्योदो के अनुसार, भूकंप दोपहर 1:40 बजे आया और उत्तरी द्वीप के कई हिस्सों में जापान के सात-स्तरीय भूकंपीय पैमाने पर इसकी तीव्रता 5 से थोड़ी कम दर्ज की गई।

देश-प्रदेश

उवाच

सतारा में महिला डॉक्टर की मौत आत्महत्या नहीं, संस्थागत हत्या

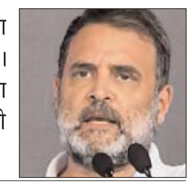

नई दिल्ली/सतारा, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सतारा में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले पर सरकार को घेरा है। उन्होंने इसे सामान्य आत्महत्या नहीं, बल्कि 'संस्थागत हत्या' करार दिया। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा कि वे न्याय की लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर महिला डॉक्टर की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है।

राज्यपाल मन की बात कार्यक्रम के आयोजन में हुए शामिल, कहा-

पुस्तकीय ज्ञान के साथ समसामयिक जानकारी जरूरी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही देश में हो रही प्रगति और विकास के बारे में समसामयिक जानकारी होना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम ऐसी अद्भुत पहल है, जिसमें देश में हो रहे नवाचारों और प्रगति की जानकारी मिलती है। उन्होंने विश्वविद्यालयों के छात्रावासों में मन की बात कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण की व्यवस्था करने के लिए भी कहा है।

राज्यपाल श्री पटेल रविवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में मन की बात के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम के छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन ज्ञान विज्ञान भवन में किया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय आगमन पर ज्ञान विज्ञान भवन परिसर में पौधरोपण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की छात्राओं जैनस्वी शर्मा, खुशी सेन ने हम उठे जग उठे, लक्ष्य गीत का गायन किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात और परीक्षा पे चर्चा जैसे कार्यक्रम राष्ट्र जागरण की अभूतपूर्व पहल है। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के द्वारा गरीब, वंचित और पिछड़े व्यक्तियों और क्षेत्रों के द्वारा देश-समाज के निर्माण में दिये जा रहे योगदान की जानकारी दी जाती है। इन प्रेरक प्रसंगों से आत्मबल से विकास और परिवर्तन के लिए समाज को आत्मविश्वास, प्रेरणा और उत्साह प्राप्त होती है। इसी तरह परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के द्वारा प्रधानमंत्री ने विद्यार्थी परीक्षा की कैसे तैयारी करें, पालक बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करें, इन सभी विषयों पर विस्तार से समझाइश देकर छात्र-छात्राओं पर अनावश्यक रूप से परीक्षा के समय बनने वाले भारी दबाव कम करने में बहुत मदद की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकसित भारत@2047 की नई पहल की है। आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ पर राष्ट्र का स्वरूप कैसा होगा इस दिशा में विवेकानंद जयंती के अवसर पर नई पहल की है। देश भर के विद्यार्थियों से राष्ट्र के भावी स्वरूप के संबंध में उनके विचार प्राप्त किये। चयनित 3 हजार युवाओं के साथ नई दिल्ली में गोष्ठी भी की है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ज्ञान के साथ संस्कार से ही जीवन अच्छा जीवन होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार देना केवल शिक्षण संस्थाओं का दायित्व नहीं हो सकता। परिवार को भी बच्चों में संस्कार देने की जिम्मेदारी समझना होगी। बच्चे माता-पिता के आचरण से संस्कार ग्रहण करते हैं। परिवार का वातावरण संस्कारित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्ञान से प्राप्त प्रगति अधूरी है। यदि उसमें अपने माता-पिता, राष्ट्र, समाज के प्रति सम्मान और सेवा का भाव नहीं है। उन्होंने कहा माता-पिता अपने बच्चों की अंगुली पकड़ कर चलना सिखाते हैं। वृद्धावस्था में उनके साथ दुर्व्यवहार करके कोई भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलगुरू एस.के. जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया।

रेलवे ने छठ के बाद वापस लौटने के लिए किए व्यापक इंतजाम

यात्रियों के लिए 30 स्टेशनों पर बनाए होल्डिंग एरिया

नई दिल्ली, देशबन्धु। छठ महापर्व मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किये हैं। इसके लिए बिहार- पूर्वांचल क्षेत्र के 30 रेलवे स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं जहां यात्री ट्रेन की रवानगी के पहले अपना समय गुजार सकते हैं। रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार छठ महापर्व के समापन के बाद बिहार और उसके आस-पास के जिलों से बड़ी संख्या में यात्री अलग-अलग गंतव्यों के लिए रवाना होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यात्रियों को सुव्यवस्थित रखने, भीड़ नियंत्रण और ट्रेनों के सुचारू संचालन के उद्देश्य से रेलवे ने बिहार और उसके निकटवर्ती राज्यों के प्रमुख स्टेशनों पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाए हैं।

रेलवे ने बताया है कि जिन स्टेशनों पर होडिंग एरिया बनाए गए हैं, उनमें बिहार के पटना, दानापुर, गया, मुजफ्फरपुर, सहरसा, जयनगर, बरौनी, हाजीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, सकरी, मधुबनी, बापूधाम मोतिहारी, रक्सौल, समस्तीपुर, भागलपुर, जसीडीह, जमालपुर, कटिहार, जोगबनी, फारबिसगंज, पूर्णिया, किशनगंज, बारसोई, छपरा, सीवान और उत्तर प्रदेश के पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, गोरखपुर, बनारस और बलिया जैसे 30 स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा देश के अन्य राज्यों में भी प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे के अनुसार इन होल्डिंग एरिया का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर में समय से पहले पहुंचने वाले यात्रियों को सुव्यवस्थित रूप से ठहराना और ट्रेन के प्रस्थान के समय उन्हें कतारबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाना है, ताकि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या भीड़भाड़ से बचा जा सके।

रेल में लोग ठूंस कर घर जाने को मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने रेल मंत्रालय द्वारा महापर्व छठ के दौरान 12 हजार ट्रेन चलाने के केंद्र सरकार के ऐलान पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव डींगे हाँक रहे थे कि त्योहार पर 12 हजार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। भगवान ही जानें कहां चलीं यह ट्रेन क्योंकि लोग अभी भी भेड़ बकरी की तरह जिस तरह से रेल के डिब्बों में लोग ठूंस कर घर जाने को मजबूर हैं। उन्होंने रेल मंत्री को रील मंत्री बताते हुए कहा कि वह एसी वाले यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल का अनावरण करने में व्यस्त हैं जनता परेशान हो इससे उन्हें क्या।

लेह में लगे भूकंप के हल्के झटके

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इस हादसे में हालांकि जान-माल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार रविवार सुबह 7:30 बजे लेह में भूकंप आया। उन्होंने कहा कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई जबकि इसकी गहराई जमीन के नीचे 10 किलोमीटर पर थी। इस भूकंप के परिणामस्वरूप किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले 13 अक्टूबर की देर रात को भी इसी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई तथा इसकी गहराई 10 किलोमीटर पर स्थित थी।

मुख्यमंत्री ने नया भारत-हरा भारत यात्रा को झंडी दिखाई

रायसेन की अंजना अरुणाचल से गुजरात तक करेंगी साइकिल यात्रा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित पैडल टू प्लांट कार्यक्रम नया भारत-हरा भारत की यात्रा पर निकल रही अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोही सुश्री अंजना यादव को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से रविवार को झंडी दिखाकर रवाना किया।

एकीकृत, सशक्त और प्रगतशील भारत के संदेश का होगा प्रचार

पेडल टू प्लांट कार्यक्रम, नया भारत हरा भारत के अंतर्गत सुश्री अंजना यादव और उनकी टीम के द्वारा अरुणाचल प्रदेश से गुजरात 4 हजार किलोमीटर साइकिल से सफर तय किया जाएगा। इसके अंतर्गत वे भारत की संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देंगी। सुश्री अंजना यादव सरदार वल्लभभाई पटेल के एकीकृत, सशक्त और प्रगतशील भारत के दृष्टिकोण को भी प्रचारित करेंगी। सुश्री अंजना यादव रायसेन जिले के ग्राम सेमारी की रहने वाली हैं, जो 5 वर्षों से माउंटेनियर के रूप में सक्रिय हैं। सुश्री अंजना यादव अब तक 20 अंतर्राष्ट्रीय पर्वतों पर चढ़ाई कर चुकी हैं। अब उनका अगला लक्ष्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट ऐवरेस्ट पर वर्ष-2026 में सफलता प्राप्त करना है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल, प्रदेश अध्यक्ष ने सांची में सुनी मोदी के मन की बात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भोपाल की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के करूणाधाम मंडल के वार्ड-27 के बूथ क्रमांक 48, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रायसेन जिले की सांची विधानसभा के सलामतपुर मंडल के ग्राम खोह में बूथ क्रमांक-7 एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने बिहार की दरभंगा विधानसभा के प्रधान कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने लोगों के घरों में स्टीकर चिपकाकर स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई और कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दृष्टिकोण और कार्यों से देश में सकारात्मक ऊर्जा की धारा को प्रवाह किया है। प्रधानमंत्री जी ने ''मन की बात'' कार्यक्रम में देश के सभी क्षेत्रों को जोड़कर प्रेरक प्रसंगों से हम सभी को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। आप सभी 01 से 03 नवंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में सहभागी बनें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम में हर नागरिक के 'मन की बात' होती है। मध्यप्रदेश में सितंबर माह में 82 प्रतिशत बूथों में ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुना गया था। भाजपा मध्यप्रदेश में 'मन की बात' कार्यक्रम को 100 प्रतिशत बूथों पर सुनने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, मंडल अध्यक्ष मुकेश दिहाड़े, बूथ अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, शिवचरण रघुवंशी सहित पार्टी पदाधिकारी व आमजन उपस्थित रहे। रायसेन जिले के ग्राम खोह में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, सरपंच संघ के अध्यक्ष कालूराम मीणा, बूथ अध्यक्ष बालकिशन विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव ने लगाया आरोप

सरकारी नीतियों से किसान और कृषि मंडियां संकट में

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता अरुण यादव ने आरोप लगाया कि सरकारी नीतियों से किसान और कृषि उपज मंडियां संकट में हैं। प्रदेश में किसानों को उपज के वाजिब दाम नहीं दिए जा रहे। उन्होंने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ठेकेदारों और व्यापारियों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन का समर्थन मूल्य 5300 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया, लेकिन मंडियों में किसानों को केवल 3500 रुपये में फसल बेचनी पड़ रही है। मक्का सहित अन्य उपजों के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि किसानों को भुगतान के लिए मंडी बोर्ड को 15 सौ रुपए का अतिरिक्त ऋण दिलाया जा रहा। जबकि वह पहले से ही 17 सौ करोड़ के घाटे में है। श्री यादव ने आरोप लगाया कि मंडी बोर्ड को जानबूझकर कर्ज में डुबोकर समाप्त करने की पटकथा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडी बोर्ड एक स्वायित्व संस्था है। यदि सरकार किसानों को भुगतान करना चाहती है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

भिंड, देशबन्धु। जिले के दबोह क्षेत्र में पुरानी रंजिश के कारण रायपुरा गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान एक युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने कार और बाइक में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। इस घटना में मृतक का मामा भी गंभीर रूप से घायल हुआ और उसे इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया।

गुस्साए लोगों ने कार और बाइक फूंकी

घटना के बाद लोग गुस्से में आ गए और आरोपियों के घरों पर हमला कर कार और बाइक में आग लगा दी। गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार रूद्रप्रताप सिंह और कौरव परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते हुए झगड़े में आरोपियों ने हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने रणवीर कौरव, अंशु कौरव, प्रहलाद कौरव, राजीव कौरव और कुंअर सिंह कौरव के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आगजनी की घटना को लेकर अलग से मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक ने बताया कि गांव में स्थिति फिलहाल सामान्य है और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें सक्रिय हैं। टीआई राजेश शर्मा ने कहा कि पुरानी रंजिश के चलते पांच लोगों ने मिलकर रूद्रप्रताप की हत्या की और मामले की पूरी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अनूपपुर पहुंचकर विधायक के पुत्र के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह के गृह ग्राम परासी पहुंचकर उनके पुत्र स्व. अमृतलाल सिंह के असामायिक निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक-संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवार को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान विधायक अनूपपुर पूर्व मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह एवं परिजन सहित कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण (कैबिनेट मंत्री दर्जा) श्री रामलाल रौतेल, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पसान श्री राम अवध सिंह, जनप्रतिनिधि और कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली उपस्थित रहे।

मऊगंज जिले में खांसी की दवा से बच्चे की मौत का मामला

मेडिकल स्टोर सील, संचालक पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। मऊगंज जिले के ग्राम खटखरी (थाना शाहपुर) में खांसी की दवा के सेवन से 5 माह के बच्चे की मृत्यु की घटना पर शासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि विनोद मेडिकल स्टोर के संचालक जितेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा बिना किसी डॉक्टर के पर्चे और सलाह के एलोपैथिक दवाएं दी गई थीं, इसके बाद बच्चे की मृत्यु हुई। औषधि निरीक्षक मऊगंज द्वारा 8 औषधियों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। वहीं 5 औषधियों के स्टॉक को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत फॉर्म-15 में फ्रीज़ किया गया है।

नियंत्रक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच अनुसार, बालक को पिछले एक माह से श्वसन संबंधी परेशानी थी। प्रारंभ में बच्चे का उपचार एक पंजीकृत बाल रोग विशेषज्ञ से कराया गया था, जिसके बाद सुधार न होने पर अभिभावकों ने स्थानीय आयुर्वेदिक चिकित्सक को दिखाया। आयुर्वेदिक चिकित्सक द्वारा एलोपैथिक औषधियों का उपयोग किया गया, जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर था। इन दवाओं से भी सुधार न होने पर बालक के अभिभावकों ने खटखरी स्थित विनोद मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के पर्चे की दवाएं लीं, इसके बाद से बच्चे की तबीयत बिगड़ी और उसकी मृत्यु हो गई।

औषधि विक्रय संस्थान विनोद मेडिकल स्टोर, खटखरी को औषधि निरीक्षक द्वारा सील किया गया है और संचालक जितेन्द्र कुमार गुप्ता के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। जांच में पाया गया कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवा विक्रय कर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 65(2) का उल्लंघन किया गया है। नियंत्रक ने कहा कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही संबंधित अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नियंत्रक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 10 अक्टूबर 2025 को ही सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिए गए थे कि औषधि विक्रय संस्थानों पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य है और बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के दवा विक्रय न किया जाए।

उज्जैन में होगा कालिदास समारोह, नवाचारों से सजेगा सांस्कृतिक महोत्सव

भोपाल, देशबन्धु। छह दशकों से अधिक समय से अपनी अखंड परंपरा को जीवंत रखने वाला अखिल भारतीय कालिदास समारोह अब 67वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 1958 से उज्जैन में आयोजित यह प्रतिष्ठित सांस्कृतिक अनुष्ठान 30 अक्टूबर से 7 नवंबर तक कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। इस वर्ष पूर्वरंग, नवाचारों, लोकप्रिय आकर्षणों और युवा सहभागिता के साथ यह समारोह नई ऊंचाइयों को छुएगा, जो आयोजकों, कलाकारों, कला प्रेमियों और उज्जैनवासियों की सामूहिक सफलता का प्रतीक है। अकादमी निदेशक डॉ. गोविंद ने बताया कि 30 अक्टूबर को मां गढ़कालिका पर वागर्चन में शहर के 1100 छात्र-छात्राओं द्वारा श्यामलादंडकम् और देवी स्तुति की सामूहिक प्रस्तुति होगी। नृत्याराधना नृत्य मंदिर संस्थान द्वारा देवी स्तुति में नृत्य आराधना भी होगी। 31 अक्टूबर को पारंपरिक कलश यात्रा रामघाट से शुरू होकर अकादमी परिसर तक पहुंचेगी। इसमें छत्तीसगढ़ का पंथी नृत्य, नासिक के ढोल-ताशे, पुलिस बैंड, लोककलाकारों के नृत्य और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

जूडो, कुश्ती और कुराश के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित

खिलाड़ी भारतीय खेलों को बढ़ावा दें : काश्यप

भोपाल, देशबन्धु। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने रविवार को विद्या भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अ.भा. जूडो, कुश्ती और कुराश प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर शारदा विहार भोपाल में हुई। श्री काश्यप क्रीड़ा भारती के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। मंत्री श्री काश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की सराहना की और आह्वान किया कि वे भारत के परंपरागत खेलों को बढ़ावा दें। उन्होंने खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेलों से स्वस्थ शरीर बनता है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। खेलों से व्यक्तित्व का विकास होता है, इसलिए खेलना आवश्यक है। इसमें 22 राज्यों के 1100 खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन किया। स्पर्धा के विजेता खिलाड़ी आगे एस.जी.एफ.आई. में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर ग्राम भारती के प्रांतीय सचिव वीरेंद्र सेंगर, विद्या भारती के पर्यवेक्षक सतपाल सिंह, शारदा विहार समिति के सदस्य राजेंद्र आर्य, प्रबंधक राजेश तिवारी तथा विद्या भारती मध्य क्षेत्र के खेल सह संयोजक मनीष वाजपेई उपस्थित रहे।

शहादत देने में सबसे आगे जम्मू कश्मीर पुलिस

- शहीद होने वालों में सबसे अधिक कांस्टेबल
- 1989 से लेकर अब तक के हैं ये आंकड़े

जम्मू, देशबन्धु। देश में जब शहादत देने की बात आती है तो जम्मू कश्मीर पुलिस को भूला नहीं जा सकता। आधिकारिक तौर पर इसे माना गया है कि 1989 से लेकर अभी तक प्रदेश में 1700 से अधिक पुलिसकर्मी मारे भी जा चुके हैं। गैर सरकारी तौर पर मरने वाले पुलिसकर्मियों की संख्या 2000 से ज्यादा है।

आधिकारिक आंकड़ों के बकौल, कश्मीर में आतंकी हिंसा में मृत पुलिसकर्मियों में सबसे अधिक कांस्टेबल हैं जिनकी संख्या 583 है तो उसके बाद दूसरा स्थान एसपीओ अर्थात विशेष पुलिस अधिकारियों का आता है। आंकड़ों के मुताबिक, 616 एसपीओ इस अवधि में जान गंवा चुके हैं। कश्मीर में 36 सालों से फैले आतंकवाद के दौर में जम्मू कश्मीर पुलिस एक डीआईजी, एक एसपी, 22 डीएसपी, 28 इंस्पेक्टर, 39 सब इंस्पेक्टर और 69 एएसआई रैंक के अधिकारियों को भी खो चुकी है। यही नहीं 150 हेड कांस्टेबल, 189 सीनियर ग्रेड कांस्टेबल तथा 26 फालोअर्स भी आतंकी हिंसा में शहादत पा चुके हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस की शहादत की शोर्यगाथाएं भी अपना एक मुकाम रखती हैं। तभी तो इन शहादतों के लिए वे कई बार कई पदकों से नवाजी जा चुकी है। इन शहादतों के लिए उसे अभी तक एक अशोक चक्र, दो कीर्ति चक्र, 18 शौर्य चक्र, 1672 प्रेसिडेंट पुलिस गैलेंटरी अवार्ड तथा 1822 जम्मू कश्मीर पुलिस मेडल फार गैलेंटरी भी प्राप्त हुए हैं। कश्मीर में फैले आतंकवाद की तस्वीर का एक पहलू यह है कि जम्मू कश्मीर पुलिस कभी सिर्फ लाशें गिनने वाली फोर्स बन रह गई थी पर अब वह सबसे आगे रहकर आतंकवाद का खात्मा करने की ओर अग्रसर है। आतंकी हमलों, चेतावनियों और धमकियों के बावजूद कश्मीर में मारे जाने वाले हजारों आतंकियों में से आधे की मौत में जम्मू कश्मीर पुलिस की प्रमुख भूमिका रही है।

बिहार विधानसभा चुनावः तेजस्वी ने की बड़ी घोषणाएं

वक्फ बिल को कूड़ेदान में फेंक देंगे

पंचायत प्रतिनिधियों को देंगे पेंशन, 50 लाख का बीमा

कटिहार, एजेंसी। महागठबंधन के मुख्यमंत्री के चेहरे और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वक्फ बिल को लेकर बड़ा बयान दिया। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार आने पर वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। वहीं उन्होंने नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साधा।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने हमेशा सांप्रदायिक ताकतों का समर्थन किया है। उन्हीं की वजह से आरएसएस और उसके सहयोगी संगठन राज्य और देश में सांप्रदायिक नफरत फैला रहे है। भाजपा को 'भारत जलाओ पार्टी' कहा जाना चाहिए। अगर राज्य में इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो हम वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे। तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 20 साल पुरानी नीतीश कुमार सरकार से थक चुकी है। सीएम अपने होश में नहीं है। सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

CHANGE OF DOB

I, MADDULA RAVANAMMA is legally mother of No 15731151Y Rank NAIK Name Maddula Venkata Krishna Reddy, presently residing at VILL: Musalreddy Palli, PO: Kavalakuntia, TEHSIL: Porumamilla, DISTT. Cuddapah, STATE: Andhra Pradesh, PIN-516505, I have changed my date of birth 01 Apr 1979 to 01 Jan 1971 Vide Affidavit No. 297779 dated 04/10/2025 before Notary, BADVEL Andhra Pradesh.
INCORRECT DOB
01/04/1979
CORRECT DOB
01/01/1971

CHANGE OF NAME & DOB

I, MADDULA KOTAIAH is legally Father of No 15731151Y Rank NAIK Name Maddula Venkata Krishna Reddy, presently residing at VILL: Musalreddy Palli, PO: Kavalakuntia, TEHSIL: Porumamilla, DISTT: Cuddapah, STATE: Andhra Pradesh, PIN-516505, I have changed my Name from MADDULA KOTAIAH to MADDULA KOTI REDDY and date of birth 05/08/1970 to 01/01/1967 Vide Affidavit No. 297778 dated 04/10/2025 before Notary, BADVEL Andhra Pradesh.
INCORRECT NAME
MADDULA KOTAIAH
INCORRECT DOB - 05/08/1970
CORRECT NAME
MADDULA KOTI REDDY
CORRECT DOB - 01/01/1967

जबलपुर, सोमवार 27 अक्टूबर 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चर्चाओं में संभव नहीं है।

अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे।

ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं।

पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीज़ा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं। वहीं चीन पर भी अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी किसानों से सोयाबीन खरीद को रोक लगाकर अमेरिका की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चोट की है। इसके अलावा चीन रेयर अर्थ यानी धरती के दुर्लभ खनिजों को भी अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। ये ऐसे खनिज हैं, जिनके बिना सेमीकंडक्टर, हथियार सिस्टम, गाड़ियां या स्मार्टफ़ोन तक नहीं बनाए जा सकते। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को इन दुर्लभ खनिजों की लगातार जरूरत है। चीन के अलावा और जिन देशों में इनकी उपलब्धता है, वहां तो अमेरिकी दबाव काम कर जाता है, मगर चीन के साथ ट्रंप को आमने-सामने समझौता करना पड़ेगा। चीन की भी व्यापार, रोजगार आदि की अपनी समस्याएं हैं, जो अमेरिकी टैरिफ से और बढ़ी हैं। लिहाजा दोनों देश अब व्यापार के मुनाफे को अहमियत देते हुए किसी बड़े समझौते पर राजी हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति इसी तरह काम करती है, जहां अपना नुकसान कराए बिना सामने वाले पक्ष को राजी किया जाता है। फिलहाल भारत में ऐसी कूटनीति नदारद है। नरेन्द्र मोदी दुनिया भर के नेताओं से गले मिल लें, हाथ मिलाकर फोटो खिंचवा लें, हंसी-ठट्ठा करते दिखें, लेकिन जनता के धन पर हो रही इन खर्चीली मुलाकातों से देश को आखिर में क्या हासिल हो रहा है, यह सवाल सरकार से किया जाना चाहिए। ट्रंप से मलेशिया में मुलाकात कर, आंख में आंख डालकर अगर मोदी यह पूछ सकते कि आप हमें कैसे निर्देशित कर सकते हैं कि हम रुस से तेल खरीदें या न खरीदें। अगर मोदी यह पूछ सकते कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों पर आप बिना अधिकार के बयान क्यों दे रहे हैं। अगर मोदी यह पूछ सकते कि आपने मेरे देश के लोगों को जंजीरों में बांधकर अपने सैन्य जहाज में भरकर क्यों भेजा। तब तो मोदी के विश्वगुरु बनने की संभावनाएं दिखतीं, अभी तो संभावनाओं की जगह केवल शर्मिंदगी दिख रही है।

बिहार में मुस्लिम उप मुख्यमंत्री? जनाब वहां तो मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुके हैं!

जो मुस्लिम के नाम, जबान, कपड़े, त्यौहार, खाने-पीने सब को संदेह के घेर में लाने की कोशिश कर रहे हों वे अचानक इस बात के लिए फिक्रमंद हो गए कि बिहार में महागठबंधन मुस्लिम के लिए उप मुख्यमंत्री पद की घोषणा नहीं कर रहा है!

इसमें सबसे ज्यादा दु:ख और फिक्र की बात यह है कि मुस्लिमों का एक हिस्सा इस दुष्प्रचार में फंस रहा है। वे भी ऐसी बातें करने लगे जैसी बीजेपी, प्रशांत किशोर, चिराग पासवान, नीतीश कुमार की पार्टी, गोदी मीडिया, भक्त वगैरह वगैरह कर रहे हैं।

मुस्लिम यह नहीं सोच रहा कि यह हमारे अचानक हमदर्द कहां से बन गए? और अगर बन गए हैं तो पहले उन गिरिराज सिंह से क्यों नहीं पूछ रहे जो मुस्लिम को नमकहराम कह रहे हैं। पाकिस्तान तो वे हमेशा से भेजते रहते हैं! मुस्लिम को यह सोचना चाहिए कि उप मुख्यमंत्री एक इतनी सामान्य, स्वाभाविक चीज है जो तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने पर उनके समुदाय को मिलना ही है।

मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है।

मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की। अफसोस मुस्लिम का एक हिस्सा इस उपमुख्यमंत्री पद के झमेले में फंसकर कांग्रेस और आरजेडी से ऐसे सवाल पूछ रहा है जैसे बीजेपी और उसके समर्थक। ऊपर जो नाम हमने लिखे चिराग, प्रशांत किशोर, नीतीश यह सब प्रच्छन्न रूप से बीजेपी ही हैं। ओवैसी भी इसमें शामिल हैं। उनकी पार्टी के लोग और ज्यादा तुर्शी से सवाल पूछ रहे हैं।

हमने ऊपर यह भी लिखा कि तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने के साथ एक मुस्लिम उप मुख्यमंत्री भी बनेगा। यह एक इतनी बड़ी सच्चाई है जो सबको मालूम है। सवाल उठाने वाले भाजपा और उसके सहयोगियों को भी। मगर क्या वे ऐसा चाहते हैं? कभी नहीं! फिर क्यों सवाल उठा रहे हैं? बस यही मुस्लिमों को सोचना चाहिए। वे इसलिए एक नान इशु को इशु बना रहे हैं कि इसी के जरिए वे मुस्लिम के खिलाफ और माहौल बना सकते हैं। और मुस्लिम के खिलाफ माहौल बनाने का मतलब उसके जरिए हिन्दुओं का ध्रुवीकरण। वही पुराने झूठ का राग फिर से अलापना कि देखो कांग्रेस आरजेडी मुस्लिम तुष्टिकरण कर रहे हैं। मुस्लिम की पार्टी है यह। किसी वर्ग विशेष की पार्टी बनाकर दूसरे बड़े समुदाय को भड़काना इनका पुराना खेल है। यूपी में सपा को खुलेआम यादवों की पार्टी कहा जाने लगा है। बिहार में इतना खुलकर यादवों के खिलाफ नहीं बोला जा रहा है मगर मुस्लिम को उनके साथ टेग करके हिन्दुओं के दूसरे वर्गों को भड़काया जा रहा है। एमवाय एक ऐसा ही नाम है जो मीडिया ने लालू के खिलाफ इस्तेमाल किया। एमवाय कहकर लिखकर बाकी लोगों को आरजेडी से दूर करने का प्रयास किया। इसलिए राहुल गांधी ने कहा कि हम गरीब सवर्णों के भी साथ खड़े हैं।

शकील अख्तर

> मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है। मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की।

आज के वक्त में सबसे बड़ी जरूरत झूठी धारणाओं से बचने और बचाने की है। अगर उप मुख्यमंत्री मुस्लिम को देंगे की घोषणा हो जाती तो अभी तक पूरा चुनाव एक नया टर्न ले चुका होता। यहां महागठबंधन ने राजनीतिक समझदारी का परिचय दिया। मगर उस हद तक मुस्लिम नहीं दे पाए। सिर्फ बीजेपी कहती तो वे समझ भी जाते कि इस पार्टी ने तो जो दो नेता मुस्लिम थे मुख्तार अब्बास नकवी और शाहनवाज हुसैन और जिनकी भाजपा भक्ति किसी भाजपा के नेता से कम नहीं थी उन्हें भी मंत्री पद तो छोड़िए सांसदी से भी हटा दिया। बिहार में एक मुस्लिम को टिकट नहीं दिया। वह मुस्लिम उप मुख्यमंत्री का मुद्दा केवल इसलिए उछाल रही है कि अगर दबाव में आकर घोषणा कर दें तो तुष्टिकरण का राग फिर से शुरू और अगर नहीं करें तो मुस्लिम को भड़काना शुरू कि तुम तो किसी गिनती में ही नहीं हो।

मगर बीजेपी के सुर में सुर मिलाकर जिस तरह ओवैसी की पार्टी इस मुद्दे को तूल देने में जुटी उससे मुस्लिम कुछ हद तक बहक गया। मुस्लिम को यह समझना चाहिए कि ओवैसी अभी सबसे आगे आगे मोदी का प्रचार करने वर्ल्ड टूर पर गए थे। इस झूठ का पर्दाफाश हो चुका है कि दुनिया को भारत की स्थिति बताने के लिए विभिन्न डेलिगेशन जिनमें ओवैसी के जाने का सबसे ज्यादा प्रचार किया गया, गए थे। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने आपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेना शुरू करके बता दिया कि विभिन्न देशों में डेलिगेशन पहुंचाने का उद्देश्य भारत की नहीं अपनी छवि बनानी थी।

ओवैसी मोदी को ही राजनीतिक लाभ पहुंचा रहे थे। और अब बिहार में मुस्लिम बहुल इलाके सीमांचल से अपनी पार्टी के 25 से ज्यादा उम्मीदवार लड़वाकर वे केवल महागठबंधन को नुकसान पहुंचाने की ही कोशिश कर रहे हैं। पिछली बार 2020 में उनकी पार्टी ने पांच सीटें जीती थी। वहां 36 साल और 16 साल से जीत रहे कांग्रेस के उम्मीदवारों को हरा दिया। मगर उससे भी खास बात यह रही कि जीते हुए 5 में 4 विधायक बीजेपी समर्थित नीतीश के साथ चले गए।

तो मुस्लिम को ओवैसी को भी अच्छी तरह समझने की जरूरत है। उनकी जज्बाती तकरीरें मुस्लिम को अच्छी तो बहुत लगती हैं मगर उनकी वास्तविक समस्याओं के निरावरण के लिए उनमें कुछ नहीं होता है। केवल लफ्ज़ ही लफ्ज़! भड़काई हुई भावनाएं ही भावनाएं !

मुस्लिम को आज क्या चाहिए? सबसे पहले तो उसे 2014 से पहले के सामाजिक हालात चाहिए। और उसे ही नहीं सबको चाहिए। 2014 के बाद मुस्लिम पर तो अत्याचार बढ़े ही हैं दलित, पिछड़े आदिवासी पर भी बढ़े हैं। पहले प्रेम समावेश एक दूसरे के सम्मान का माहौल था। अब नफरत विभाजन एक दूसरे का उपहास अपमान का माहौल है। लींचिग जैसा शब्द पहले सुना भी नहीं था। मगर अब मुस्लिम दलित किसी पर भी कोई झूठा आरोप लगाकर सत्ता समर्थित भीड़ उसकी पीट-पीट कर हत्या कर सकती है। यूपी में पुलिस इंसपेक्टर सुबोध कुमार सिंह की लीचिंग हुई, हरियाणा में छात्र आर्यन मिश्रा की। बाकी दलित मुस्लिम पिछड़ों आदिवासियों की तो लंबी फेहरिस्त है। इनके अलावा दूसरों की भी जो समाज में ऊंचा स्थान रखते हैं मगर कहीं न कहीं कोई भी समाज दूसरे से कमजोर होता है तो उसका नंबर भी लग जाता है कि लिस्ट छोटी नहीं है। यह समाज की देश की मूल समस्या है। आपस में एक दूसरे से नफरत करता, लड़ता समाज खोखला हो जाता है। मगर बीजेपी को इसकी चिंता नहीं है। उसे इसी में वोट दिखाई देता है। आज बिहार का चुनाव पूरे देश के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर मोदी जीत गए तो फिर नफरत और विभाजन की राजनीति और तेज होगी। इसके बाद बंगाल है वहां भी फिर वे वही हिन्दू-मुस्लिम, घुसपैठिए का सवाल ही लेकर जाएंगे। और अगर हार गए तो सीधा मैसेज यह जाएगा कि यह चुनाव महागठबंधन ने रोजगार, सरकारी नौकरी के मुद्दे पर मोदी से छीन लिया।

फिर इसके बाद बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी जहां अगले साल चुनाव होना है वहां नफरत विभाजन के मुद्दे कमजोर हो जाएंगे। देश को इस समय इसी की जरूरत है कि जनता से जुड़े असली मुद्दों पर सरकार बात करे। हवा हवाई बातों पर नहीं कि 50 साल पहले यह क्यों हुआ था और 500 साल पहले क्यों?

इसलिए उप मुख्यमंत्री का सवाल बेमानी है। खास तौर से उस बिहार में जहां आज से पचास से ज्यादा साल पहले मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुका हो। अब्दुल गफूर 1973 में बिहार के मुख्यमंत्री बन गए थे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रम्प के नवीनतम प्रतिबंध ने भारत को बचने का रास्ता दिया

■ के रवींद्रन

ऐसा लगता है कि बाजार ने दो प्रमुख रूसी तेल कंपनियों, रोसनेफ्टपीजेएससी और लुकोइल पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों का गणित पहले ही कर लिया है, और मास्को से मुंबई तक फैली ऊर्जा आपूर्ति लाइनों पर इसके तत्काल और मध्यम अवधि के परिणामों का आकलन कर लिया है। कुछ ही घंटों में, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जो न केवल प्रतिबंधों के कड़े होने को दर्शाता है, बल्कि इस धारणा को भी दर्शाता है कि 2022 से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातकों में से एक भारत को अपनी खरीद कम करनी पड़ सकती है या निलंबित भी करनी पड़ सकती है। व्यापारी और विश्लेषक, अक्सर आधिकारिक पुष्टि से पहले, इस बात को लेकर आश्वस्त दिखते हैं कि भारतीय रिफाइनरियों में रियायती रूसी बैरल भरने के दिन, कम से कम अभी के लिए, समाप्त हो रहे हैं।

जब से पश्चिमी प्रतिबंधों ने मास्को को अपने ऊर्जा निर्यात को पूर्व की ओर मोड़ने के लिए प्रेरित किया है, भारत रूस के सबसे भरोसेमंद ग्राहकों में से एक बनकर उभरा है, जिसने लाखों बैरल यूराल क्रूड को रियायती दरों पर खरीदा है। इस पुनर्संरेखण ने भारत को मुद्रास्फीति के दबावों को प्रबंधित करने और घरेलू ईंधन की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में मदद की है, साथ ही पश्चिमी बाजारों से अलगाव के बीच रूस को एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा भी प्रदान की है।

> मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था।

लेकिन नवीनतम प्रतिबंध यूक्रेन में युद्ध के लिए धन जुटाने हेतु रूसी राजस्व को कम करने के वाशिंगटन के अभियान में एक कठिन दौर का संकेत देते हैं। रूस के ऊर्जा परिसर के दो स्तंभों को लक्षित करके, अमेरिका प्रतीकात्मक प्रतिबंधों से आगे बढ़कर मास्को के तेल व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में पहुंच गया है। इसका प्रभाव भारतीय कॉर्पोरेट गलियारों में पहले से ही दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन सहित प्रमुख रिफाइनर वैकल्पिक स्रोतों की खोज कर रहे हैं और प्रतिबंध व्यवस्था में उलझने से बचने के लिए रूस से नए कच्चे तेल की खरीद को रोकने की तैयारी कर रहे हैं। इस कदम से भारतीय रिफाइनर मुश्किल में पड़ गए हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो यूक्रेन युद्ध से पहले 2 प्रतिशत से भी कम था, जो एक नाटकीय वृद्धि है। आर्थिक पहलू आकर्षक थे :भारी छूट, छाया बेड़े के माध्यम से सस्ता माल ढुलाई, और गैर-डॉलर तंत्र के माध्यम से भुगतान ने रूसी बैरल को अप्रतिरोध्य बना दिया। लेकिन अब, अनुपालन संबंधी चिंताएं गंभीर हो गई हैं। पश्चिमी बैंकों, बीमा कंपनियों और शिपिंग फर्मों के साथ जुड़े रिफाइनर ब्लैकलिस्ट होने या वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। भले ही भारतीय रिफाइनर तकनीकी रूप से बिचौलियों के माध्यम से खरीदारी करते हों, प्रतिबंधों के बढ़ते दायरे के कारण यह गारंटी देना मुश्किल हो जाता है कि माल ब्लैकलिस्टेड संस्थाओं से मुक्त है। इस नाजुक स्थिति को भांपते हुए, वैश्विक तेल बाजार ने लगभग तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की। घोषणा के एक दिन के भीतर ही ब्रेंटक्रूड वायदा 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। व्यापारियों का तर्क है कि रूस नए खरीदारों की तलाश करेगा, शायद चीन में या अस्पष्ट माध्यमों से, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थायी व्यवधान एशिया में उपलब्धता को प्रभावित करेगा। भारत, जो अपनी 85 प्रतिशत से ज़्यादा कच्चे तेल की ज़रूरत का आयात करता है, के लिए रूसी आयात में मामूली गिरावट भी घरेलू कीमतों, आयात बिलों और मुद्रास्फीति के दबाव में इज़ाफ़ा कर सकती है।

साथ ही, नई दिल्ली एक बार फिर खुद को कूटनीतिक संकट में पाता है। एक तरफ़ मास्को के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और परमाणु सहयोग शामिल हैं। दूसरी तरफ़ अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ उसकी गहरी होती आर्थिक और तकनीकी भागीदारी है। ताज़ा प्रतिबंध, हालांकि सीधे तौर पर भारत पर लक्षित नहीं हैं, ऐसे विविधीकरण को लगभग अपरिहार्य बना देते हैं। साउथ ब्लॉक के अधिकारियों को अब व्यावहारिकता और सिद्धांत के बीच संतुलन बनाना होगा, ताकि कूटनीतिक टकराव पैदा किए बिना ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

देश की सबसे बड़ी निजी रिफाइनर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक अनोखी दुविधा का सामना कर रही है। व्यापक वैश्विक परिचालन और अमेरिकी व यूरोपीय वित्तीय प्रणालियों से जुड़े होने के कारण, वह अतिरिक्त प्रतिबंधों का जोखिम नहीं उठा सकती। यही तर्क उन सरकारी संस्थाओं पर भी लागू होता है जो कच्चे तेल के कार्गो और टैंकरों के लिए पश्चिमी बीमा कंपनियों पर निर्भर हैं। भले ही रुपये, दिरहम या युआन के माध्यम से भुगतान के रास्ते खुले रहें, प्रतिबंधों का दायरा इतना बढ़ गया है कि रसद नई रुकावट बन सकती है। रूसी तेल ले जाने वाले जहाजों को बंदरगाह तक पहुंच से वंचित किया जा सकता है, बीमा कवरेज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, या अगर वे रोसनेफ्ट या लुकोइल से जुड़े हैं तो उन्हें सीधे काली सूची में डाला जा सकता है। इससे रूसी कच्चा तेल न केवल राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकता है, बल्कि परिचालन की दृष्टि से भी अव्यावहारिक हो सकता है।

मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था। उस मांग का एक हिस्सा भी खोने पर रूस को अपने तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए भारी छूट देने या छोटे बिचौलियों के एक जटिल जाल का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। लंबे समय में,इससे लाभप्रदता कम हो सकती है और रूस का ऊर्जा क्षेत्र मुख्यधारा के वाणिज्य से और अलग-थलग पड़ सकता है।

भारत के लिए, तात्कालिक प्रश्न यह है कि इस अंतर को कैसे पाटा जाए। मध्य पूर्वी आपूर्तिकर्ता, विशेष रूप से सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात, बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का अवसर देख सकते हैं। लेकिन उनके बैरल महंगे हैं, और ओपेक+ के तहत उत्पादन कोटा अभी भी कड़ा प्रबंधन कर रहा है। महंगे कच्चे तेल स्रोतों की ओर वापसी भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा सकती है, रुपये को कमजोर कर सकती है और राजकोषीय प्रबंधन पर दबाव बढ़ा सकती है। ऐसे समय में जब वैश्विक मुद्रास्फीति पूरी तरह से कम नहीं हुई है और ब्याज दरें ऊंची बनी हुई हैं, यह भारत के लिए एक अप्रिय घटनाक्रम है।

धारणा में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव भी है। पिछले दो वर्षों में रूसी कच्चे तेल के लिए भारत की निरंतर मांग ने वैश्विक ऊर्जा मानचित्र को चुपचाप बदल दिया है, जिससे नई दिल्ली को एक खरीदार के रूप में अधिक लाभ मिला है। प्रतिबंधों का झटका अस्थायी रूप से उस लाभ को कम कर सकता है, जिससे भारत मध्य पूर्वी और अफ्रीकी ग्रेड के भीड़भाड़ वाले बाजार में वापस आ सकता है। रिफ़ाइनरों को अपने मिश्रण को पुन: अंशांकित करना होगा, अनुबंधों पर फिर से बातचीत करनी होगी, और संभवत: वैकल्पिक कच्चे तेलों के विभिन्न सल्फर और घनत्व प्रोफाइल के अनुरूप रिफ़ाइनरी संचालन को पुनर्गठित करना होगा। ऐसे तकनीकी समायोजन महंगे और समय लेने वाले होते हैं। हालांकि, एक तर्क यह भी है कि बाजार ज़रूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया दे रहा हो सकता है। कुछ ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि रूस से सभी तेल प्रवाह बाधित नहीं होंगे। वे बताते हैं कि रोसनेफ्ट और लुकोइल सहायक कंपनियों और व्यापारिक शाखाओं के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं, जिनमें से कई का नाम सीधे तौर पर प्रतिबंध सूची में नहीं है। अभी भी कुछ कानूनी अस्पष्ट क्षेत्र हो सकते हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल भारत पहुंचता है, खासकर यदि भुगतान अमेरिकी डॉलर से बचते हैं और शिपमेंट गैर-पश्चिमी वाहकों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। इससे पूर्ण रुकावट को रोका जा सकता है, हालांकि कम पैमाने पर और अधिक रसद लागत पर।

आपके पत्र

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूंठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूं पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महंगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहां पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती। मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दिल्ली जैसे महानगर जहां प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

-प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

तेल के दाम और प्रवासी भारतीय

'भारत सरकार को मजदूरी करने विदेश गए इन मजबूर नागरिकों के साथ कोई प्रेम नहीं है। सच पूछिए तो देश के भीतर भी जो मजदूर एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश काम की तलाश में जाते हैं उनकी ओर भी हमारी सरकारें कहां ध्यान देती हैं! यह एक विडंबना है कि समृद्ध देशों में जा बसे समृद्ध भारतवंशियों के प्रति हमारा प्रेम ऐसा उमड़ता है कि बस पूछिए मत। उनके लिए सुविधाओं और सम्मान में कोई कसर बाकी नहीं रह जाती, फिर भले ही वे भारत कभी न लौटना चाहते हों। लेकिन जो भारतीय विदेशों में जाकर खून-पसीना एक करते हैं उनके प्रति हमारी सरकार उस वक्त तक दुर्लक्ष्य करती है जब तक कि कोई बड़ी वारदात न हो जाए, जैसा कि अभी सऊदी अरब में हुआ।'

(देशबन्धु में 11 अगस्त 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/08/blog-post_11.html

पावन प्रसंग

भारतीय संस्कृति का प्रतीक छठ पूजा

नहाय-खाय से शुरू होने वाले इस पर्व पर व्रती उमंग और उल्लास के साथ छठ मैया की पूजा अर्चना करता है। खरना के व्रत और खीर का प्रसाद और गंगा स्नान का पवित्र रिवाज और ही श्रद्धावान बना देता है। शाम का अर्घ्य और चौथे दिन सुबह का अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। छठ का व्रत मुख्य रूप से संतान की सुख-समृद्धि, सफलता और लंबी आयु के लिए रखा जाता है। छठ पर्व सूर्यषष्ठी व्रत है, जिसमें सूर्य देव और षष्ठी देवी दोनों की एक साथ पूजा की जाती है। इस पूजा में छठी मैया और सूर्य देव का संबंध माता और पुत्र या भाई और बहन जैसा है, जिसमें दोनों का महत्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। छठ पूजा की आस्था का मुख्य कारण सूर्य देव और छठी मैया की कृपा प्राप्त करना है, जिससे सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और संतान की प्राप्ति होती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है, क्योंकि सूर्य पृथ्वी पर जीवन के लिए ऊर्जा का स्रोत है। इसके अलावा, यह पर्व संयम, आत्म-अनुशासन और सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है।

श्रद्धा असीम आनंद का खजाना है। धर्म किसी मंदिर में नहीं है ये तो केवल साधना के स्थल केंद्र है। नदी के तट पर बैठकर मनुष्य अपना आत्मचिंतन कर छठी मैया से अपने परिवार की खुशहाली की कामना करता है धर्म तो मनुष्य के आचरण में है। छठी मैया की गीतों की धुन पर थिरकते लोग और चार दिवसीय आयोजन में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है। नहाय-खाय, खरना और डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए महिलाओं सहित लोगों की घाटों पर भीड़ एकत्रित होकर सूर्य की उपासना की जाती है। बाजारों में छठ पर्व को लेकर रौनक रहती है तो घाटों को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। छठ पूजा में छठी मैया,जो देवी पार्वती का ही एक रूप मानी जाती हैं उनकी पूजा की जाती है, जो सूर्य देव की बहन हैं और संतान की रक्षा करती हैं। छठ पूजा के दौरान 36 घंटे का निर्जला उपवास रखने से शरीर डीटॉक्स होता है और मानसिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है। सूर्य को अर्घ्य देने से शरीर के अंगों का संतुलन बना रहता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और विटामिन-डी भी प्राप्त होता है। नेत्र रोग और चर्म रोग से राहत मिलती है। ऐसा माना जाता है कि डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने से नेत्र ज्योति और चर्म रोग में सुधार होता है। पूरे भारत में छठ पूजा की आस्था मुख्य रूप से सूर्य देव और उनकी बहन छठी मैया के प्रति गहरी श्रद्धा, संतान सुख और परिवार की समृद्धि की इच्छा, और प्रकृति के प्रति सम्मान के कारण है। यह पर्व न केवल धार्मिक है, बल्कि इसमें वैज्ञानिक लाभ, जैसे कि विटामिन डी का उत्पादन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, भी माने जाते हैं साथ ही, यह पर्व सभी को एक समान एक जगह लाकर सामाजिक समता को बढ़ावा देता है। आज देश विदेश में करोड़ों लोग इस छठ पूजा महापर्व पर समर्पण भाव और श्रद्धा के साथ छठी मैया को अर्घ्य अर्पण कर परिवार की खुशी के लिए छठपर्व की महा पूजा में शामिल होते हैं। यह त्योहार राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

- कांतिलाल मांडोत

स्वदेशी को बढ़ावा देने तथा शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का किया आव्हान

मुख्यमंत्री ने सांसदों एवं विधायकों से किया संवाद

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिए अपने-अपने क्षेत्र में स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का आग्रह जनप्रतिनिधियों से किया है। होटल कल्चुरी में संभाग के सभी सांसदो एवं विधायकों के साथ आयोजित संवाद के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, नव उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा रोजगार परक कार्यों से युवाओं को जोड़ने की दिशा में शासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बनने पर जोर दिया।

संवाद के इस कार्यक्रम में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक स्वास्थ यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके, राज्यसभा सदस्य सुमित्रा बाल्मिकी, बालाघाट की सांसद भारती पारधी, छिंदवाड़ा के सांसद विवेक बंटी साहू, नरसिंहपुर के सांसद दर्शन सिंह चौधरी, संभाग के सभी विधायक तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि सांसदों एवं विधायकों से अपने-अपने क्षेत्र में योजनाओं का कमजोर वर्ग के हर व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए और ज्यादा प्रयास करने होंगे। उन्होंने बीते दो वर्ष उद्योग और रोजगार के लिए अभियान चलाये जाने के बाद अगला वर्ष कृषि और कृषि से जुड़े विकास कार्यों पर केन्द्रित होगा।

कोदो-कुटकी की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर- सीएम ने कहा कि सरकार द्वारा रानी दुर्गावती के नाम पर श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की गई है। कोदो-कुटकी की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने का निर्णय भी सरकार द्वारा लिया गया है। उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस और अटल जन्मशताब्दी पर चर्चा - मुख्यमंत्री ने 1 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से लेकर 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी वर्ष तक राज्य शासन द्वारा चलाये जाने वाले कार्यक्रमों पर भी सांसदो एवं विधायकों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि 15 नवम्बर तक भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भी प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

नक्सलियों पर बालाघाट में कार्यवाही की सराहना- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सांसदों एवं विधायकों की इस बैठक में नक्सलियों के विरूद्ध बालाघाट में की गई कार्यवाही की सराहना की और इसके लिये सुरक्षा बलों को बधाई दी।

कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई बैठक

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित बैठक में जबलपुर संभाग में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगतिरत विकास कार्यो व कानून व्यवस्था की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कर्म सेवा बन जाए तो जीवन सफल : डॉ. मोहन यादव

रोटरी अंतराष्ट्रीय अवार्ड समारोह में संदीप जैन एवं अरुणकांत अग्रवाल को मिला अवार्ड

परमात्मा ने हमें शरीर दिया है, यह शरीर हमें अच्छे कर्म करने के लिए मिला है और इन यदि हमारे कर्म सेवा बन जाये तो हमारा जीवन सफल है। उक्त विचार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने व्यक्त किए। वह रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड समारो में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से काले पत्थर भी संगमरमर बन जाते है और ऐसी प्रतिभाए निकलती है जो अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित करते हैं।

लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा आज एक अवार्ड रोटेरियन वर्ग में अरुणकांत जी को मिला जो रोटरी के सेवा कार्यों को वर्षों से कर रहे है और दूसरा अवार्ड नॉन रोटेरियन होते हुये संदीप जैन को मिला है जो सभी समाजो को एक सूत्र में पिरोकर समरसता के भाव को संगठन के माध्यम से जागृत कर रहे है।

विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने कहा रोटरी की अद्भभुत यात्रा है 120 वर्षों का इतिहास है। कार्यक्रम में डॉ जितेंद्र जामदार, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अखिल मिश्रा की उपस्थिति में होटल विजन महल तिलहेरी में किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकडे, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, अखिलेश जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, लेखराज सिंह मुन्ना के साथ रोटे. सुनील फाटक पूर्व प्रांतपाल बलदीप सिंह मैनी, सारंग भिड़े, मिताली बैनर्जी, संजय छत्तानी, शिखा पौराणिक अखिल खंडेलवाल, राकेश गिदरोनिया, अंकुर महेश्वरी, संजीव चौधरी, प्रदीप परिहार, दिनेश कल्बे, बंसल धोरावत, अनुराग गढ़वाल, मुकेश सोनी, अजय चौधरी, रवि वैश्य, राघवेंद्र चौहान, वर्षा चौहान, नवीन जोशी उपस्थित थे।

खेलते समय दो बच्चे सेप्टिक टैंक में गिरे, दोनों की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर (त्रिमूर्ति नगर) में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। यहां अस्पताल के पीछे दो बच्चे खेलते-खेलते सेप्टिक टैंक गिर गये। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और बड़े स्तर पर बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

कुछ देर बाद दोनों बच्चों के शव सेप्टिक टैंक से निकाले गये। बच्चों की पहचान विश्वकर्मा परिवार के कान्हा विश्वकर्मा (10 वर्ष) और विनायक विश्वकर्मा (12 वर्ष) के रूप में हुई है।

बच्चों के पिता जय विश्वकर्मा ने बताया कि कान्हा और विनायक घर के पास ही खेल रहे थे। बच्चे काफी देर तक जब दिखाई नहीं दिए तो आसपास उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान, परिवार उस वक्त सदमे में आ गया जब बच्चों की छोटी चप्पलें पास में ही स्थित एक अधूरे और असुरक्षित सेप्टिक टैंक के गड्ढे के किनारे मिलीं। चप्पलों का गड्ढे के पास मिलना इस बात का स्पष्ट संकेत था कि दोनों बच्चे खेलते-खेलते इस गहरे और खतरनाक गड्ढे में गिर गए होंगे।

विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने जताया शोक, मुख्यमंत्री ने मदद का दिया भरोसा

घटना की जानकारी लगते ही विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से तत्काल चर्चा की जिसमें मुख्यमंत्री ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। विधायक ने कहा कि घटना में दो बच्चों की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है, मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को तत्काल परिवार की हरसंभव सहायता के लिए निर्देशित किया है।

घटना से आक्रोशित कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनमोहन नगर में बने अस्पताल के टैंक में गिरने से दो बच्चों की मौत के बाद नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा एवं पूर्व पार्षद जितिन राज तुरंत ही मौके पर पहुंचे एवं टेंक खुला होने का विरोध किया। उसके बाद निगम प्रशासन एवं अस्पताल के लोग यह कहते हुए नजर आया कि अभी हम इसकी सफाई कर रहे हैं, जबकि घटना के दौरान टैंक खुला था एवं कोई भी निगम अधिकारी या सफाई कर्मचारी वहां मौजूद नहीं था। निगम ने लीपा पोती करते हुए यह बयान जारी किया कि टेंक की सफाई हो रही है। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सोमवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी दोनों बच्चों की मौत एवं नगर सत्ता के विरोध में प्रदर्शन करेगी एवं दोनों बच्चों को न्याय दिलाएगी।

निसर्ग इस्पात में करंट लगाकर किया गया था तेंदुए का शिकार

वन विभाग ने दर्ज किया प्रकरण

जबलपुर, देशबन्धु। वन परिक्षेत्र सिहोरा के ग्राम घुघरा में स्थित मेसर्स निसर्ग इस्पात प्रा.लि. कम्पनी के परिसर में 24 अक्टूबर को मृत पाए गये तेन्दुए के पोस्टमार्टम के बाद सामने आई

प्राथमिक रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया है कि तेंदुए का करंट लगाकर शिकार किया गया था।

वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्रा ने बताया कि रविवार 26 अक्टूबर को नानाजी देशमुख वेटनरी कॉलेज, स्कूल ऑफ वाईल्ड लाईफ, फॉरेंसिक एण्ड हेल्थ, जबलपुर में तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान तेन्दुए के पैर के पंजो के नाखून निकले हुए एवं चार कैनाईन दांत टूटे हुए पाए गये हैं। प्रथम दृष्ट्या तेन्दुए की मौत बिजली के करंट से होना पाया गया है। पोस्टमार्टम के उपरांत नियमानुसार मृत तेन्दुए का शवदाह कर विनष्टीकरण किया गया। घटना के संबंध में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत नियमानुसार प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

उक्त प्रकरण में मौका स्थल एवं आसपास के क्षेत्र के निरीक्षण के लिये कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला से आए डॉग स्क्वॉड द्वारा खोजबीन की जा रही है। प्रकरण की विस्तृत जांच के लिये क्षेत्रीय टाईगर स्ट्राईक फोर्स, जबलपुर की टीम की सहायता ली जा रही है। वन अमला अब पूरे फैक्ट्री और आसपास की तलाशी लेने की योजना बना रहा है। साथ ही स्थानीयजनों से भी पूछताछ की जायेगी।

साइबर क्विज में जबलपुर की कार्यपालन अभियंता अंजु नीखरे प्रदेश में प्रथम

जबलपुर, देशबन्धु। साइबर जागृत भारत अभियान के तहत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत ''ऑनलाइन साइबर क्विज' आयोजित हुआ। जिसमें प्रदेश के एमपी ट्रांसको कार्मिकों ने हिस्सा लिया। यह क्विज कंपनी के सोशल मीडिया समूहों में साझा की गई साइबर अपराध से बचाव हेतु मार्गदर्शिका पर आधारित था। इस क्विज के संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि इसका उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें डिजिटल माध्यमों पर सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस ऑनलाइन क्विज में जबलपुर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता अंजु नीखरे प्रथम स्थान पर रहीं। उन्होंने न्यूनतम समय में सभी प्रश्नों का सही उत्तर दिया। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक ने साइबर क्विज के विजेताओं को इस सफलता पर बधाई दी है।

केदारनाथ मिश्रा जी जैसे लोग कभी भुलाए नहीं जा सकते...

श्रद्धांजलि सभा में अनेक वक्ताओं ने किया दिल से याद

जबलपुर, देशबन्धु। आज से चालीस, पचास साल पहले केदारनाथ जी ने यह अच्छी तरह समझ लिया था कि आने वाले समय विज्ञापन का है। तब न कंप्यूटर था और न डिजिटल फोटो और न वर्तमान के आधुनिक संसाधन। फिर भी उन्होंने आरके एडवरटाइजिंग एजेंसी की स्थापना की और उसे अपनी मेहनत, सूझबूझ और मिलनसारिता के बल पर सफलता के शिखर पर पहुंचाया। इसी तरह जब शाम के अखबार का चलन न के बराबर रहा। तब स्व, मिश्रा ने हिंदी एक्सप्रेस की शुरुआत का रिस्क लिया और वह कुछ ही समय में जबलपुर की आवाज बन गया। शुक्रवार को होटल समदड़िया में संपन्न श्रद्धांजलि सभा यादगार बन गई। समाज के सभी वर्ग के प्रतिष्ठित नागरिक इसमें बड़ी संख्या में शामिल हुए और उनके साथ बिताए पल को साझा किया। सभी ने कहा कि पं. मिश्रा का व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने 10 वर्ष तक युग धर्म अखबार का प्रकाशन भी किया। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि क मैं बचपन से श्री मिश्रा को जानता हूं । वह मेरे पिताजी के दोस्त थे। उनका काम करने के प्रति लगाव हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि क जब मैं राजनीति शुरू कर रहा था तो हमेशा पं. केदारनाथ मिश्रा मार्गदर्शन करते थे। वे कहते थे कि हमेशा राजनीति खुलकर करनी चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने श्री मिश्रा को श्रद्धासुमन अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कारोबारी अजित समदड़िया, विधायक अजय विश्नोई, डॉ. अभिलाष पाण्डेय, पूर्व महापौर प्रभात साहू, कमल ग्रोवर, आशीष कोठरी, आलोक मिश्रा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने भरे दिल से स्व. मिश्रा की व्यवहारिकता, सहजता, सरलता और कर्मठता के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उन जैसे लोग कभी, कभी जन्म लेते हैं। श्रद्धांजलि सभा का संचालन उनके साथी रविंद्र बाजपेई, आभार प्रदर्शन पंडित केदारनाथ मिश्रा के पुत्र संजय मिश्रा, पौत्र विवेक मिश्रा, शुभम मिश्रा ने व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को श्री मिश्रा का इलाज के दौरान जबलपुर में परलोक गमन हो गया था।

अब बकाया विद्युत देयक पर मिल सकती है छूट!

जबलपुर, देशबन्धु। बिजली कंपनी ने 1 नवंबर से 'समाधान' स्कीम लागू करने की योजना बनाई है। इसके तहत पुराने बिजली बिल चुकाने पर छूट देने की घोषणा की गई है। यह स्कीम 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगी। कंपनी ने बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए एक राहत भरी योजना शुरू करने का ऐलान किया है। यह योजना समाधान स्कीम के नाम से जानी जाएगी। योजना की शुरूआत 1 नवंबर से होगी और 28 फरवरी तक लागू रहेगी। ऐसे में उपभोक्ताओं को पुराने बिल चुकाने और सरचार्ज में छूट पाने का पूरे चार महीने का वक्त मिलेगा ।

ऐसे काम करेगी समाधान स्कीम-यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी। योजना के तहत तीन महीने से अधिक पुराना बिल रखने वालों को सरचार्ज में 100% तक की छूट मिल सकती है। कंपनी इस स्कीम के जरिए बकाया वसूली को तेज करना चाहती है, लेकिन उपभोक्ताओं को इसका लाभ देकर। इससे न केवल कंपनी की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी।

बकाया वसूली में आ रही थी दिक्कत-कंपनी के अफसरों का कहना है कि बकाया वसूली में सख्ती नहीं हो पा रही थी। उपभोक्ताओं का विरोध और जन प्रतिनिधियों का हस्तक्षेप इसकी वजह बताई जा रही है। इसके साथ ही कई उपभोक्ता भुगतान न कर पाने के पीछे अलग-अलग कारणों से जूझ रहे हैं। इससे सरचार्ज लगातार बढ़ता गया। समाधान स्कीम इन्हीं समस्याओं का हल लेकर आई है।

कौन-कौन से उपभोक्ता होंगे शामिल-इस योजना में स्थायी, अस्थायी, घरेलू, गैर-घरेलू, एलटी व एचटी औद्योगिक और कृषि उपभोक्ताओं को शामिल किया गया है। खास बात यह है कि औद्योगिक कनेक्शन वाले उपभोक्ता उद्योग मित्र या समाधान- इन दोनों में से किसी एक योजना का ही लाभ ले सकेंगे।

कितनी मिलेगी छूट

पहला चरण 1 नवंबर से शुरू एक साथ भुगतान करने पर घरेलू/कृषि: 100 प्रतिशत सरचार्ज माफ औद्योगिक/गैर-घरेलू: 80 प्रतिशत सरचार्ज माफ होगा, 6 किस्तों में भुगतान पर, घरेलू/कृषि: 70 प्रतिशत छूट औद्योगिक/गैर-घरेलू: 60 प्रतिशत छूट, दूसरा चरण में तारीख बाद में घोषित होगी, एक साथ भुगतान पर घरेलू/कृषि: 90 प्रतिशत छूट, औद्योगिक/गैर-घरेलू 70 प्रतिशत छूट, 6 किस्तों में भुगतान पर घरेलू/कृषि: 60 प्रतिशत छूट, औद्योगिक/गैर-घरेलू 50 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

पूरे देश की बन गई प्रधानमंत्री के मन की बात: राकेश सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री ने भारत की कॉफी के बढ़ते हुए प्रभाव उसकी स्वीकार्यता की चर्चा कर कॉफी की लोकप्रियता के विषय में सभी को अवगत कराया प्रधानमंत्री के मन की बात अब देश की मन की बात बन चुकी है। यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा अंतर्गत शहीद गुलाब सिंह वार्ड के बूथ क्रमांक 222 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 127वें एपिसोड को सुनने के बाद कही।

भाजपा जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने मन की बात कार्यक्रम को सभी 967बूथों में स्थानीय जनों के साथ सुना। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि 7 नवंबर को वंदे मातरम गीत लिखने वाले बंकिमचंद्र जी की जयंती को मनाने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री के मन की बात को भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर उत्तर विधानसभा के चंद्रशेखर आजाद मंडल में बूथ क्रमांक 5 में ग्रीन सिटी पार्षद कार्यालय में, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि ने पूर्व विधानसभा के आचार्य मुखर्जी मंडल के बूथ क्रमांक 139 में,प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन ने उत्तर विधानसभा के कुशाभाऊ ठाकरे मंडल में, विधायक अशोक रोहाणी ने केंट विधानसभा के अटल बिहारी वाजपेई मंडल के बूथ 134 में, विधायक श्री अभिलाष पांडे ने उत्तर के विवेकानंद मंडल अंतर्गत के बूथ 155 में, कार्यकर्त्ताओ एवं स्थानीय जनों के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम को पूर्व मंत्री शरद जैन, अंचल सोनकर, हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, जिला प्रभारी राजेश मिश्रा, डॉ. जितेंद्र जामदार, शरद अग्रवाल, दीपांकर बैनर्जी, राममूर्ति मिश्रा, अरविन्द पाठक, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, अश्वनी परांजपे के साथ सभी जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों ने बूथ समिति के सदस्यों के साथ बूथ में सुना।

न्यू भेड़ाघाट पर बन रहा देश का विश्वस्तरीय ग्लास ब्रिज

नए साल में पर्यटकों को मिलेगी सौगात

जबलपुर, देशबन्धु। धार्मिक महत्व की नर्मदा नदी के तट पर स्थित जबलपुर को नए साल में एक विश्वस्तरीय पर्यटन सौगात मिलने वाली है। शहर के नजदीक न्यू भेड़ाघाट पर नर्मदा नदी के ऊपर बन रहा कैंटिलीवर ग्लास ब्रिज अब अपने अंतिम चरणों में पहुँच गया है, जिससे इसके जल्द ही जनता के लिए खुलने की उम्मीद बढ़ गई है। यह परियोजना न केवल जबलपुर के पर्यटन मानचित्र को वैश्विक स्तर पर उभारेगी, बल्कि यह प्रदेश के सबसे अनूठे और रोमांचक अनुभवों में से एक बन जाएगी।

जानकारी और परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, इस ग्लास ब्रिज को लगभग पौने पांच करोड़ रुपये (4.75 करोड़ रुपये) की लागत से तैयार किया जा रहा है। इसका डिजाइन विशेष रूप से तैयार किया गया है ताकि पर्यटक नर्मदा नदी के ऊपर हवा में चलने जैसा रोमांचक अनुभव कर सकें।

यह ब्रिज लगभग 18 फीट लंबा और 6 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है। यह एक कैंटिलीवर संरचना है, जिसका अर्थ है कि यह एक छोर पर ज़मीन से जुड़ा होगा और बाकी हिस्सा हवा में बाहर की ओर निकला होगा, जिससे पर्यटकों को नदी और आसपास के संगमरमरी चट्टानों का अविस्मरणीय दृश्य मिलेगा।

ब्रिज के निर्माण में उच्च-गुणवत्ता वाले, बहु-स्तरीय सुरक्षा ग्लास का उपयोग किया जा रहा है, जिसे अधिकतम भार सहने की क्षमता के साथ डिज़ाइन किया गया है।

भेड़ाघाट पहले से ही अपनी सफेद संगमरमरी चट्टानों और धुआंधार जलप्रपात के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इस ग्लास ब्रिज के जुड़ने से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

पर्यटन और आर्थिक प्रभाव

पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यह ग्लास ब्रिज जबलपुर को सीधे उत्तराखंड के प्रसिद्ध लक्ष्मण झूला या सिक्किम के स्काई वॉक जैसी पर्यटन स्थलों की श्रेणी में खड़ा कर देगा। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, रोज़गार के अवसर पैदा करेगा और न्यू भेड़ाघाट क्षेत्र को एक प्रमुख सेल्फी पॉइंट और गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

छठ पूजा में आज दिया जायेगा डूबते सूर्य को अर्घ्य

जबलपुर, देशबन्धु। सनातन धर्मावलंबी महिलाएं सुख-समृद्धि के लिए कठिन व्रत कर रही हैं। खरना मनाया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भजन-पूजन किया। मां नर्मदा के घाटों पर स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया गया। रविवार से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया, जिसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। ठेकुआ का प्रसाद बनाया गया और षष्ठी मइया की पूजा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी। सुख-समृद्धि, सौभाग्य की संकल्पना साकार करने के लिए सनातन धर्मावलंबी महिलाएं डाला छठ का कठिन व्रत कर रही हैं। कार्तिक शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि पर रविवार को खरना मनाया। त्याग की पराकाष्ठा के इस व्रत में महिलाएं उत्साह से ओतप्रोत होकर भजन-पूजन में लीन रहीं।

निर्जला व्रत कल शाम से ही शुरु- प्रसाद स्वरूप उसे ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत रविवार शाम से ही शुरु हो गया। व्रती महिलाएं सोमवार की डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। फिर मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद जल ग्रहण करेंगी। सुख-समृद्धि के लिए व्रती महिलाएं घाट पर कोसी भरेंगी। कुछ घाट पर रात व्यतीत करेंगी।

प्रसाद के लिए बनाया ठेकुआ- डाला छठ पूजा का सबसे खास प्रसाद ठेकुआ है। व्रती महिलाओं ने गेहूं के आटे में देशी घी और चीनी मिलाकर ठेकुआ बनाया। सोमवार को उसे छठी मइया को अर्पित करेंगी। अगले दिन उसे ग्रहण करके व्रत का पारण करेंगी। छठी मइया को नींबू, नारंगी, गन्ना, नारियल, सिंघाड़ा व ठेकुआ अर्पित किया जाता है। नींबू व नारंगी का रंग पीला होता है। यह रंग शुभ होता है। गन्ना का मंडप बनाकर उसी के अंदर पूजा की जाती है। गन्ना समृद्धि का प्रतीक है, जबकि सिंघाड़ा रोगनाशक होता है। इसी प्रकार केला, सुपाड़ी, पान, अमरूद व नारियल भी पवित्र होते हैं। सूर्य आराधना से शांत होते हैं।

गुरु तेग बहादुर जी की शहादत का नाट्य मंचन आज

जबलपुर, देशबन्धु। सिक्खों के नवें गुरु ,सनातन धर्म के रक्षक श्रीं गुरु तेगबहादुर महाराज जी के 350 वें शताब्दी शहीदी पर पंजाबी साहित्य एकेडमी मप्र शासन भोपाल द्वारा गुरुजी की शहादत पर आधारित धरम हेत साका जिन किआ सीस दिया पर सिरर न दीआ का रूपांतरण (मंचन) आज शाम 7 बजे से मानस भवन सभागार, जबलपुर में किया जा रहा है। जिसमें पटियाला पंजाब के 30 कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

सरदार इंदरजीत सिंघ खनूजा। निदेशक पंजाबी साहित्य अकाडमी मप्र शासन भोपाल एवं अजीत सिंघ नैय्यर सीटू संभागीय संयोजक, पंजाबी साहित्य अकादमी ने नगर वासियों से उपस्थिति की अपील की है ।

पंचकोषी में मिले तो रो पड़ीं गोपियां, कल सराफा में उत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। का गुमे भगवान को ढूंढने उनसे प्रेम करने वाली गोपियां जाने कहां-कहां भटकीं। न भगवान देवताल में मिले न हनुमानताल में। आज सुबह पंचकोषी मंदिर में जब भगवान मिले तो विहल गोपियां रो पड़ीं। परंपरा के अनुसार कार्तिक मास का व्रत एवं स्नान कर भगवान की पूजा अर्चना करने वाली गोपियां (व्रतधारी महिलाएं) आज खुश थीं, क्योंकि उन्हें उनके गुमे हुए भगवान मिल गए। वे उनहें ढूंढते-ढूंढते परेशान हो गई। पांच दिनों से गुम हुए भगवान को आखिरकार आज गोपियों ने ढूंढ ही लिया। खास है कार्तिक सान

मंदिर के पुजारी संजय गोस्वामी ने बताया कि कार्तिक मास में स्नान एवं भगवान विष्णु के पूजन करने से अनंत काल के पापों का नाश हो जाता है। देवता भी एक मास का व्रत करने के लिए पृथ्वी पर आते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार कार्तिक मास पूजन के दौरान अमावश्या या प्रतिपदा के दिन भगवान अपनी लीला दिखाते हुए लुप्त (गुम) हो जाते हैं। इसके बाद वह पंचमी को पुन: गोपियों को मिल जाते हैं। इसीलिए पंचमी को कृष्ण (विष्णु) मिलन के उत्सव के रुप में मनाया जाता है।

45 साल से भर रहा मेला- पंचकोषी मंदिर में विगत 45 वर्ष से गोपियों और भगवान के मिलन का मेला भरता है। श्री गोस्वामी ने बताया कि गोपियों के व्रत में पंचमी की तिथि खाली थी। चतुर्थी को देवताल, छटवी को बिलैयाजी के मंदिर सराफा में गोपिकायें मिलतीं थीं। इस कारण क्षेत्र के शंकरलाल यादव, राधेश्याम गोस्वामी, शीतल अवस्थी आदि ने यहां पंचमी को मेला की शुरुआत की। तब ये यहां आज के दिन भगवान-गोपियों के मिलन का मेला भरता है।

पंजाबी समाज का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

पंजाबी समाज की पॉच विभूतियाँ सम्मानित

जबलपुर, देशबन्धु। पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के तत्वावधान में पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन प्रांगण में मुख्य आतिथ्य में तरूण भनोत पूर्व वित्त मंत्री म.प्र. शासन तथा संस्था अध्यक्ष नरेन्द्रपाल मलिक की अध्यक्षता में दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम मनाया गया। विचार

पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के जनसंपर्क अधिकारी उमेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली मिलन कार्यक्रम में पंजाबी समाज की पांच विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम महिला गौरव अलंकरण व्याख्याता श्रीमती ललिता शर्मा, समाज गौरव अलंकरण गुलशन नारंग, समाज विभूति अलंकरण विमलकांत धवन, समाज रत्न अलंकरण महेन्द्र कुमार सेठी, महिला गौरव अलंकरण श्रीमती प्रेम मोहिनी गुलाटी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि तरूण भनोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दीपों के समान सबका जीवन जगमगाये ऐसी कामना हम सभी की है। इसके उपरांत पंजाबी दशहरा में श्रीराम की भूमि निर्वहन करने वाले नन्हें बालक लविन वर्मा एवं लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले हर्ष दुआ, सीता की भूमिका निर्वहन करने वाली मेहर अरोरा एवं हनुमान की भूमिका में रोहन दीवान को भी पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर तथा अंतर्राष्ट्रीय श्याम बैंड को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष नरेन्द्रपाल मलिक, इन्दर बिरमानी, नरेश ग्रोवर, राकेश गुप्ता, रघुवर कपूर, राजीव ओबेराय, प्रमोद मरवाहा, नरेन्द्र धमीजा, आशीष खुराना, सुधीर मेहता, दीपक वर्मा, शीलू नारंग, अजीत मिनोचा, अमृत पुंज, श्रीमती ऊषा खुराना, अनीता आही, सुनीता सेठी, किरण नारंग सहित बड़ी संख्या में समाज पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा में 621 भगवा ध्वजों का पूजन संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 5 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा सुबह 8:30 बजे पूज्य संत महात्मा एवं देश के शहीद परिवारों के सानिध्य में निकाली जाएगी आज साकेत धाम के संस्थापक पूज्य गिरीशानंद जी महाराज जी के सानिध्य में कोलकाता से पधारे उद्योगपति अरविंद नेवर वैद्यनाथ गीता मिस्र सी ए ने 621 स्थान से आए नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वज का विधि विधान से पूजन अर्चन बटुक ब्राह्मणों ने कराया महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया। महाराज जी ने बताया ध्वज में साक्षात हनुमान जी का वास होता है सभी विगनहो को हर देते हैं सुख समृद्धि का प्रतीक होता है ध्वज सनातन का प्रतीक है। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक सुषमा शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल सुरेश विश्वकर्मा मोहित तिवारी दीपक तिवारी पीयूष शुक्ला अवधेश खरे पप्पू चौबे कैलाश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

म.प्र.शिक्षक संघ की संभागीय बैठक संपन्न

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जबलपुर संभागीय कार्यकारिणी की बैठक आज महानगर जबलपुर मे संपन्न हुयी। इस मे जबलपुर संभाग के सभी नौ जिलों से आए म.प्र. शिक्षक संघ के पदाधिकारी -कार्यकर्ताओं ने शिक्षकों व शिक्षा की तमाम समस्याओं को रखकर उनके समाधान की रणनीति तैयार की। इस मौके पर संघ के सदस्यता अभियान 2025 की समीक्षा , जिलों मे शिक्षक सदन निर्माण, बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को छात्रावास मे ही अनिवार्यत: आवास उपलब्धता जैसे विषय उठे। इस बैठक में ए.बी.आर. एस.एम. के राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी, विजय शुक्ला, प्रांतीय सह संगठन मंत्री नंदकुमार शुक्ला, विशेषत: उपस्थित रहे। अध्यक्षता संभागाध्यक्ष तोरण लाल परतेती ने की। बैठक मे लंबे समय से लंबित, क्रमोन्नत, ई-अटेंडेंस, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, जबलपुर जिला-संभाग मे शिक्षकों के हित लाभ के प्रति अधिकारियों की उदासीनता जैसे विषय उठे, जिन के निराकरण हेतु कदम उठाने का निर्णय सर्व सम्मति से हुआ। इस मौके पर संभागीय सचिव राजकुमारी गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटेल, उपाध्यक्ष कालीचरणराय, सह सचिव कीर्ति निधि दुबे,संतोष तिवारी मझोली अध्यक्ष, विवेक शुक्ला, महेन्द्र सिंह उद्दे, राजेन्द्र सरवर आदि प्रमुख पदाधिकारियों, सहित संभागीय, जिला, तथा ब्लाकों के पदाधिकारी-सदस्य बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

धनगर यादव समाज का गोपाष्टमी महोत्सव 29 अक्टूबर को

जबलपुर, देशबन्धु। धनगर यादव समाज द्वारा गोपाष्टमी महोत्सव एवं अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन 29 अक्टूबर को शाम 7 बजे यादव मुहल्ला, रामपुर में किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनगर समाज के प्रदेश अध्यक्ष रामरतन यादव करेंगे।

विशिष्ट अतिथियों में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व कैबिनेट मंत्री तरुण भानोत, पूर्व उपाध्यक्ष जेडीए रघुनाथ यादव, पूर्व विधायक बरगी संजय यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव, संस्कार कावड़ यात्रा संयोजक शिव यादव, नगर अध्यक्ष भाजपा रत्नेश सोनकर, और पार्षद शंकर शाह नगर वार्ड दिनेश तामशेतवार गुड्डू शामिल होंगे।

कार्यक्रम में इटारसी, नरसिंहपुर, भोपाल और सागर से धनगर यादव समाज के प्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे। समाज के सभी सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर सहयोग करने का संकल्प लिया है। यह कार्यक्रम धनगर यादव समाज की एकता, संस्कृति और सामाजिक योगदान को उजागर करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

दैनिक राशिफल

सोमवार 27 अक्टूबर 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी, नक्षत्र-मूल।

मेष - आज आप सभी कार्य अच्छी तरह से पूरी कर सकेंगे, परंतु आपने जो दिशा पसंद की है, ऐसा भी हो सकता है कि वह गलत हो। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम से जुड़ सकते हैं।

वृषभ - आप जो कार्य हाथ में लेंगे, वह समय से पूरा न होने पर निराशा का अनुभव करेंगे। काम सफल होने में थोड़ा समय लगेगा। आहार में ध्यान न देने के कारण तबीयत खराब हो सकती है।

मिथुन - आज दिन की शुरुआत आरामदायक, प्रसन्नतापूर्वक और स्फूर्ति के साथ करेंगे। मेहमानों और मित्रों के साथ पार्टी पिकनिक और समूह भोजन का आयोजन करेंगे।

कर्क - आज का दिन खुशी और सफलता का है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को ऑफिस में अनुकूल वातावरण रहेगा। नौकर वर्ग और ननिहाल पक्ष से लाभ होगा।

सिंह - आज के दिन आप तन-मन से स्वस्थ रहेंगे। आपकी रचनात्मकता नया स्वरूप प्रदान कर सकेगी। प्रिय व्यक्ति के साथ की मुलाकात सुखद रहेगी। संतान की प्रगति का समाचार मिलेगा।

कन्या - आज के दिन सभी कामों में प्रतिकूलता का अनुभव होगा। स्वास्थ्य खराब होगा। मन चिंताग्रस्त रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ अनबन होने से अशांति रहेगी।

तुला - नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आप अधिक भाग्यशाली बनेंगे और आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी सामाजिक समारोह में उपस्थित रहने के लिए बाहर जाना पड़ेगा।

वृश्चिक - पारिवारिक कलह- द्वेष का अवसर न आएं, इसका ध्यान रखें। पारिवारिक सदस्यों के साथ गलतफहमियों से बचें। मन में उत्पन्न नकारात्मक विचारों को दूर करें।

धनु - आज आप निर्धारित कामों में सफलता तथा आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आप परिवार सहित शुभ अवसर में उपस्थित हो सकेंगे। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने की संभावना है।

मकर - आज सावधानी बरतें। अधिक परिश्रम में कम सफलता मिलने से निराशा की भावना पैदा होगी। पारिवारिक वातावरण भी अशांत रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी शिकायत रहेगी।

कुंभ - आज आप नए काम की शुरुआत या उसकी योजना बना सकेंगे। नौकरी या व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्र आपकी प्रगति में सहायक होगी।

मीन - नौकरी या व्यवसाय में सफलता मिलने तथा उच्च अधिकारियों के अच्छे व्यवहार से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। व्यापारियों के व्यापार में वृद्धि होगी और बकाया राशि प्राप्त होगी।

सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा का दिवाली मिलन समारोह सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। सर्वगौड़ ब्राह्मण महासभा का दिवाली मिलन समारोह स्थानीय यूथ हॉस्टल रानीताल में रंगारंग समारोह के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर आर्या पचौरी, आद्या पचौरी, ओजस्वनी शर्मा, आस्था गुरु, भव्या शर्मा, मेधावी शर्मा ने शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया. परंपरागत उत्साह के साथ आयोजित समारोह में अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, एडवोकेट नरेन्द्र शर्मा, आशा शर्मा, मणि शर्मा, अखिलेश उपाध्याय ने भी अपनी सुरीली आवाज में मधुर गीत गाकर समा बांध दिया. पुष्पा चौबे की रंगोली आकर्षण का केंद्र रही. संचालन जयश्री पचौरी ने आभार प्रदर्शन मंत्री राजेश शर्मा ने किया. इस अवसर पर सभी सभासद सहित मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भोपाल की बैठक में पेंशनर्स की मांगों पर चर्चा के साथ आन्दोलन पर निर्णय

जबलपुर, देशबन्धु। पेंशनर्स एसोसियेशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम जोशी तथा कार्यवाहक प्रान्ताध्यक्ष एच.पी. उरमलिया ने बताया कि राज्य के साढ़े चार लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों का निराकरण लम्बे समय से म.प्र. शासन के द्वारा नहीं किये जाने के फलस्वरूप तथा मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ बंटवारे को लेकर सरकार के द्वारा अभी तक वर्ष 2000 की उपधारा 49 (6) को विलोपित किये जाने का कोई निर्णय न लिये जाने के पक्ष में राज्य के पेंशनर्स का निरंतर 25 वर्ष से आर्थिक शोषण किया जा रहा है। इन्हीं आवश्यक बिन्दुओं को लेकर प्रान्तीय महासमिति की बैठक भोपाल के लघु वेतन कर्मचारी संघ भवन जो कि भोपाल में माता मंदिर के पास है आयोजित की गई है, जिसमें म.प्र. के प्रत्येक जिले के पदाधिकारी भाग लेंगे तथा बैठक में विचारोपरान्त लंबित माँगों के संबंध में अर्द्धनग्न रहकर पेंशनर्स प्रदर्शन कर रैली के रूप में मुख्यमंत्री निवास तक या म.प्र. शासन के मंत्रालय तक पहुँचकर अपना माँग पत्र संबंधित अधिकारियों को देंगे। जिसमें संभागीय अध्यक्ष शेषमणि पाण्डे, गौरीशंकर पाण्डेय, आर. के. श्रीवास्तव, , सी.एल. दोहरे, बी.एस.पी. गौर, डॉ. एस.पी. सिंह, एस. के. श्रीवास्तव, प्रकाश गर्ग, आदि भोपाल की बैठक में सम्मिलित होंगे।

स्पेशल ट्रेनों के बाद भी, ट्रेनों में तिल भर जगह नहीं

जबलपुर, देशबन्धु। त्योहारों पर जनता की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पूरे देश में बारह हज़ार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं, पूर्वांचल के निवासियों की एक अच्छी खासी आबादी जबलपुर में रहती जो छठ पूजा हेतु बिहार जाते हैं, और उनकी सुविधा हेतु जबलपुर और भोपाल मंडल से अस्सी फेरों के साथ पांच- पांच स्पेशल ट्रेन चल रही है , मगर भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही, ट्रेन तो छोड़िए स्टेशन मे भी पैर रखने की जगह नहीं है और ये हाल तब है जब रेल मंत्रालय के सख़्त निर्देश हैं कि रेल्वे प्लेटफार्म पर वैध टिकेटधारी ही जायेगा।

जबलपुर मंडल से चलने वाली स्पेशल ट्रेनें

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति:
दोनों ओर से 11-11 फेरे।

रीवा-रानी कमलापति-रीवा:
दोनों ओर से 6-6 फेरे।

रीवा- डॉ. आंबेडकर नगर-रीवा: दोनों ओर से 5-5 फेरे।

जबलपुर-दानापुर-जबलपुर:
दोनों ओर से 12-12 फेरे।

सोगरिया-दानापुर-सोगरिया:
दोनों ओर से 6-6 फेरे।

जबलपुर-अयोध्या कैंट-जबलपुर: 3-3 ट्रिप

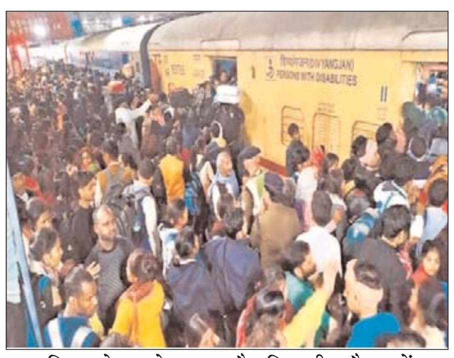

साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन छठ और दिवाली त्यौहार में यह हैं स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर से दानापुर स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर से दानापुर स्पेशल ट्रेन 5 नवंबर तक सप्ताह के बुधवार और शुक्रवार को एक्सप्रेस ट्रेन जबलपुर से रात 19:35 बजे प्रस्थान करेगी. ट्रेन 01702 दानापुर से जबलपुच स्पेशल ट्रेन 6 नवंबर 2025 तक गुरुवार और शनिवार को एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर स्टेशन से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान करेगी. यह ट्रेन जबलपुर से दानापुर के बीच चलाई जाएगी और सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल रुकेगी.

जबलपुर वोकल स्टार प्रतियोगिता 16 नवंबर को

जबलपुर, देशबन्धु। ममत्व संगीत समिति के द्वारा आगामी 16 नवंबर को रानी दुर्गावती संग्रहालय कला वीथिका सभागार भंवरताल में बाल दिवस के अवसर पर दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक जबलपुर वोकल स्टार प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के सामान्य एवं दिव्यांग बालक बालिकाओं की उत्कृष्ट गायन प्रतिभा के द्वारा संगीत गुरुओं के निर्णय के फलस्वरूप ममत्व संगीत समिति का जबलपुर शहर संस्कारधानी का वोकल स्टार 2025 चुना जाएगा। प्रतियोगिता में विविध प्रकार के मानक स्तर पर जो प्रतियोगी खरे उतरेंगे उन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान किए जाएंगे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्रीमती गीता बाई दुबे- हाथीताल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री कृष्ण कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई दुबे (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नर्बदेश्वर पांडे- डिपो नं. 2 के पास गोरखपुर निवासी श्री नर्बदेश्वर पांडे (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री सागर सतनामी- बाबा टोला चौपड़ा कुआं के पास निवासी श्री राजमन सतनामी के पुत्र श्री सागर सतनामी (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गुलाब सिंह सांकुले- कांचघर घमापुर थाने सामने निवासी श्री गुलाब सिह सांकुले (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री उमा शंकर बनाफर- फूटाताल कुम्हार मोहल्ला निवासी श्री उमा शंकर बनाफर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री एसएल मलिक- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री एसएल मलिक (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश बेन- गोरखपुर ईसाई मोहल्ला निवासी श्री छेदी लाल बेन के पुत्र श्री मुकेश बेन (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई- दूसरा पुल 30 बैरक शीला कम्पाउंड के सामने निवासी श्री छोटे लाल की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोमकली कुचबंधिया- नेहरू वार्ड कुचबंधिया मोहल्ला निवासी श्री पप्पू कुचबंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती सोमकली कुचबंधिया (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांता बाई पवार- व्हीकल रिछाई जीआईएफ गेट नं. 2 के पास निवासी श्री किशोरी लाल पवार की धर्मपत्नी श्रीमती शांता बाई पवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास बेन- सिद्ध नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री भगवान दास बेन (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा- शास्त्री विहार मिलेनियम स्कूल के पास निवासी श्री दामोदर प्रसाद कोष्टा की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

तेज रफ्तार बस का कहर, फ्लाईओवर में कार को मारी टक्कर

जबलपुर,देशबन्धु। संस्कारधानी जबलपुर में रविवार को तेज रफ्तार और लापरवाही एक बार फिर हादसे का कारण बन गई। दोपहर के समय रानीताल फ्लाईओवर पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब जबलपुर से बिछिया शहपुरा की ओर जा रही बस ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार दंपत्ति घायल हो गए, वहीं टक्कर के बाद करीब 10 मिनट तक ब्रिज के ऊपर लंबा जाम लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस क्रमांक एमपी 06 पी 1479 तेज रफ्तार से रानीताल ब्रिज की चढ़ाई चढ़ रही थी। उसी दौरान सामने जा रही एक वैगन आर कार को बस चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

कार में सवार दंपत्ति — हसमुख शाह और विजया शाह, निवासी गढ़ा क्षेत्र — हादसे के समय किसी काम से शहर की ओर आ रहे थे। बस की टक्कर लगने से विजया शाह के चेहरे और सिर में गहरी चोटें आईं और खून बहने लगा। वहीं, उनके पति हसमुख शाह को भी हल्की चोटें पहुंचीं। हादसे के तुरंत बाद बस और कार चालक के बीच कहासुनी शुरू हो गई। दोनों एक-दूसरे पर गलत तरीके से वाहन चलाने के आरोप लगाते रहे। इस बीच ब्रिज पर अन्य वाहनों की कतार लग गई, जिससे करीब 10 मिनट तक यातायात बाधित रहा।

मौके पर मौजूद अन्य वाहन चालकों ने बीच-बचाव करते हुए स्थिति को संभाला और घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया।

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों वाहनों को साइड में कराकर यातायात चालू कराया। बस और कार दोनों को लार्डगंज थाने में ले जाया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बस चालक तेज रफ्तार में था और फ्लाईओवर पर ओवरटेक करने की कोशिश में उसने नियंत्रण खो दिया।

शराब के लिए रुपए न देने पर युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर,देशबन्धु। थाना घमापुर क्षेत्र में देर रात एक युवक पर उसी के परिचित ने शराब पीने के लिए रुपए न देने पर चाकू से हमला कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना घमापुर पुलिस के अनुसार, संजय गुजराती (27 वर्ष), निवासी लोधी मोहल्ला, बेलबाग, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बर्तन का काम करता है। बीती रात करीब 9 बजे उसका भाई अजय गुजराती चाट खाने शीतलामाई गया था। कुछ देर बाद अजय ने फोन कर बताया कि वहां उसकी मुलाकात राहुल गुजराती से हुई, जिसने उससे शराब पीने के लिए 500 की मांग की।

जब अजय ने रुपए देने से इंकार किया, तो राहुल ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गालियां देने से मना करने पर राहुल गुजराती ने चाकू से हमला कर अजय के बाएं पैर की जांघ पर चोटें पहुंचा दीं। घटना की जानकारी मिलने पर संजय गुजराती मौके पर पहुंचा और घायल भाई को विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने आरोपी राहुल गुजराती के खिलाफ धारा 296, 118(1), 119(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

मादक पदार्थों की बिक्री पर लगे रोक, महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर,देशबन्धु। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के दर्जनों सदस्यों ने गांजा, शराब और अन्य मादक पदार्थों की खुलेआम हो रही बिक्री के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकुश चौधरी ने बताया कि पूर्व विधानसभा क्षेत्र में नशीले पदार्थ जैसे चरस, गांजा, कोकीन इत्यादि का अवैध व्यापार तेजी से बढ़ रहा है और युवा वर्ग इसके जाल में फंस रहा है। नशे की लत व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है और अपराध, हिंसा, आत्महत्या तथा सड़क दुर्घटनाओं जैसी घटनाओं का प्रमुख कारण बन रही है। चौधरी ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक अपराध नशे की स्थिति में किए जाते हैं और 20 प्रतिशत से अधिक सड़क दुर्घटनाएँ मादक पदार्थों या शराब के सेवन के बाद होती हैं। महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन ने आग्रह किया है कि अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और सप्लाई पर कड़ी निगरानी रखी जाए, नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जाए, नशा मुक्ति केंद्रों और काउंसलिंग की व्यवस्था बेहतर बनाई जाए और सोशल मीडिया पर नशे के प्रचार पर रोक लगाई जाए।

पुराने विवाद के चलते चली गोली, बेन मोहल्ले मे मची अफरा-तफरी

जबलपुर,देशबन्धु। थाना गोरखपुर क्षेत्र में पुराने विवाद को लेकर तनाव की स्थिति बन गई जब एक युवक ने मैदान में पहुंचकर हवाई फायर कर दिया। फायरिंग की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

थाना गोरखपुर पुलिस के अनुसार, शरद बेन (20 वर्ष), निवासी बेन मोहल्ला, रामपुर, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है और बीती रात बेन मोहल्ला के बाहर मैदान में खड़ा था। पिछले 3-4 दिनों से उसके भाईयों का विवाद निशांत सोनकर, निवासी आजाद चौक से चल रहा था। कुछ दिन पहले शिवा बेन और साहिल बेन ने निशांत सोनकर के बेटे राजवीर सोनकर से मारपीट की थी। इसी बात को लेकर निशांत सोनकर अपने परिवार के साथ मैदान में पहुंचा और शरद तथा उसके भाई को गाली-गलौज करते हुए धमकी दी कि तुम लोगों ने मेरे बेटे के साथ मारपीट की है, मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा। इसके बाद निशांत सोनकर ने हवाई फायर कर दिया, जिससे आसपास के लोग घबरा गए और भीड़ एकत्रित हो गई। शरद बेन डरकर मोहल्ले की ओर भाग गया। घटना में किसी को चोट नहीं आई है। पुलिस ने आरोपी निशांत सोनकर के खिलाफ धारा 125 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

शराब तस्करी में लिप्त युवक गिरफ्तार, आठ कार्टून अंग्रेजी शराब जप्त

जबलपुर,देशबन्धु। थाना बरेला पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त एक आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी कार में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर परिवहन कर रहा था। पुलिस ने मौके से 8 कार्टून अंग्रेजी शराब और परिवहन में प्रयुक्त अर्टिका कार (क्रमांक एमपी 20डब्ल्यूए 6677) जप्त की है।

थाना प्रभारी अनिल पटैल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि जबलपुर की ओर से एक अर्टिका कार में अवैध रूप से शराब लेकर बरेला की तरफ लाई जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने सिलगोर बिज के पास हाईवे रोड पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद बताई गई कार क्रमांक एमपी 20डब्ल्यूए 6677 आती दिखाई दी, जिसे रोककर जांच की गई। कार चालक ने पूछताछ में अपना नाम राहुल मधुकर, पिता गुड्डा मधुकर, उम्र 24 वर्ष, निवासी बिझीया, अम्बेडकर वार्ड नंबर 10, मंडला बताया। तलाशी के दौरान कार से 8 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसमें 1 कार्टून में 48 पाव रॉयल स्टैग, 1 कार्टून में 48 पाव बकार्डी ब्लैक, 1 कार्टून में 48 पाव रम, 1 कार्टून में 48 पाव बकार्डी लेमन, 1 कार्टून में 12 बोतल ओल्ड मंक, 2 कार्टून में 96 पाव ओल्ड मंक, तथा 1 कार्टून में 12 बोतल ओल्ड मंक अंग्रेजी शराब पाई गई। कुल मिलाकर लगभग 83,760 कीमत की अंग्रेजी शराब जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपी से शराब एवं अर्टिका कार दोनों जप्त करते हुए धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि उसने यह शराब कहां से और किससे प्राप्त की थी।

राशन न मिलने पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

जबलपुर,देशबन्धु। पाटन-कटंगी मार्ग पर आज सुबह कैमोरी गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें महीनों से पूरा राशन नहीं मिल रहा है। नाराज महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने एकजुट होकर सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात घंटों तक बाधित रहा।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें साल में केवल आठ माह का ही राशन दिया जा रहा है, जबकि शासन की ओर से 12 माह का राशन निर्धारित है। इसके बावजूद दुकान संचालक केवल तीन महीने की पर्ची काटकर एक महीने का ही राशन दे रहा है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। एक महिला ग्रामीण ने बताया, हम लोग हर महीने दुकान पर जाते हैं, लेकिन या तो राशन खत्म बता दिया जाता है या पर्ची काटकर सिर्फ एक महीने का अनाज दिया जाता है। बच्चों को खिलाने के लिए मुश्किल हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जाता, तब तक वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने का प्रयास किया। हालांकि देर शाम तक जाम नहीं खुला था, और पाटन-कटंगी मार्ग पर वाहनों की लंबी लाइनें लगी रहीं। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि जब तक राशन वितरण व्यवस्था सुधारी नहीं जाती, वे सड़क से नहीं हटेंगे।

दो युवकों पर चाकू से किया था हमला, चार आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर के रांझी और खमरिया क्षेत्रों में दहशत फैलाने वाले चार शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये वही आरोपी हैं जिन्होंने खमरिया बाजार में सरेराह दो युवकों पर चाकू से हमला किया था और उसके बाद रांझी में अस्पताल में घुसकर एक युवक से मारपीट की थी।

घटनाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ तेज की। शनिवार को खमरिया बाजार में प्रिंस झारिया, अरुण वंशकार, उदय चौधरी और मोहित ने लखन और राहुल नामक युवकों पर पुरानी रंजिश के चलते चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोजनी चौकसे टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मोहित को शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद बदमाश रांझी इलाके में पहुंचे, जहां रविवार को सिविल अस्पताल में एक युवक को पीट दिया। यह घटना भी कैमरे में कैद हो गई और वायरल होने पर पुलिस ने फरार तीनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। घायलों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

तहसील कार्यालय के पास युवक पर चाकू से हमला
तलाश में जुटी मझौली पुलिस

,जबलपुर,देशबन्धु। मझौली तहसील के सामने बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर लहुलहान कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। थाना प्रभारी अमित मिश्रा ने बताया कि थानाक्षेत्र में रहने वाला सुनील राय किसी काम से तहसील कार्यालय के पास गया था। उसी दौरान वहां कुछ लोग आए और गाली-गलौज करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। सुनील जब अचेत होकर वहीं गिर पड़ा तो बदमाश वहां भाग गए। घायल को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र लाया गया लेकिन वहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जबलपुर रेफर कर दिया। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि जल्द से जल्द आरोपियों को दबोचा जा सके। अत्यधिक खून बहने के कारण फिलहाल सुनील की हालत नाजुक बताई जा रही है।

चंडी मेले से लौट रहे युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर,देशबन्धु। चंडी मेला घूम कर लौट रहे युवक पर आरोपी ने रुपये की मांग करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिवजा दिया।

पनागर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनरुसार यश कुमार वंशकार उम्र 19 वर्ष निवासी बड़ी खेरमाई मोलाना वार्ड चंद्रनगर बिसैंधी चंडी मेला में घूमने गया था। चंडी मेला में उसे राज कुशवाहा निवासी छोटी खेरमाई पनागर का मिला। जो उससे शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो राज कुशवाहा उसके साथ गाली गलौज करते हुये चाकू से हमलाकर दाहिने कान, पीठ में चोट पहुंचा दी तथा उसके धक्का मारकर पटक दिया। इसके बादं जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने घायल की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2) बीएनएस तथा 3(2)(व्हीए), 3(1)द, 3(1)ध एससी एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मोटर सायकिल सवार ने युवक को मारी टक्कर

जबलपुर,देशबन्धु। थाना संजीवनीनगर में देर रात गीता राय ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बेटे भावेश राय को पारस कालोनी के पीछे बने गार्डन से शाम को घुमाकर वापस लौट रही थी तभी कमेटी हाल की तरफ से आ रही बाईक क्रमांक डीएल 8 एससी डब्ल्यु 1007 का चालक तेज गति लापरवाही पूर्वक बाईक चलाते हुये उसके बेटे भावेश राय को टक्कर मार दिया एवं जसूजा सिटी की तरफ भाग गया टक्कर लगने से बेटे को गर्दन में अधिक चोट होने से मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती किया गया। जिसके बाद पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जेवर एवं नगदी रूपये चुरा ले गये अज्ञात चोर

जबलपुर,देशबन्धु। थाना गोरखपुर में दोपहर में सतीश भालाधरे उम्र 36 वर्ष निवासी लक्ष्मी कालोनी हाथीताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सब्जी का ठेला लगाता है उसकी ससुराल भी लक्ष्मी कालोनी में है दिनांक 25-10-25 को ससुराल वाले निजी काम से बालाघाट चले गये थे तो वह एवं उसकी पत्नी बच्चे ससुर के घर की रखवाली करने के लिये रात में चले गये थे घर पर पिता सदानंद थे उनकी तबियत भी ठीक नहीं रहती है, आज सुबह बगल वाली आंटी पुष्पा ने फोन कर बताया कि आपके घर का सामान बिखरा पड़ा है लगता है चोरी हो गई है तो वह पत्नी आरती के साथ घर आकर देखा सामान बिखरा हुआ था आलमारी खुली थी लॉकर मे रखा सामान सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, चांदी की पायल, चैन, नगदी रूपये गायब थे, दरवाजे में कुंडी नहीं थी कोई अज्ञात चोर दरवाजा खुला पाकर उसके घर में घुसकर आलमारी के लॉकर में रखे सोने चांदी के जेवर एवं नगदी चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 800/25 धारा 331, 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गमछे से फांसी पर लटकी किशोरी

जबलपुर,देशबन्धु। थाना तिलवारा में 26 अक्टूबर ग्राम लम्हेटी में 1 किशोरी द्वारा फांसी लगा लेने की सूचना पर पहुंची पुलिस को किरण झारिया ने बताया कि विगत 7-8 वर्ष से ग्राम लम्हेटी स्थित फार्म हाउस में परिवार सहित रहती है। आज दोपहर 2 बजे उसकी बेटी कु. ज्योति झारिया उम्र 15 वर्ष उसका मोबाईल चला रही थी बेटे रितिक झारिया ने ज्योति से फोन मांगा, फोन न देने पर रितिक ने छीन लिया इसी बात पर से दोनों के बीच बहस होने लगी, फिर ज्योति गुस्से में कमरे के अंदर चली गयी, कुछ देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उन्होने एंव रितिक ने दरवाजा में धक्का देकर खोला तो देखा की ज्योति छत के पाईप में गमछे से फांसी पर लटकी थी जिसकी मृत्यु फांसी लगा लेने से हो गयी। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

शातिर बदमाश फायर आर्म्स सहित गिरफ्तार
12 बोर देशी कट्टा एवं कारतूस जप्त

जबलपुर,देशबन्धु। थाना हनुमानताल पुलिस ने रविवार को एक शातिर बदमाश को अवैध हथियार सहित रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से 12 बोर का देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

थाना प्रभारी धीरज राज ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि किलकारी गार्डन के अंदर टंकी के पास हशीव नामक व्यक्ति कमर में कट्टा लगाए किसी आपराधिक वारदात की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम हशीव असारी उर्फ हकला, पिता मो. शहीद अंसारी, उम्र 30 वर्ष, निवासी न्यू आनंद नगर, जल्लू होटल के पास, हनुमानताल बताया। तलाशी लेने पर आरोपी की कमर में 12 बोर का देशी कट्टा मिला, जिसके चेंबर में एक कारतूस लोड था।

अवैध शराब के कारोबार में लिप्त आरोपी गिरफ्तार,14 पेटी देशी शराब जप्त

जबलपुर देशबन्धु। थाना शहपुरा की टीम द्वारा 1 आरोपी को 700 पाव देशी शराब के साथ रंगे हाथ पकडा गया है 7 थाना प्रभारी शहपुरा श्री प्रवीण धुर्वे ने बताया कि दिनांक 25 अक्टूबर को रात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम हरदुआ में परसू महराज के खेत में हरदुआ निवासी भीकम सिह लोधी, कमलेश लोधी, तथा पौड़ी निवासी सचिन पटैल अवैध रूप से शराब बेचने के लिये रखे हैं, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई, जहां तीन व्यक्ति परसू महाराज के खेत में संदिग्ध

अवस्था में खड़े दिखे जो पुलिस को देखकर भागने लगे 2 व्यक्ति भागने में सफल हो गये, घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया जिसने पूछताछ पर अपना नाम भीकम सिंह लोधी उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम हरदुआ बताते हुये भागने वालों के नाम कमलेश सिंह लोधी एवं सचिन पटेल बताया, तलाशी लेने पर मौके पर मक्के के ढेर मे रखी पेटियों को चैक करने पर 14 पेटी में कुल 700 पाव देशी शराब कीमती लगभग 70 हजार रूपये की रखी मिली, उक्त शराब के संबंध में पूछताछ करने पर अपने साथी कमलेश सिंह लोधी एवं सचिन पटेल के साथ मिलकर मौके पर रखे मक्के के ढेर में शराब की पेटियां बेचने हेतु रखना बताया, कमलेश सिंह लोधी एवं सचिन पटैल पुलिस को आते देख भाग जाना बताया, आरोपी भीकम सिंह लोधी के कब्जे से 14 पेटी में कुल 700 पाव देशी शराब जप्त करते हुये आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई ।

एनएच-30 पर गांधीग्राम से बरनू तिराहा के बीच उगी कंटीली झाड़ियां

दोपहिया वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें मुख्य सड़क पर दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा

गोसलपुर, देशबन्धु। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर जबलपुर-सिहोरा मार्ग पर स्थित गांधीग्राम से बरनू तिराहा के बीच मुख्य सड़क की सफेद लाइन वाली पटरी, जिसका उपयोग अक्सर दोपहिया वाहन चालक करते हैं पर उग आईं घनी कंटीली झाड़ियां इन दिनों गंभीर खतरा बन गई हैं।

लंबे समय से इन डिवाइडर में लगी ये झाड़ियां अब बड़ी होकर सड़क की ओर काफी बाहर निकल आई हैं। नतीजतन, जब दोपहिया वाहन चालक पटरी किनारे से गुजरते हैं, तो वे इन झाड़ियों से सीधे टकरा रहे हैं। इन झाड़ियों में वाहन चालकों के कपड़े फंसने और उनके गिर जाने की खबरें सामने आ रही हैं। सबसे खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब झाड़ियों से टकराने के कारण दोपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर मुख्य सड़क पर आ जाते हैं, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

मवेशियों का जमावड़ा और रखरखाव में लापरवाही-इसके अतिरिक्त, झाड़ियों को चरने के लिए मवेशी, जिनमें गाय, बैल और बकरियां शामिल हैं, भी इन पटरियों पर देखे जा रहे हैं। इन मवेशियों की उपस्थिति भी यातायात की सुगमता में एक बड़ी बाधा उत्पन्न कर रही है।

रखरखाव में लापरवाही-पटरी किनारे फैले कूड़े और मलबे से यह स्पष्ट होता है कि राजमार्ग के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है, जिसके कारण न सिर्फ झाड़ियां बढ़ीं हैं, बल्कि पटरी की उपयोगिता भी बाधित हुई है। इस मार्ग पर यात्रा करने वाले स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह स्थिति पिछले कई महीनों से बनी हुई है, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) या संबंधित विभाग द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

बुद्धिजीवी वर्ग ने एनएचएआई से की तत्काल कार्रवाई की -इस गंभीर समस्या को देखते हुए क्षेत्र के बुद्धिजीवी वर्ग ने एनएचआई से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी मांग है कि यातायात की सुरक्षा और सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए इन खतरनाक झाड़ियों को अविलंब वैज्ञानिक तरीके से कटवाए जाने और पटरी को सुरक्षित बनाए जाने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने मवेशियों के प्रवेश को रोकने और पटरी किनारे की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की भी अपील की है, ताकि दोपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम कम हो सके और मुख्य सड़क पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

नाहन देवी में कांग्रेसियों की कलेवा पार्टी ने भरा अपनापन

पाटन, देशबन्धु। दीपावली के पावन अवसर पर जबलपुर जिला ग्रामीण कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नाहन देवी के पवित्र स्थल पर आयोजित कलेवा पार्टी के माध्यम से अपनत्व और एकता की मिसाल पेश की। हिरण नदी के तट पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जिला ग्रामीण कांग्रेस के प्रभारी एवं केवलारी विधायक रजनीश सिंह की गरिमामय उपस्थिति रही।

इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव के आह्वान पर किया गया था, जिसमें पाटन विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के साथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्री यादव ने बताया कि कांग्रेस पार्टी सदैव सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का काम करती रही है।

आगे उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल भोजन तक सीमित नहीं था, बल्कि भावनाओं और एकता का संगम था। हर कार्यकर्ता अपने घर से भोजन का टिफिन लेकर आया है, जिसे हम गांव की भाषा में 'कलेवा' कहते हैं। यही हमारी संस्कृति और एकजुटता की पहचान है। वहीं विधायक रजनीश सिंह ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सौहार्द और अपनापन बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता में जो समर्पण और पारिवारिक भावना है, वही हमारी असली ताकत है। आज हम सबने मिलकर स्वादिष्ट कलेवा का आनंद लिया और आपसी एकता का संदेश दिया। पूर्व जनपद अध्यक्ष डा. विक्रम सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कांग्रेसजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस दीपावली मिलन ने पूरी विधान सभा क्षेत्र में एक नया उत्साह और जोश भर दिया है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता दुर्गेश पटेल, राजेश तिवारी, पंडित संजय गुरु, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल, सप्तऋषि राजोरिया, रवि जैन, यश बबेले, प्रशांत शर्मा, विवेक यादव, बंटी भुर्रक, अरविंद ठाकुर, आशीष तिवारी, कढ़ोरी सिंह ठाकुर, आत्माराम तिवारी, जमील खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, महिला एवं युवा कांग्रेस के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सार-समाचार

भेड़ाघाट में पंगत में संगत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। बरगी विधानसभा के भेड़ाघाट में पंगत में संगत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में जबलपुर जिला प्रभारी रजनीश सिंह, विधानसभा प्रभारी दीपांशु यादव, कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष संजय यादव ने नेतृत्व किया। कार्यक्रम में चरगवां ब्लॉक अध्यक्ष नारायण चौबे, बेलखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष दुर्जन सिंह पटेल, शहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष रामबाबू सेंगर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष चमन कोड़ीलाल राय, मनीष राय, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष रामकुमार सैयाम, जिला पंचायत सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता कोड़ी लाल राय, प्रमोद शुक्ला, जनपद उपाध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, नगर परिषद अध्यक्ष उपाध्यक्ष, जगदीश दाहिया, राजेश जैन, नेकराम पटेल, परमलाल एहवासी सहित कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में पहुंचकर सफल बनाया।

आर्यिका 105 तपोमती माताजी का ससंघ का हुआ आगमन

जैन समाज ने की भव्य अगवानी

पनागर, देशबन्धु। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज एवं 108 समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्यिका 108 तपोमति माता नम्रमति माताजी, विनम्रमति माताजी, अतुलमति माताजी, अनुगम मति माताजी, लक्ष्य मति माताजी के साथ नगर आगमन हुआ। श्री जैन

प्रबंधकारनी सभा एवं जैन समाज के महिलाओं-पुरुषों, बच्चों ने देवरी तिराहा के पास भव्य अगवानी की। जगह-जगह भक्तजनों ने माता की आरती की। तत्पश्चात माताजी ससंघ कमानिया के पास बाजार जैन मंदिर श्री 1008 नेमिनाथ जिनालय पहुंचीं। माताजी के आगमन से नगर के धार्मिक प्रेमीजनों एवं समाज के लोगों में हर्ष व्याप्त है।

कार में लोड 16 पेटी कफ सिरप के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

रीवा देशबन्धु। पुलिस ने नशे के विरुद्ध कार्रवाइयों का चौका मारते हुए, बीती देर रात एक कार में लोड 16 पेटी नशीली कफ सिरप के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई आईजी गौरव राजपूत पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देश पर कोतवाली सीएसपी राजीव पाठक के नेतृत्व में समान थाना प्रभारी विजय सिंह बघेल और उनकी टीम ने मिलकर की है।

बताया गया कि तस्कर नशे की बड़ी खेप लेकर शहर में डिलीवरी देने आ रहे थे, तभी मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने तस्करों को शहर के भीतर प्रवेश करने से पहले ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल सभी आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का अपराध दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है ज्ञात हो कि पुलिस ने नशे के विरुद्ध एक सप्ताह के भीतर यह चौथी बड़ी कार्रवाई की है, जिससे नशा कारोबारियो ना सिर्फ हड़कंप मच गया है, बल्कि वह भूमिगत होने जगह तलाश रहे है। फिलहाल एक बार फिर हुई कार्रवाई के संबंध में कोतवाली सीएसपी राजीव पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात मुखबिर से मिली सूचना के बाद समान थाने की टीम ने जिउला मोड़ के समीप घेराबंदी कर एक कार को पकड़ा है। मौके पर कार की ली गई तलाशी में कार में सवार तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी निशानदेही पर कार में लोड 16 पेटियों में कुल 1920 सीसी नशीली कफ सिरप बरामद की गई हैंपकड़े गए आरोपियों में जिले के चाकघाट निवासी सुनील मांझी, शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित इटौरा निवासी आनंद विश्वकर्मा सहित उत्तर प्रदेश के बनारस निवासी कृष्णम सिंह गहरवार शामिल है।

भूमि समाधि सत्याग्रह से चेती सरकार, मुख्यमंत्री ने मिलने का दिया समय

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर हो रहे भूमि समाधि सत्याग्रह के लेकर विगत दो दिनों से प्रशासन और आंदोलनकारी के मध्य चल रहे टकराव का सुखद अंत हुआ। आज 26 अक्टूबर को जब प्रदर्शनकारी प्रशासन द्वारा पुनः गड्ढे पूर देने पर रेत भरी ट्रॉलियों में समाधि लेकर पहुंचे तो सिहोरा थाना प्रभारी के माध्यम से एसडीएम सिहोरा ने आंदोलनकारियों को मुख्यमंत्री कार्यालय का संदेश सुनाया, जिसमें आज रात 9 बजे जबलपुर में लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के पदाधिकारियों की मुख्यमंत्री मोहन यादव से सिहोरा जिला के संबंध में वार्ता होगी।

लगातार बढ़ता जा रहा टकराव

समिति के सदस्य जहां एक ओर भूमि समाधि करने की जोर लगाते दिखे, वहीं प्रशासन आंदोलन न हो, इसके लिए हर प्रकार की मशक्कत करता दिखा। सिहोरा में भी प्रशासन ने भूमि समाधि के किए गए गड्ढों को दो बार पूर दिया।

जबलपुर में होगी मुख्यमंत्री से वार्ता

देर रात तक दी समाधि

शनिवार रात को जब प्रशासन दल-बल के साथ दोबारा किए गए गड्ढों को पूरने गया। समिति के सदस्य खोदे गए गड्ढों पर रात को समाधि में बैठ गए। इस दौरान दोनों पक्षों में जबरदस्त तनाव बना, परंतु स्थानीय राजनेताओं की उपस्थिति से प्रशासन ढीला पड़ गया।

ट्रॉली में ली समाधि

जब समिति के सदस्य समाधि के गड्ढों में समाधि लेने पहुंचे तो वहां साफ मैदान था। प्रशासन ने देर रात सारे गड्ढों को पूरकर जगह को समतल कर दिया था। इसके बाद रेत भरी ट्रॉलियों में समाधि लिए समिति के सदस्य समाधि स्थल पर पहुंच गए। उनका तर्क था कि जब जमीन उपलब्ध नहीं तो भी वे अपना आंदोलन करके रहेंगे।

मुख्यमंत्री से वार्ता एक आशा

मुख्यमंत्री द्वारा वार्ता का समय मिलने से संपूर्ण सिहोरा में एक आशा की किरण जाग उठी। वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे प्रत्येक जनमानस में अब मुख्यमंत्री मोहन यादव ही एक अंतिम आशा की किरण के रूप में दिखाई दे रहे हैं। सिहोरावासियों का कहना है कि निश्चित ही सिहोरा को उसका खोया हुआ सम्मान और हक वापस दिलाएंगे।

दिव्य संस्कार सरोवर खैरी में दीपावली पर्व पर 21 बहनों किया दीप प्रज्ज्वलन

शहपुरा/भिटोनी, देशबन्धु। शहपुरा के समीपस्थ ग्राम खैरी मेन रोड पर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्माणाधीन सबसे बड़े ब्रह्माकुमारी केंद्र दिव्य संस्कार सरोवर खैरी में रविवार 26 अक्टूबर को सुबह 11 बजे 21 ब्रह्माकुमारी बहिनों द्वारा भव्य दीप प्रज्वलन कर दीपावली का महापर्व मनाया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी भावना बहन, संचालिका शिव स्मृति भवन जबलपुर सहित जबलपुर के आसपास के सेवाकेंद्रों की ब्रह्माकुमारी बहनें व भाई-बहनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जबलपुर शहर व आसपास के गणमान्य नागरिक पधारे ग्रामीण अंचलों से भी अतिथि पधारे, जिनमें बहन मोनिका सिंह, उपाध्यक्ष नगर परिषद शहपुरा, भ्राता डॉ. एसके पांडे, भ्राता शैलेन्द्र सिंह भाजपा जिला महामंत्री, बहन कविता सिंह, बहन वंदना सिंह, बहन सीमा सिंह, भ्राता राजेंद्र जैन बंधु पुरकार, नेकराम पटेल पावला, ब्रह्माकुमारी ऊषा बहन संचालिका विश्व कल्याणी भवन शहपुरा, बीके वर्षा बहन व सभी भाई-बहनों ने बारिश होने के बावजूद परमपिता शिव परमात्मा की याद में लीन रहे।

स्कूटी सवार महिला को डंपर ने कुचला, मौके पर मौत

रीवा देशबन्धु। ओवरब्रिज के निर्माण में बरती गई लापरवाही से एक महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है। यहां स्कूटी सवार महिला फिसलकर डंपर के नीचे जा गिरी जिसकी पहिए से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित एटोरा बायपास में हुआ। जहां सड़क चौड़ीकरण में बनाए जा रहे ओवर ब्रिज के पास से यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि निर्माण एजेंसी द्वारा मार्ग को डायवर्ट किया गया है और इस डायवर्ट मार्ग को पानी से तर-बतर रखा गया है। जिसके चलते मार्ग से गुजर रही स्कूटी सवार महिला अचानक से फिसलकर सड़क पर जा गिरी और डंपर की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे हैं और महिला की पहचान कर ली गई है। इधर घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने डंपर के चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। स्थानीय लोगों की मानें तो हादसे की वजह ओवरब्रिज का निर्माण कर रही एजेंसी द्वारा बरती गई लापरवाही है। जिसके चलते यह सड़क हादसा हुआ और महिला की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले को जांच में लिया है।

मवेशियों से भरी पिकअप जब्त, दो गिरफ्तार

सतना, देशबन्धु। मझगवां थाना पुलिस ने अवैध रूप से मवेशियों का परिवहन कर रही एक पिकअप गाड़ी को जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में चालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

ये मवेशी उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे थे। थाना प्रभारी आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान रात में पमरिया बाबा मंदिर के पास एक पिकअप क्रमांक एमपी 19 जेडएम 6583 संदिग्ध अवस्था में खड़ी मिली।

खेतों में बालिया पकने के दौरान बारिश धान खरीद पर गहराया संकट

तैयार फसल में नमी का अत्यधिक फैलाव, सरकारी खरीद मानकों पर बड़ा असर

गोसलपुर, देशबन्धु। बेमौसमी बारिश और खेतों में लगातार नमी के फैलाव ने किसानों की चिंताओं को कई गुना बढ़ा दिया है, क्योंकि इस समय धान की फसल पकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और पौधों में फलियां (बालियां) लग गई हैं। आसमान पर छाए बादलों और रविवार को सुबह हुई तेज बरसात ने फसल को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिससे धान की गुणवत्ता और सरकारी खरीद प्रक्रिया दोनों पर गहरा संकट मंडरा रहा है।

किसानों के लिए यह समय सबसे नाजुक होता है, जब धान की बालियां पककर दाने से भर चुकी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे में जलभराव और लगातार नमी होने से कई खेतों में तैयार फसल जमीन पर बिछ गई है। लगातार नमी रहने के कारण बालियों के पुष्ट होने की आशंका बढ़ गई है, जिससे मुंह में आया निवाला छिन जाने जैसी स्थिति बन गई है। कृषि के जानकार वासुदेव मिश्रा, रामधनी चौरसिया, प्रकाश मिश्रा, खुशीलाल लखेरा, उत्तम तिवारी, राजेश पटेल, अवधेश पांडेय, दिनेश चौरसिया, भागचंद साहू, छोटे साहू कहना है कि अत्यधिक नमी के कारण धान के दाने काले पड़ जाएंगे और उनकी चमक खत्म हो जाएगी।

धान खरीद पर पड़ेगा सीधा असर-इस संकट का सबसे बड़ा असर धान की सरकारी खरीद पर पड़ने वाला है। सरकार द्वारा धान खरीद के लिए एक सख्त मानक तय किया गया है, जिसके अनुसार धान में नमी की अधिकतम मात्रा 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। वर्तमान बारिश के कारण खेतों में पड़े धान में नमी का स्तर 20 से 25 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो निर्धारित मानक से कहीं अधिक है। सरकारी खरीद एजेंसियां इस उच्च नमी वाले धान को खरीदने से इनकार करेंगी, जिससे किसानों को अपना धान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। अगर सरकार खरीद मानकों में तत्काल ढील नहीं देती है और नमी की सीमा को अस्थायी रूप से नहीं बढ़ाती है तो किसान मजबूरी में अपनी उपज निजी व्यापारियों को बहुत कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर होंगे, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने सरकार से तत्काल सर्वे कराकर नुकसान का मुआवजा देने और खरीद नियमों में छूट देने की मांग की है। खराब मौसम के कारण अब रबी की बुवाई भी पिछड़ने की संभावना है।

करंट लगाकर किया नीलगाय का शिकार, हिरासत में तीन आरोपी

सतना, देशबन्धु। करंट लगाकर नीलगाय के शिकार का एक मामला सामने आया है। वन विभाग ने इस संबंध में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। यह घटना वन मंडल के सतना रेंज के गोहारी गांव की है, जहां आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। वन मंडल के डीएफओ मयंक चांदीवाल को ग्राम गोहारी में अवैध शिकार की सूचना मिली थी। उनके निर्देश पर उप वन मंडलाधिकारी अभिषेक तिवारी ने सर्च वारंट जारी किया। रेंजर शुभम दुबे ने बताया कि डॉग स्क्वाड की मदद से घटनास्थल की जांच की गई। डॉग 'स्पार्टन' सर्च स्थल से कुछ दूरी पर कल्लू कोल के घर में घुस गया और वहां से काली पन्नी में रखा मांस बरामद कराया। कल्लू कोल से पूछताछ करने पर उसने शिकार में दिनेश कोल और सियाशरण चौधरी के भी शामिल होने की बात कबूली। उसकी निशानदेही पर इन दोनों आरोपियों को भी हिरासत में लिया गया है। रेंजर के अनुसार, आरोपी कल्लू को घटनास्थल पर ले जाया गया, जहां से नीलगाय का चमड़ा, शिकार में इस्तेमाल हथियार, खूंटी और बिजली के तार बरामद किए गए। आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक बाबूपुर, उडनदस्ता प्रभारी, परिक्षेत्र सहायक सज्जनपुर, बिहरा, महिला वनरक्षक और कार्यवाहक वनपाल की भूमिका सराहनीय रही।

डॉग स्क्वॉड एक व्यक्ति के घर में घुसा, अंदर मिला जानवर का मांस

ट्रंप ने विज्ञापन विवाद को लेकर कनाडा पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया

वाशिंगटन, (आईएएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। उन्होंने कनाडा पर आरोप लगाया है कि उसने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के भाषण को लेकर एक भ्रामक विज्ञापन चलाया है। ट्रंप ने शनिवार देर रात अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उन्हें यह विज्ञापन तुरंत हटा लेना चाहिए था, लेकिन उन्होंने इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान प्रसारित किया, जबकि वे जानते थे कि यह झूठा है। तथ्यों को गलत दिखाने और शत्रुतापूर्ण रवैये के कारण, मैं कनाडा पर पहले से लगाए गए टैरिफ में 10 प्रतिशत की और वृद्धि कर रहा हूं ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा, अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। कोर्ट इस समय ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्कों से जुड़े कानूनी मामलों की सुनवाई कर रहा है। ट्रंप ने लिखा, यह पूरा झूठ इसलिए फैलाया गया ताकि कनाडा को उम्मीद रहे कि अमेरिका का सुप्रीम कोर्ट उन्हें टैरिफ मामले में बचा लेगा।

पाकिस्तान में होने वाला था पुलवामा जैसा हमला! मारे गए टीपीपी के तीन आतंकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में आत्मघाती हमले की कथित साजिश में शामिल तीन आतंकियों को मार दिया। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने जिले के झल्लार क्षेत्र में खुफिया सूचना पर आधारित ऑपरेशन के तहत एक 'बड़ी आतंकवादी घटना को नाकाम कर दिया और एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया।'

यह अभियान 'फितना अल-खवारिज' से संबंधित आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित था। ये आतंकी एक बड़ी आतंकवादी गतिविधि के लिए वाहन पर बम लगाकर आत्मघाती हमला करने की तैयारी कर रहे थे। 'फितना अल-खवारिज' शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करती है। बयान में कहा गया है कि सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकानों पर उनका प्रभावी ढंग से मुकाबला किया और आत्मघाती हमले के लिए तैयार किए जा रहे वाहन को नष्ट कर दिया तथा मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया।

आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में तलाश अभियान जारी है ताकि इलाके में यदि कोई और आतंकवादी हैं तो उन्हें भी खत्म किया जा सके।

टीटीपी को लेकर ही इन दिनों पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। पाकिस्तान के आरोप है कि अफगानिस्तान टीटीपी को पनाह देता है और पाकिस्तान में दहशतगर्दी में समर्थन करता है।

वहीं अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के आरोपो को शिरे से खारिज किया है। तुर्की में पाक और अफगान के बीच बातचीत के दौरान पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुली जंग में उतरने की धमकी तक दे डाली। गौरतलब है कि इससे पहले दोनों देश दोहा वार्ता कर चुके हैं और तब संघर्ष विराम का ऐलान कर दिया गया था।

भारत वाले प्लान से पाकिस्तान को चित करेगा तालिबान, कुनार डैम से लगेगा कितना बड़ा झटका

काबुल। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार के सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद से ही पाकिस्तान पानी को लेकर छटपटा रहा है। वहीं अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की परेशानी बढ़ाने का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। तालिबान शासित अफगानिस्तान ने ऐलान किया है कि वह कुनार नदी पर बांध बनाएगा। उसके इस कदम से पाकिस्तान की ओर पानी का बहाव कम हो जाएगा और उसे भविष्य में पानी की बड़ी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। तालिबान ने यह ऐलान तब किया जब कि पाकिस्तान के उसके संबंध बेहद खराब हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक यह डैम बनाने का आदेश तालिबान के सुप्रीम लीडर मावलावी हिबतुल्ला अखुंदजादा ने दिया है। बीते दिनों पाकिस्तान ने बिना सोचे-समझे ही अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक कर दी थी। इसके बाद दोनों देशों की सेनाओं में सीमा पर झड़प शुरू हुई और पाकिस्तान के कम से कम 58 सैनिक मारे गए। बौखलाए पाकिस्तान ने अस्थायी सीजफायर होने के बाद भी दोबारा एयरस्ट्राइक की। हालांकि कतर की मध्यस्थता से दोनों देश सीजफायर पर तैयार हो गए।

तत्काल निर्माण शुरू करने का आदेश

अफगानिस्तान की सरकार ने बांध बनाने का केवल निर्णय नहीं लिया है बल्कि प्रशासन को काम शुरू करने का आदेश दे दिया है। तालिबान के सुप्रीम लीडर ने कहा है कि घरेलू कंपनियों को ही काम शुरू करने का ठेका दिया जाए। अफगानिस्तान के जल और ऊर्जा मंत्रालय की देखरेख में यह काम होना है।

कहां से निकलती है कुनार नदी

कुनार नदी पाकिस्तान के पास ही हिंदुकुश पर्वत श्रृंखला से निकलती है। यह खैबर पख्तूनख्वा के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करती है। जलालाबाद के पास यह काबुल नदी से मिल जाती है। पाकिस्तान में इसे चित्राल नदी के नाम से जानते हैं।

भारत के साथ भी हो गई है बड़ी डील

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा के दौरान हेरात में डैम बनाने को लेकर भी समझौता हुआ था। दोनों देशों ने मिलकर यहां हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट बनाने का फैसला किया है। इससे अफगानिस्तान की कृषि और ऊर्जा की आवश्यकताएं पूरी होंगी। वहीं अफगानिस्तान का सलमा डैम बनाने में भी भारत ने मदद की थी।

ताजिकिस्तान से भी सुधर रहे तालिबान के रिश्ते

अफगानिस्तान में अशरफ गनी की सरकार गिरने और तालिबान का कब्जा होने के बाद दुनियाभर के देशों ने काबुल में अपने दूतावास बंद कर दिए थे। भारत ने ऐलान किया है कि जल्द ही काबुल में दूतावास खोला जाएगा। वहीं तालिबान अब ताजिकिस्तान के साथ भी संबंध सुधारना चाहता है। तालिबान ने एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ताजिकिस्तान भेजा था। ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान की भी सीमा लगी हुई है। जिस काबुल नदी में कुनार आकर मिलती है वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बहने वाली सबसे बड़ी सीमा पार नदी है। यह अटक के पास सिंधु नदी में मिल जाती है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सिंचाई के लिए यह बहेद अहम है। कुनार के प्रावह में कमी से पंजाब प्रांत भी प्रभावित होगा।

आज का इतिहास

1676–पोलैंड और तुर्की ने वारसा की संधि पर हस्ताक्षर किए।
1795–अमेरिका और स्पेन ने सैन लोरेंजो की संधि पर हस्ताक्षर किए।
1806–फ्रांस की सेना बर्लिन में घुसी।
1811–सिलाई मशीन का आविष्कारक आइजैक मेरिट सिंगर का जन्म।
1920–भारत के पूर्व राष्ट्रपति के. आर. नारायणन का जन्म।
1959–पश्चिमी मेक्सिको में चक्रवाती तूफान से कम से कम 2000 लोग मरे।
1968–मेक्सिको सिटी में 19वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
1974–महान भारतीय गणितज्ञ रामानुजम का निधन।
1978–मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाचेम को शांति का नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।
1984–भारत के प्रतिभाशाली आल राउंडर क्रिकेटर इरफ़ान पठान का जन्म।
1987–डॉन ब्रैडमैन के ज़माने के महान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी विजय मर्चेन्ट का निधन।

मोदी ने महापर्व छठ की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार से शुरू चार दिवसीय महापर्व छठ की देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है और कहा है कि यह पर्व सादगी और संयम का प्रतीक है और इससे हमें सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा मिलती है। मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन।

एनडीपीएस मामले में दोषी को 11 साल कैद की सजा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा उप-जिले की एक अदालत ने एक व्यक्ति को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ रखने का दोषी पाते हुए 11 साल के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हंदवाड़ा मंसूर अहमद लोन ने अभियुक्त को इससे पहले 21 अक्टूबर को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत दोषी ठहराया था। सजा की अवधि पर सुनवाई के लिए उसे उचित हिरासत में अदालत में पेश किया गया था।

चेन्नई में एयर एशिया का विमान पक्षी से टकराया

चेन्नई। एयर एशिया का एक विमान शुक्रवार रात उड़ान भरने के तुरंत बाद पक्षी से टकरा गया जिसकी वजह से पायलट ने चेन्नई के अन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उसकी आपातकालीन लैंडिंग कराई। विमान में 182 यात्री और आठ क्रू मेंबर सवार थे। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि घटना बीती आधी रात से कुछ समय पहले हुई और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। चेन्नई से उड़ान भरने के बाद विमान आकाश में ऊपर जा रहा था तभी एक पक्षी विमान के आगे के हिस्से से टकराया व एक इंजन में फंस गया। इस वजह से इंजन को नुकसान भी पहुंचा।

भाजपा नेता आदेश त्यागी की डेंगू से मौत

सहारनपुर। भारतीय जनता पार्टी नेता आदेश त्यागी की शनिवार को डेंगू से मौत हो गई। वह 61 साल के थे और देवबंद क्षेत्र के साधारणपुर गांव के निवासी थे। परिजनों ने बताया कि उन्हें तीन दिन पहले बुखार हुआ था और रक्त में प्लेटलेट्स कम होने के चलते उन्हें फरीदाबाद के क्यूआरबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सभी अंगों के काम ना करने के चलते उन्हें वेंटीलेटर पर भी रखा गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके शव को दिल्ली से शनिवार को तीसरे पहर उनके पैतृक गांव साधारणपुर लाया गया व शाम को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

भारत ने रूस से तेल खरीदना पूरी तरह बंद किया, ट्रंप का दावा- चीन ने भी की कटौती

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि भारत अब रूस से तेल का आयात पूरी तरह बंद कर चुका है, जबकि चीन ने भी रूसी तेल की खरीद काफी हद तक घटा दी है। उन्होंने यह बयान मॉस्को की तेल दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए दिया। ट्रंप ने दावा किया है कि रूस से तेल खरीद के मामले में भारत पूरी तरह रुक गया है और चीन ने भी कमी की है। ट्रंप ने अपने एयर फ़ोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए कहा, आपने देखा होगा कि चीन ने रूसी तेल की खरीद में भारी कटौती की है और भारत ने पूरी तरह रोक दी है। हमने प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, भारत सरकार ने बार-बार ट्रंप के इस दावे को खारिज किया है। भारत का कहना है कि ऊर्जा आयात पर उसका रुख 'राष्ट्रीय हितों की रक्षा' पर आधारित है और वह किसी भी बाहरी दबाव में नहीं है।

ट्रंप ने यह बयान उस समय दिया जब वे दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली मुलाकात की तैयारी कर रहे हैं। यह बैठक व्यापार, प्रौद्योगिकी और कच्चे माल पर जारी तनाव के बीच हो रही है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत से पूर्ण समझौते की उम्मीद है, जिससे लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध को विराम मिल सकता है। ट्रंप ने कहा कि चर्चा में कृषि व्यापार और चीन से आने वाले फेंटानिल उत्पादन घटकों का मुद्दा भी उठाया जाएगा।

असियान का 35 साल बाद बढ़ा आकार, इस गरीब देश को मिल गई एंट्री, केवल 14 लाख की आबादी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन का 1990 के दशक के बाद से पहली बार विस्तार करते हुए पूर्वी तिमोर को इसमें औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। पूर्वी तिमोर को आसियान में शामिल किए जाने के बाद इसके प्रधानमंत्री सनाना गुस्माओ ने रविवार को कहा कि उनका देश संगठन का एक उपयोगी सदस्य साबित होगा। कुआलालंपुर में एक औपचारिक समारोह में मंच पर अन्य 10 झंडों के साथ पूर्वी तिमोर, जिसे तिमोर लेस्ते के नाम से भी जाना जाता है, का झंडा भी शामिल किया गया जिसके बाद प्रधानमंत्री गुस्माओ ने अन्य नेताओं से कहा, 'आज इतिहास रचा गया है।' उन्होंने कहा, 'तिमोर-लेस्ते के लोगों के लिए यह न केवल सपना साकार होने जैसा है बल्कि हमारी यात्रा की एक सशक्त पुष्टि भी है।'

क्षेत्र के सबसे युवा और सबसे गरीब राष्ट्र को शामिल किए जाने को क्षेत्रीय समावेशिता की दिशा में एक प्रतीकात्मक कदम के रूप में सराहा जा रहा है। इस देश क आबादी मात्र 14 लाख है। गुस्माओ ने कहा, 'हमारे लिए यह नई शुरुआत व्यापार, निवेश, शिक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपार अवसर लेकर आई है। हम सीखने, नवोन्मेष और सुशासन को बनाए रखने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने यह किसी यात्रा का अंत नहीं है, यह एक प्रेरणादायक नए अध्याय की शुरुआत है।

आसियान में शामिल होना चाहता है ब्राजील- दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के इस संगठन में ब्राजील भी शामिल होना चाहता है। जील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि ब्राजील दक्षिण- पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का पूर्ण सदस्य बनने के लिए काम कर रहा है।

वर्चुअल माध्यम से शामिल होंगे पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 22 वें आसियान -भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेने के निर्णय से उनकी मलेशिया यात्रा तथा वहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात की संभावनाओं को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन (आसियान) -भारत शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में हो रहा है।

सुडोकू 7074

	8							1
	2		5		4	3		9
				6				2
	5			8		9		
	3			4			2	
		4		7			1	
8				3				
3		2	9		1		7	
5							9	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7074

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			
	■	८	९				■		■
■	१०	■		■	■	■	११	■	१२
१३				■	१४	■	१५		
■		■	१६				■	■	
१७			■	■		■	१८	१९	
	■	■	२०			२१	■		■
२२				■	■	२३			

दायें से बायें:-
१. चुना हुआ, निर्वाचित
३. सबसे नीचे
५. नामुकम्मल
६. पद, पैर
७. मोर्चाबंदी, रणनीति
८. गरमी के प्रभाव में रुकावट
१३. दूसरे की निंदा
१५. सागर
१६. सूर्य किरण, सूर्य
१७. वधिक
१८. जंगल, वन
२०. कर्ण
२२. जिसे फायदा हुआ हो
२३. आकाशचारी

ऊपर से नीचे:-
१. अस्थिर और स्थिर
२. महारत,दक्षता
३. नि:शस्त्र
४. 'टेक्नीक'
५. कमी, किल्लत
९. सुदृढ़ मजबूत (उर्दू)
१०. खुदा का बनाया हुआ
११. गुलाम, सेवक
१२. भला आदमी
१४. एक वाद्य यंत्र
१७. आक्रमण (उर्दू)
१९. भूत, प्रेत
२०. आखिर नाश
२१. लोग

वर्ग पहेली-7073

१ खा	सि	२ य	त	■	■	३ वि	फ	४ ल	ता
न	■	था	■	५ कुं	ठि	त	■	था	■
६ दा	खि	ल	■	भ	■	७ र	ग	ड़	ना
न	■	८ भ	९ य	ज	न	क	■	ना	■
■	१० स	■	था	■	■	■	११ पा	■	१२ रा
१३ का	मा	य	नी	■	१४ बे	■	१५ स	रो	ज
■	न	■	१६ ति	रो	हि	त	■	■	नी
१७ बे	ता	ब	■	■	सा	■	१८ प्र	१९ ग	ति
ग	■	■	२० का	दं	ब	२१ री	■	वा	■
२२ म	धु	शा	ला	■	■	२३ छ	र	ह	रा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

राजनीति जम्मू-कश्मीर में चौथी राज्यसभा सीट पर दिखा बेहद रोचक मुकाबला

गायब सहयोगियों ने भाजपा की झोली में डाली राज्यसभा सीट

जम्मू, (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर में चौथी राज्यसभा सीट के लिए चले बेहद अहम मुकाबले में, अंतिम संख्या-गणना राजनीतिक गणित से कम और राजनीतिक साजिशों से ज्यादा जुड़ी हुई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जिसके पास जरूरी संख्याबल नहीं था, ने अपने उम्मीदवार सतपाल शर्मा को शानदार जीत दिलाई, यह जीत विपक्षी गठबंधन के सात अहम वोटों के रहस्यमय ढंग से गायब होने या गलत दिशा में जाने से मिली।

इस नतीजे ने सात पार्टी-संबद्ध और निर्दलीय विधानसभा सदस्यों (विधायकों) पर गहरी नजर डाली है, जिनके वोट तय रास्ते से भटक गए प्रतीत होते हैं। नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने बड़ी मेहनत से 58 विधायकों (41 नेकां, छह कांग्रेस, सात निर्दलीय, तीन पीडीपी और एक सीपीआई (एम)) का एक मजबूत समूह इकट्ठा किया था। यह संख्या तीसरी और चौथी दोनों सीटें आराम से हासिल करने के लिए पर्याप्त थी। हालांकि, अंतिम गणना ने समन्वित जवाबी हमले की तस्वीर पेश की।

■ अंतिम गणना ने समन्वित जवाबी हमले की तस्वीर की पेश

दरअसल भाजपा उम्मीदवार सतपाल शर्मा को 32 वोट मिले, जो भाजपा की कुल संख्या से चार वोट अधिक थे। ये चार 'अतिरिक्त' वोट भाजपा के पक्ष में क्रास-वोटिंग के स्पष्ट प्रमाण हैं। जबकि नेकां के इमरान नबी डार, जिन्हें 28 या 29 वोटों की निश्चित संख्या की आवश्यकता थी, उन्हें मात्र 21 वोट मिले, सात या आठ की कमी। इसी तरह से दूसरे विजयी नेकां उम्मीदवार, शम्मी ओबेराय को 31 वोट मिले, जो आवश्यक संख्या से एक अधिक है, जिसके बारे में विश्लेषकों का तर्क है कि यह संख्या डार को मिलनी चाहिए थी। कुल मिलाकर, नेकां के दोनों उम्मीदवारों को अनुमानित 58 के बजाय 51 वोट मिले। सात वोटों का अंतर, वे वोट जो या तो भाजपा को मिले, जानबूझकर रद्द किए गए, या गलत दिशा में दिए गएक्इस चुनाव का मुख्य रहस्य है। नतीजों के तुरंत बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कड़ी फटकार लगाई, जिन्होंने उन लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठाया जिन्होंने समर्थन का वादा किया था लेकिन उलटफेर कर दिया। मुख्यमंत्री के बयान से यह स्पष्ट हो गया कि नेशनल कांफ्रेंस का मानना है कि उनके अपने विधायक अपनी बात पर अड़े रहे, और उन्होंने सीधे तौर पर सहयोगियों और कथित समर्थकों पर उंगली उठाई। वे कहते थे कि हमारे किसी भी विधायक ने क्रास-वोटिंग नहीं की, इसलिए सवाल उठता है, भाजपा के चार अतिरिक्त वोट कहां से आए। वे विधायक कौन थे जिन्होंने मतदान करते समय गलत वरीयता संख्या अंकित करके जानबूझकर अपने वोट अमान्य कर दिए।

खेल जगत

मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी करने में बहुत मजा आया : हर्षित राणा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में चार विकेट लेकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया। जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए, हर्षित राणा ने इस सीरीज में गेंदबाजी के अपने अनुभव पर कहा, 'मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया क्योंकि मैं एक साल पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यहां था, इसलिए मैं पहले से ही परिस्थितियों से वाकिफ था। मुझे पता था कि कहां गेंदबाजी करनी है और कौन सी लेंथ मेरे लिए सही रहेगी। गौती भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर) और मोर्न मोर्कल (गेंदबाजी कोच) का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे लगातार सही दिशा में गेंदबाजी करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ल्ड कप 2027 में भारत की बड़ी संपत्ति होंगे रोहित-कोहली : पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भरोसा जताया है। उन्हें यकीन है कि यह अनुभवी जोड़ी 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगी। रोहित शर्मा ने सिडनी में नाबाद 121 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने लगातार दो बार 'शून्य' पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन बनाए। दोनों खिलाड़ियों के बीच 168 रन की अटूट साझेदारी हुई, जिसने भारत को तीसरे वनडे में 9 विकेट से जीत दिलाई। हालांकि, टीम इंडिया सीरीज नहीं बचा सकी। प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। मैं पिछले दो मुकाबलों में उनके इस प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मैं रोमांचित हूं कि आखिरकार तीसरे मुकाबले में ऐसा हुआ। यह बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे आप वर्ल्ड कप की ओर बढ़ रहे हैं, आपको उनकी सेवाओं की जरूरत है। विराट और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति होंगे।'

रोहित शर्मा ने सिडनी में नाबाद 121 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने लगातार दो बार 'शून्य' पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन बनाए

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि लोग उन्हें उनकी मौजूदा फॉर्म के आधार पर देखते हैं। रोहित अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं। विराट हमेशा की तरह फिट हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को परखना बहुत मुश्किल है। उनके नाम 83 या 84 शतक हैं। अगर आप उन्हें परखना चाहें, तो यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है।'

रोहित और कोहली इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को भी अलविदा कह दिया था। स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। एमएसके प्रसाद ने सही समय पर अगली पीढ़ी को कमान सौंपने के लिए तीनों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'रोहित, विराट और जडेजा ने जो एक बेहतरीन कदम उठाया, वह यह है कि टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद उन्होंने अगली पीढ़ी को कमान सौंप दी। यह एक शानदार बात है। आखिरकार, ये युवा खिलाड़ी खुद को स्थापित करने लगे हैं। हमारी टीम बहुत अच्छी है।'श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों को टी20 टीम में जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा, 'दरअसल, हमारे पास कई खिलाड़ी इंतजार में हैं। श्रेयस को टी20 टीम में जगह नहीं मिली, जो हमारी प्रतिभाओं के बारे में बहुत कुछ बताता है।

वनडे में 100 कैच लेने वाले सातवें भारतीय बने रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला गया मैच बेहद यादगार रहा। रोहित ने अपने बल्ले के साथ-साथ फील्डिंग में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने शनिवार को दो कैच पकड़े। रोहित ने मिचेल ओवेन और नाथन एलिस के कैच पकड़े। नाथन एलिस का कैच रोहित के वनडे करियर का 100वां कैच था। वनडे क्रिकेट में 100 कैच पकड़ने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली (305 मैच में 164 कैच), मोहम्मद अजहरुद्दीन (334 मैच में 156 कैच), सचिन तेंदुलकर (456 मैच में 140 कैच), राहुल द्रविड़ (344 मैच में 124 कैच), सुरेश रैना (226 मैच में 102 कैच), और सौरव गांगुली (311 मैच में 100 कैच) ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने सिडनी मैच में 125 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 121 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के सफर का निराशाजनक अंत आखिरी मैच में इंग्लैंड ने 8 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला विश्व कप 2025 का 27वां मैच न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इंग्लैंड ने अपनी जीत की लय बरकरार रखते हुए मैच 8 विकेट से जीता। इंग्लैंड को जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य मिला था। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। इंग्लैंड की घातक गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड 38.2 ओवर में सिर्फ 168 रन पर सिमट गई। जॉर्जिया प्लिमर ने 57 गेंद पर 43, अमेलिया केर ने 43 गेंद पर 35 और कप्तान सोफी डिवाइन ने 23 रन की पारी खेली। ये तीनों ही बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सकीं। इन तीनों के अलावा टीम की अन्य बल्लेबाज इंग्लैंड की घातक गेंदबाजी के सामने क्रीज पर रुकने का साहस नहीं दिखा सकीं। इंग्लैंड के लिए लिंसे स्मिथ ने 9.2 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। नेट सेवियर ब्रंट और एलिस कैप्सी ने 2-2, चार्ली डिन और सोफी डंकले ने 1-1 विकेट लिए। 169 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों एमी जोंस और टैमी ब्यूमाउंट ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। ब्यूमाउंट 38 गेंद पर 7 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुईं। एमी जोंस ने दूसरे विकेट के लिए हिदर नाइट के साथ 83 रन की साझेदारी की। हिदर नाइट 40 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुईं। जोंस 92 गेंद पर 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 86 और डैनी व्याट 2 रन पर नाबाद रहीं। इंग्लैंड ने 29.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया।

महिला विश्व कप

विश्व कप में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का ये आखिरी लीग मैच था। इस मैच का सेमीफाइनल के दृष्टिकोण से महत्व नहीं था। न्यूजीलैंड सेमीफाइनल की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी थी। न्यूजीलैंड 7 मैचों में 1 जीत हासिल कर सकी, जबकि 4 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। 2 मैच बारिश की वजह से रद्द हुए। कीवी टीम के पास महज 4 अंक हैं। इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुकी है।

भारत ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, उमा छेत्री करेंगी डेब्यू

नवी मुंबई। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप 2025 के 28वें मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारतीय टीम 3 बदलावों के साथ इस मैच में उतरी है। उमा छेत्री को वनडे में डेब्यू का मौका मिला है। बारिश के चलते टॉस में देरी हुई। आसमान में बादल छाए होने के कारण भारत ने गेंदबाजी का फैसला लिया। इस मुकाबले से विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को आराम दिया गया है। उनके स्थान पर उमा छेत्री प्लेइंग इलेवन में मौजूद हैं। दूसरी ओर, क्रांति गौड़ और स्नेह राणा इस मुकाबले में नहीं खेल रही हैं।

उनके स्थान पर राधा यादव और अमनजोत कौर को मौका दिया गया है। भारतीय टीम सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर चुकी है। वहीं, बांग्लादेश की टीम खिताबी दौड़ से बाहर है, लेकिन बांग्लादेश इस मुकाबले को जीतकर प्वाइंट्स टेबल में अपनी स्थिति बेहतर करना चाहेगा। वहीं, भारत इस मैच में अपनी तैयारियां परखने उतरा है। भारत ने महिला विश्व कप 2025 में अब तक 6 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। दूसरी ओर, पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में जारी इस मुकाबले में बारिश बीच-बीच में रुकावट पैदा करेगी। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रहेगी, लेकिन पिच में हल्की घास के चलते यहां बाउंस देखने को मिल सकता है।

'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त': इरफ़ान पठान

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शतकधारी रोहित शर्मा और अर्धशतक बनाने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुए पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफ़ान पठान ने कहा कि अपनी पारी से दोनों बल्लेबाजों ने दिखा दिया कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'। जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए विशेषज्ञ इरफ़ान पठान ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रतिभा के बारे में बात की, 'आज जिस तरह से चीज़ें सामने आईं, ऐसा लगा जैसे ये होना ही था। इन दोनों महान खिलाड़ियों (विराट और रोहित) को एक साथ मैच खत्म करते देखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। विराट को ऑस्ट्रेलिया में 50 का औसत बनाए रखने के लिए इस मैच में लगभग 70-74 रनों की जरूरत थी, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अगर यह न्याय नहीं है, तो और क्या है?

इरफ़ान ने कहा, 'रोहित ने बहुत मेहनत की, उन्होंने अपना वजन कम किया, पूरी मेहनत की, और उनकी बेहतर फिटनेस तब दिखी जब वे दूसरे मैच में रन-आउट से जल्दी उबर गए।

बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में भारत का जलवा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में रविवार को शानदार प्रदर्शन किया। शाइना मणिमुथु (अंडर-15) और दीक्षा सुधाकर (अंडर-17) ने अपने-अपने आयु वर्ग में गोल्ड मेडल जीते। भारतीय दल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ स्वदेश लौटेगा। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से शिकस्त दी। दीक्षा सुधाकर ने अंडर-17 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराया। इसके अलावा, दीक्षा जूनियर एशियन चैंपियनशिप में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय एकल खिलाड़ी भी बनीं। रविवार को, शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। उन्होंने शुरुआती गेम में तोमिता पर दबदबा बनाया। इसके बाद दूसरे गेम में आखिरी क्षणों में मिली चुनौती को नाकाम करते हुए मुकाबले को 44 मिनट में अपने नाम कर लिया। इसके बाद, दीक्षा 27 मिनट तक चले फाइनल में दबदबा बनाते हुए अंडर-17 वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। बालकों के एकल वर्ग में जगशेर सिंह खंगगुरा और जंगजीत सिंह काजला तथा जननिका रमेश की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक जीते थे। मिश्रित युगल सेमीफाइनल में जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश की जोड़ी को चीनी ताइपे के आई एन चांग और यो हान वांग से 17-21, 21-18, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, जगशेर सिंह खंगुरा को लड़कों के एकल सेमीफाइनल में चीन के होंग तियान यू से 21-11, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पिछली बार साल 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे, जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बालक एकल वर्ग का खिताब जीता था।

भारत के पदक विजेता

- >>> दीक्षा सुधाकर: अंडर-17 बालिका एकल में स्वर्ण पदक।
- >>> शायना मणिमुथु: अंडर-15 बालिका एकल में स्वर्ण पदक।
- >>> लक्ष्य राजेश: अंडर-17 बालिका एकल में रजत पदक।
- >>> जगशेर सिंह खंगुरा: अंडर-17 बालक एकल में कांस्य पदक।

जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश: अंडर-17 मिश्रित युगल में कांस्य पदक।

मोहरों के माहिर खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिब्येंदु बरुआ, शतरंज की बिसात पर बिखेरा जलवा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मशहूर शतरंज खिलाड़ी दिब्येंदु बरुआ ने साल 1991 में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल किया था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने। बॉबी फिशर से प्रेरित बरुआ ने कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में देश का नाम रोशन करते हुए भारतीय शतरंज को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। 27 अक्टूबर 1966 को कोलकाता में जन्मे बरुआ बचपन से ही शतरंज के दीवाने थे। यही उनका पहला प्रेम था। दिब्येंदु बरुआ महज 12 साल की उम्र में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। साल 1982 में दिब्येंदु बरुआ ने पूर्व विश्व चैंपियन मिखाइल ताल को शिकस्त देकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। उस समय दिब्येंदु महज 16 वर्ष के थे।

■ दिब्येंदु बरुआ विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने

साल 1983 में 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित दिब्येंदु बरुआ साल 1991 में प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। उनसे पहले ये उपलब्धि विश्वनाथन आनंद हासिल कर चुके थे। ये वो दौर था, जब भारत में शतरंज का बुनियादी ढांचा और समर्थन न्यूनतम था। इस खेल को विश्वनाथन आनंद के बाद दिब्येंदु बरुआ की जीत ने युवाओं को गंभीरता से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दिब्येंदु बरुआ की शैली बेहद आक्रामक और रचनात्मक थी। वह दबाव में भी संयमित रहते। उन्होंने कई शतरंज ओलंपियाड और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक शतरंज समुदाय में देश का नाम रोशन किया। दिब्येंदु बरुआ ने भारत में शतरंज को बढ़ावा देने में भी

हैरी ब्रूक की मेहनत पर फिरा पानी, न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से जीता मुकाबला

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ बे ओवल में खेले गए पहले वनडे मैच को 4 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। इस टीम ने 56 के स्कोर तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान हैरी ब्रूक ने 101 गेंदों में 11 छक्कों और 9 चौकों के साथ 135 रन की पारी खेलते हुए टीम को संभाला। इस बीच उन्होंने जेमी ओवरटन के साथ सातवें विकेट के लिए 86 गेंदों में 87 रन जोड़े। जेमी 54 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विपक्षी खेमे से जकारी फाउलकेस ने 41 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि जैकब डफी ने 3 विकेट अपने नाम किए। इनके अलावा, मैट हैनरी ने 2 और मिचेल सैंटनर ने 1 विकेट हासिल किया। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भी शुरुआत में लड़खड़ाती नजर आई। इस टीम ने दूसरे ओवर की अंतिम दो गेंदों पर विल यंग (5) और केन विलियमसन (0) का विकेट गंवा दिया। टीम को सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र से उम्मीदें थीं, लेकिन रचिन 17 गेंदों में इतने ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

वनडे सीरीज

ला लीगा: विलारियल ने तीसरा स्थान पक्का किया, रोमांचक मुकाबले में गिरोना की जीत

मैड्रिड, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विलारियल ने स्पेन में वेलेंसिया के खिलाफ ईस्ट कोस्ट डर्बी 2-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ विलारियल ने ला लीगा में तीसरे स्थान पर स्थिति मजबूत करते हुए अपने करीबी पड़ोसी को संकट में डाल दिया है। जेरार्ड मोरेनो ने हाफटाइम के पहले 45वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से विलारियल को बढ़त दिलाई। मुकाबले के 57वें मिनट में सांती कोमेसान्या ने आसान फिनिश के साथ विलारियल की बढ़त दोगुनी कर दी, जिससे टीम ने लगभग जीत सुनिश्चित कर ली। वहीं, प्रतिद्वंद्वी टीम के फॉरवर्ड अरनाउट डैंजुमा को चोट लगी, जिससे अगले सप्ताह रियल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले उन्हें झटका लगा। एक अन्य मैच में गेटाफे ने एथलेटिक क्लब बिलबाओ को सैन मैम्स स्टेडियम में 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में बोर्जा मेयोरल ने नजदीकी गोल दागा। गेटाफे ने 75वें मिनट में गोल करते हुए मैच का खाता खोला। यह इस मुकाबले का एकमात्र गोल रहा।

लिटन दास अब बंगलादेश के अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे

ढाका, 26 अक्टूबर (एजेंसियां) बंगलादेश के टी20 कप्तान लिटन कुमार दास ने कहा कि अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी की पेशकश की जाती है, तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद यह पद खाली होने पर बंगलादेश वर्तमान में एक नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है। क्रिकबज ने पहले बताया था कि लिटन, नजमुल की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद जब बीसीबी ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया था।

लिटन ने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीबी के पास अपने टेस्ट कप्तान की घोषणा करने के लिए बहुत कम समय है क्योंकि उन्हें 11 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करनी है। लिटन ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल है। अभी तक, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्हें लगता है कि मैं सक्षम हूँ, तो ज़ाहिर है वे मुझसे बात करेंगे। देखते हैं उनका क्या फैसला होता है।

टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं: लिटन दास, क्रिकेटर बंगलादेश

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 'एशियाई युवा खेलों' के स्वर्ण पदक विजेताओं को 25-25 लाख का चेक सौंपा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने एशियन यूथ गेम्स में कबड्डी में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले तमिलनाडु के खिलाड़ियों को सम्मानस्वरूप 25-25 लाख रुपए का चेक सौंपा। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'मैंने अपने चेन्नई स्थित आवास पर हमारे कबड्डी चैंपियन, कन्नगी नगर की कार्तिका और तिरुवरुर के अभिनेश मोहनदास का स्वागत और सम्मान किया, जिन्होंने बहरीन में हुए एशियाई युवा खेलों में स्वर्ण पदक जीते। मैंने उनमें से प्रत्येक को 25-25 लाख रुपए की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की।' एम के स्टालिन ने लिखा, 'कन्नगी नगर के अपने दौरे के दौरान, मैंने निवासियों द्वारा की गई मांगों को पूरा किया। मैंने कार्तिका से पूछा कि क्या उनके क्षेत्र की समस्याओं का समाधान हो गया है, और उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि कन्नगी नगर ने पिछले 4 वर्षों में काफी प्रगति की है।

देशभर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 45वें संस्करण का आयोजन

नई दिल्ली। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 45वें संस्करण का रविवार को देशभर में आयोजन किया गया। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में इस पहल का नेतृत्व किया। जिम सीरीज के सहयोग से देश के 6 हजार से भी ज्यादा स्थानों पर 50 हजार से ज्यादा लोगों ने इस मुहिम में हिस्सा लिया। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 45वें संस्करण फिटस्पायर, गोल्ड जिम, फिटनेस फर्स्ट और कल्ट फिट जैसी जिम सीरीज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बॉक्सर मीनाक्षी हुड्डा ने कहा, 'मैं बॉक्सिंग के जरिए खुद को फिट रखती हूं।

पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की

मोहाली। पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम का पहला ग्रुप 'सी' मैच गोकुलम केरल एफसी के खिलाफ कल गोवा के जीएमसी बाम्बोलिम एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। हेड कोच पानागिओटिस डिल्मपेरिस ने एक संतुलित टीम चुनी है जिसमें पांच नए खिलाड़ी शामिल किए गए हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी डूरंड कप की टीम का हिस्सा रहे थे। अनुभव और युवा जोश के इस मिश्रण के साथ टीम इस प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत करने की उम्मीद कर रही है। मैच शाम 4:30 बजे शुरू होगा। नई साइनिंग में विदेशी खिलाड़ी समीर ज़ेल्जकोविच, डेनियल रामिरेज फर्नांडीज और पाब्लो रेनन दोस सैंटोस शामिल हैं।

कृषि जगत

सर्दियों में सभी का पसंदीदा फल सीताफल

सर्दियों में सभी का पसंदीदा फल सीताफल – सर्दी की दस्तक शुरू होते ही बाजार में सीताफल की आवक शुरू हो जाती है। फल बाजार या ग्रामीण विक्रेताओं द्वारा सड? किनारे टोकनियों में सजे सीताफल सभी का ध्यान आकर्षित करते हैं। सीताफल एक स्वादिष्ट फल है। इसका वैज्ञानिक नाम एनोना स्क्वैमोसा है। मध्यप्रदेश में उद्यानिकी विभाग द्वारा एक जिला एक उत्पाद के तहत सीताफल के लिए सिवनी, धार और अलिराजपुर जिलों का चयन किया गया है। सीताफल में कई पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और कई रोगों से बचाते हैं। इसीलिए सीताफल सर्दियों में सभी का पसंदीदा फल बन जाता है।

यूँ तो मध्यप्रदेश में प्रायत्न हर जिले में सीताफल का उत्पादन होता है, लेकिन सिवनी का सीताफल सर्वाधिक लोकप्रिय है। इस जिले के सीताफल को 'सिवनी जम्बो सीताफल' के ब्रांड नाम से पहचाना जाता है। छपारा ब्लॉक के सीताफल की सबसे अधिक मांग है। महाराष्ट्र के मुंबई, नागपुर, गुजरात, उत्तरप्रदेश के व्यापारी सीधे तौर पर यहाँ आकर ग्रामीणों से बड़े आकार के फल खरीदकर ले जाते हैं। यहां से वे उसे विदेशों में भेजते हैं। सिवनी के अलावा अलिराजपुर और धार जिले के सीताफल भी प्रसिद्ध है। सीहोर जिले में देसी सीताफल अधिक उत्पादित होता है। इन दिनों सीताफल की बहार आई हुई है। धार–मांडू–मानपुर क्षेत्र में ग्रामीण विक्रेता सड़क किनारे टोकनियों में सीताफल बेचते देखे जा सकते हैं। यह इन दिनों इन लोगों की आजीविका का माध्यम बन जाता है। हालाँकि सीताफल के लिए अन्य चयनित जिलों में भी सीताफल का उत्पादन बढ़ाने के लिए कोशिशें जारी हैं, लेकिन सीताफल की फसल को लेकर सिवनी जिला संजीदा है। केंद्र सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' योजना में सिवनी जिले को सीताफल उत्पाद के लिए चुने जाने के बाद सीताफल का रकबा बढ़ाने के प्रयास तेज हो गए हैं। यहाँ करीब 650 हेक्टेयर क्षेत्र में सीताफल का उत्पादन होता है। फिलहाल जंगली क्षेत्रों में ही सीताफल के पौधे हैं। सीताफल से पांच हजार परिवारों का रोजगार जुड़ा हुआ है। प्रतिवर्ष एक से डेढ़ लाख रुपए की आय होती है। सीताफल जिले के छपारा तहसील में ज़्यादा पैदा होता है, जो कि फल गुणवत्ता एवं स्वाद के लिए जाना जाता है। प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना से सीताफल का उत्पादन बढ़ेगा।

धार जिले के ग्राम राजोद के सीताफल उत्पादक किसान श्री मोहन मदारिया ने कृषक जगत को बताया कि इस बार बहार अच्छी है। एनएमके–1 सुपर गोल्डन के पेड़ों से अब तक 10–10 किलो के 200 बॉक्स बेच चुके हैं। हमारे यहाँ से स्थानीय खरीदार 60–65 रुपए प्रति किलो के दाम में खरीद रहे हैं। वहीं खरगोन जिले की महेश्वर तहसील के ग्राम इटावदी के सीताफल उत्पादक किसान श्री मोहन पाटीदार ने कृषक जगत को बताया कि एनएमके–1 सुपर गोल्डन की कटाई 15 नवंबर से शुरू हो जाएगी। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष मांग ज़्यादा है। मंडी में ही इस ब्रांड के बड़े फल 120–150 रुपए किलो बिक रहे हैं। दो सालों से सीताफल की घर पहुँच सेवा का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। ऐसे में माल की मंडी में पूर्ति करने में परेशानी आ सकती है।

सीता फल के गुण – सीताफल में कई पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और कई रोगों से बचाते हैं। सीताफल में मैग्नीशियम होता है। मैग्नीशियम शरीर में पानी के संतुलन को बनाए रखने में सहायक होता है। दांतों के लिए भी सीताफल फायदेमंद है।

सीताफल में सोडियम और पोटेशियम होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मददगार हैं। यह एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण वाला फल है जो अस्थमा के जोखिम को कम करता है। यह हार्ट अटैक के खतरे को भी कम करता है। सीताफल में विटामिन–बी6 की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है, जो पाचन प्रक्रिया को बेहतर रखता है, यह फाइबर की पूर्ति भी करता है, जिससे कब्ज की समस्या नहीं रहती है। सीताफल में एंटी–डायबिटिक गुण पाया जाता है। यह ब्लड ग्लूकोज के स्तर में सुधार करता है और डायबिटीज की जोखिम को भी रोकने में प्रभावकारी है। यह हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय रोग और स्ट्रोक के खतरे को भी कम कर सकता है। इसमें नियासिन विटामिन की मात्रा पाई जाती है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। फोलेट की कमी और एनीमिया के जोखिम से बचाव के लिए फोलेट युक्त सीताफल का सेवन लाभकारी हो सकता है। सीताफल में विटामिन–सी की मात्रा पाई जाती है। विटामिन–सी त्वचा को सूर्य की हानिकारक पैराबैंगनी किरणों से बचाने में मदद कर सकता है, साथ ही सीताफल में जिंक, कैल्शियम व मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों के लिए लाभदायक हो सकते हैं।

गुलाब की खेती से किसान हो रहे मालामाल, कम लागत में हो रहा ज्यादा मुनाफा

भारत में अब किसान परंपरागत खेती से हटकर अलग–अलग तरह की खेती की ओर भी आकर्षित हुआ है। इससे किसानों को काफी अच्छा फायदा हो रहा है। किसान अब फूलों की खेती करके भी अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। इसमें खास तौर पर गुलाब की खेती खूब की जा रही है।

गुलाब की खेती करने से लाखों रुपए का मुनाफा भी हो रहा है, फूलों में गुलाब सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। अलग–अलग तरीकों से इसका इस्तेमाल किया जाता है। किसानों को इसकी खेती से खूब मुनाफा हो रहा है।

भारत में अब किसान परंपरागत खेती से हटकर अलग–अलग तरह की खेती की ओर भी आकर्षित हुआ है। इससे किसानों को काफी अच्छा फायदा हो रहा है। किसान अब फूलों की खेती करके भी अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। इसमें खास तौर पर गुलाब की खेती खूब की जा रही है। फूलों की बिक्री हर समय होती रहती है। शादियों के सीजन में फूलों की इतनी डिमांड होती है कि लोग सीधे खेत से खरीद लेते हैं। किसान ने जानकारी देते हुए बताया कि वह एक एकड़ में गुलाब की खेती कर रहे हैं।

सालाना 5 से 7 लाख तक का मुनाफा– गुलाब की खेती अब किसानों को तगड़ा मुनाफा दे रही है। किसान एक हेक्टेयर में 1 लाख की लागत लगाकर अगर गुलाब की खेती करते हैं, तो वह साल भर में आसानी से 7 लाख रुपये तक का मुनाफा कमा सकते हैं। गुलाब की खेती किसान एक बार में 7 से लेकर 8 साल तक मुनाफा कमा सकते हैं।

कम लागत में बंपर कमाई

गुलाब की खेती, जो दस हजार रुपए प्रति 1 बीघा की लागत से तैयार होती है। वहीं 100 से 130 रुपए प्रति किलो गुलाब की बिक्री होती है। इन दिनों में 15 से 20 किलो गुलाब तैयार हो जाता है। आज के समय में डिमांड इतनी है कि गुलाब की फसल तैयार होते ही खेत से ही हो बिक्री हो जाती है।

अपना भोजन स्वयं उगाने के लाभ, किचन गार्डन क्यों जरुरी?

किचन गार्डनिंग एक ऐसा चलन है जो खाने के शौकीनों के बीच तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है, और इसके पीछे एक अच्छा कारण भी है। टिकाऊ जीवनशैली के बढ़ते चलन के साथ, लोग घर पर ही अपना खाना उगाने में ज़्यादा रुचि ले रहे हैं, और किचन गार्डनिंग इसे हासिल करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस ब्लॉग पोस्ट में, हम किचन गार्डनिंग के फ़ायदों और यह कैसे आपको एक स्वस्थ और ज़्यादा टिकाऊ जीवनशैली अपनाने में मदद कर सकता है, इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

ताज़ा और जैविक उत्पादों तक पहुंच

किचन गार्डनिंग आपके घर के पिछवाड़े में ताज़ी और जैविक उपज तक तुरंत पहुंच प्रदान करती है। अपने फलों और सब्ज़ियों को उगाने से आपको उत्पादों की गुणवत्ता पर पूरा नियंत्रण मिलता है, और यह सुनिश्चित होता है कि वे हानिकारक कीटनाशकों और रसायनों से मुक्त हैं। इसका मतलब है कि आप रोज़ाना ताज़ी, पोषक तत्वों से भरपूर उपज का सेवन कर सकते हैं।

ताज़ी, जैविक उपज खाने का सबसे बड़ा फ़ायदा उनका पोषण मूल्य है। ताज़ी उपज में ज़रूरी विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मज़बूत करते हैं, स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और कैंसर व हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करते हैं। इसके अलावा, किचन गार्डन से प्राप्त ताज़ी उपज का स्वाद दुकान से खरीदी गई उपज से बेहतर होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पकने दिया जाता है, जिससे इसका स्वाद और बनावट निखर जाती है, और इसे अपनी ताज़गी के चरम पर तोड़ा जाता है। अपनी फसल उगाना एक संतुष्टिदायक शौक है जो बाहरी गतिविधियों को बढ़ावा देता है और तनाव से राहत देता है। किचन गार्डनिंग के अनगिनत फायदे एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ जीवनशैली में योगदान दे सकते हैं।

लागत बचत– किचन गार्डनिंग के कई फायदे हैं, जिनमें किराने के बिलों पर बचत भी शामिल है। जड़ी–बूटियाँ, फल और सब्ज़ियाँ उगाने से किराने का खर्च काफी कम हो सकता है। उदाहरण के लिए, अपने किचन गार्डन में ताज़ी तुलसी उगाने से आप दुकान से तुलसी खरीदने की तुलना में ज़्यादा पैसे बचा सकते हैं। इसी तरह, टमाटर उगाने से ताज़ी उपज का आनंद लेते हुए काफ़ी बचत हो सकती है। आर्थिक फ़ायदों के अलावा, किचन गार्डनिंग स्टोर के चक्कर कम करके परिवहन लागत को भी कम कर सकती है। कुल मिलाकर , किचन गार्डनिंग के फ़ायदे आपको पैसे बचाने और ज़्यादा टिकाऊ जीवनशैली जीने में मदद कर सकते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य और पोषण× किचन गार्डनिंग ताज़ी उपज प्राप्त करने का एक किफ़ायती तरीका है जो हानिकारक रसायनों से भी मुक्त होता है। अगर आप फल और सब्ज़ियाँ उगाते हैं, तो आप स्वास्थ्यवर्धक भोजन खा सकते हैं जिसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं। फलों और सब्ज़ियों से भरपूर आहार लेने से हृदय रोग और कैंसर जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, किचन गार्डन में अपनी उपज उगाने से आपको फलों और सब्जियों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ प्रयोग करने का मौका मिलता है जो आमतौर पर किराने की दुकानों में नहीं मिलतीं। यह विविधता आपको विविध आहार के स्वास्थ्य लाभों का आनंद लेते हुए विभिन्न व्यंजनों और व्यंजनों को आजमाने का अवसर प्रदान करती है। सीधे शब्दों में कहें तो, किचन गार्डनिंग के फ़ायदे सिर्फ़ आर्थिक बचत तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आपको स्वस्थ और पौष्टिक आहार लेने का

अवसर भी प्रदान करता है। फल और सब्ज़ियाँ उगाने से आपको अपने पोषण पर बेहतर नियंत्रण मिलता है और आपको मनचाहा स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन मिलता है।

बिना मिट्टी के सब्ज़ियां व फलों को उगाने की तकनीक

हाइड्रोपोनिक तकनीक से आप बिना मिट्टी के टमाटर की खेती सहित तमाम अन्य सब्ज़ियाँ व फल उगा सकते हैं। हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी से बिना मिट्टी के सब्ज़ियाँ उगाकर परिवार के लिए ताज़ी सब्ज़ियों की व्यवस्था कर सकते हैं। मिट्टी के बिना बाग़वानी करके ताज़े फल उपलब्ध करा सकते हैं। बिना मिट्टी के आपका किचन गार्डन लगाने का सपना तो पूरा होगा ही। इसके साथ आप बिना मिट्टी के सब्ज़ियां व फलों को उगाकर घर बैठे लाखों रुपए कमा सकते हैं।

पढ़ाई लिखाई करके बीएड बीटीसी, टेट सुपर टेट पास कर शिक्षक भर्ती की आस में प्रदेश का युवा बेरोज़गार बैठा है। उनके पास अपना कोई काम नही है। ऐसे मित्र हाइड्रोपोनिक्स तकनीक को अपनाकर मिट्टी के बिना सब्ज़ियां व फल तथा पौधे उगाकर अपने लिए रोज़गार के अवसर पैदा कर सकते हैं। साथियों शहरीकरण व बढ़ती जनसंख्या के कारण पौधे लगाने के लिए ज़मीन कम हो रही है। ऐसे में हाइड्रोपोनिक्स बिना ज़मीन के पौधे उगाने की विधि किसी वरदान से कम नही है।

हाइड्रोपोनिक की मदद से हम बिना मिट्टी के घर की छत पर सब्ज़ियाँ, फल व पौधे बड़ी आसानी से उगा सकते हैं। इस तकनीक में सिर्फ़ बालू या कंकड़, पानी से एक नियंत्रित जलवायु में पौधे उगाये जाते हैं। मिट्टी के बिना खेती पश्चिमी देशों में काफ़ी समय से की जा रही है।

हम जानते हैं पौधे के वृद्धि व विकास के लिए नमी, उचित तापमान, व पोषक तत्व व खनिज तत्वों की आवश्यकता होती है। जिसे पौधे अपनी जड़ों के द्वारा ज़मीन से अवशोषित करते हैं। हाइड्रोपोनिक्स तकनीक इसी अवधारणा पर केंद्रित है। पौधे के विकास व बढ़वार के लिए सभी आवश्यक चीज़ें एक कंट्रोल्ड ईकोसिस्टम के ज़रिए दी जाती है।

शलगम की उन्नत खेती कब और कैसे करें, कमाए लाखों रुपये

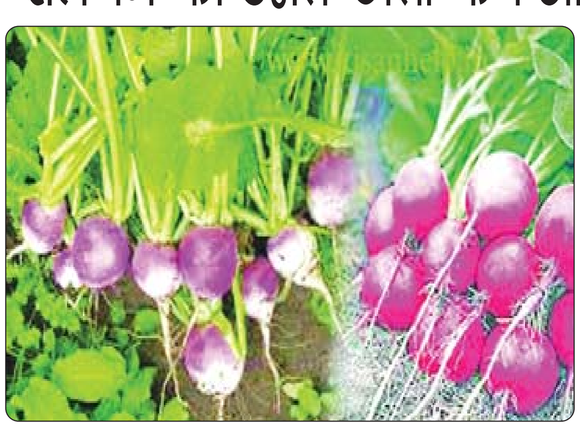

शलगम (जिसे शलजम भी कहा जाता है) एक पौष्टिक जड़ वाली सब्जी है, जो ठंडे मौसम में उगाई जाती है।इसकी खेती भारतीय किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें पोषण के साथ–साथ अच्छा बाजार मूल्य भी मिलता है। आज हम आपको शलगम की खेती कब और कैसे करें इसकी जानकारी देंगे, ताकि आप इसे सही मौसम में उगा सकें और अच्छी फसल प्राप्त कर सकें।

शलगम की खेती के लिए अनुकूल मौसम और जलवायु– शलगम की खेती के लिए ठंडी और शीतल जलवायु सबसे उपयुक्त है। यह मुख्य रूप से सर्दियों में उगाई जाती है, क्योंकि इस फसल को बढ़ने और पकने के लिए कम तापमान की आवश्यकता होती है।

बुआई का सही समय– शलगम की बुआई का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से नवंबर के बीच होता है।यह अवधि फसल के लिए अनुकूल मानी जाती है, क्योंकि तापमान कम होता है और पौधे को बढ़ने में सहूलियत मिलती है।

शलगम की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी का चयन – शलगम की अच्छी फसल के लिए उपजाऊ, भुरभुरी और जल निकासी वाली मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है। मिट्टी के चयन में निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखें–

मिट्टी का प्रकार– बलुई दोमट मिट्टी या चिकनी दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसकी पीएच मात्रा 6.0 से 7.5 के बीच होनी चाहिए।

खेत की तैयारी– खेत की जुताई गहरी करें और मिट्टी को भुरभुरा बनाएं। इसके बाद खेत को समतल करें और नव्यकोष जैविक खाद डालकर मिट्टी को उपजाऊ बनाएं। जैविक खाद का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।

शलगम के बीज का चयन और बुआई प्रक्रिया– शलगम के अच्छे उत्पादन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का चयन करना बेहद जरूरी है। बीज चयन और बुआई प्रक्रिया निम्नलिखित है–

बीज चयन– बीजों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे स्वस्थ और रोग–मुक्त हों। स्थानीय किस्में जो आपके क्षेत्र में सफलतापूर्वक उगाई गई हों, वे बेहतर विकल्प हैं।

बुआई की विधि– बीजों को सीधे खेत में बोया जा सकता है। बीज बोने के लिए क्यारी बनाएं और उसमें 2 से 3 सेंटीमीटर गहराई में बीज डालें। बीजों के बीच 10–15 सेंटीमीटर का अंतर रखें और क्यारियों के बीच 30 से 40 सेंटीमीटर का अंतर होना चाहिए।

शलगम की खेती में सिंचाई और जल प्रबंधन– शलगम की फसल को नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है, लेकिन जलभराव से बचना चाहिए।फसल के विकास के अनुसार सिंचाई का ध्यान रखें÷

पहली सिंचाई– बीज बोने के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें, ताकि बीज जल्दी अंकुरित हो जाएं।

नियमित सिंचाई– फसल को हर 7–10 दिन पर सिंचाई दें। खासकर जब पौधे फूलने लगें, तब पर्याप्त पानी दें, लेकिन खेत में जलभराव न हो।

शलगम की खेती में पोषक तत्व और खाद प्रबंधन– शलगम की अच्छी पैदावार के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति जरूरी है। इसके लिए निम्नलिखित खाद प्रबंधन अपनाएं÷ प्राकृतिक खाद÷ जैविक खाद का प्रयोग करें, जैसे गोबर की खाद, नव्यकोष जैविक खाद, कंपोस्ट या वर्मी–कंपोस्ट। यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खाद देने का समय– खेत तैयार करते समय जैविक खाद को मिट्टी में अच्छी तरह मिलाएं। फसल के बढ़ने के दौरान भी आवश्यकता के अनुसार खाद दें।

शलगम की फसल की देखभाल और रोग प्रबंधन– शलगम की फसल को रोगों और कीटों से बचाना बहुत जरूरी है। इसके लिए निम्नलिखित उपाय अपनाएं÷

फसल की देखभाल– फसल में खरपतवार न बढ़ने दें। समय–समय पर निराई–गुड़ाई करें और खेत को साफ रखें।

रोग प्रबंधन– शलगम की फसल में तना गलन और पत्तियों का पीला होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।इसके लिए जैविक पद्धतियों से उपचार करें, जैसे नीम के तेल का छिड़काव।

शलगम की कटाई और उपज– शलगम की कटाई का सही समय फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। कटाई प्रक्रिया और उपज की जानकारी निम्नलिखित है।

कटाई का समय– शलगम की फसल को 60–90 दिनों में काटा जा सकता है, जब जड़ें पूरी तरह पक जाती हैं और पत्ते पीले होने लगते हैं। जड़ें मुलायम और आकार में ठीक हों, तब कटाई करें।

उपज– उचित देखभाल और अच्छी कृषि पद्धतियों के साथ प्रति हेक्टेयर 150–250 क्विंटल शलगम की उपज प्राप्त हो सकती है।

शलगम की खेती से होने वाले लाभ

शलगम की खेती से किसानों को कई लाभ हो सकते हैं–

स्वास्थ्य लाभ– शलगम विटामिन सी, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

आर्थिक लाभ– शलगम की बाजार में अच्छी मांग रहती है, जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य मिल सकता है।

चने की उन्नत खेती कैसे करें?

चना रबी ऋतु ने उगायी जाने वाली महत्वपूर्ण दलहन फसल है। विश्व के कुल चना उत्पादन का 70 प्रतिशत भारत में होता है। चने में 21 प्रतिशत प्रोटीनए 61.5 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा 4.5 प्रतिशत वसा होती है। इसमें कैल्शियम आयरन व नियासीन की अच्छी मात्रा होती है। चने का उपयोग इसके दाने व दाने से बनायी गयी दाल के रुप में खाने के लिये किया जाता है। इसके दानों को पीसकर बेसन बनाया जाता है, जिससे अनेक प्रकार के व्यंजन व मिठाईयां बनायी जाती हैं। हरी अवस्था में चने के दानों व पौधों का उपयोग सब्जी के रुप में किया जाता है। चने का भूसा चारे व दाना पशुओं के लिए पोषक आहार के रूप मे प्रयोग किया जाता है। चने का उपयोग औषधि के रूप में जैसे खून साफ करने के लिए व अन्य बीमारियों के लिए भी किया जाता है। चना दलहनी फसल होने के कारण वातावरण से नाइट्रोजन एकत्र कर भूमि की उर्वरा शक्ति भी ब?ाता है।

बोने का समय एवं बुवाई– असिचिंत क्षेत्रों में चने की बुवाई अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े में कर देनी चाहिये। जिन क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा हो वहाँ पर बुवाई 30 अक्टूबर तक अवश्य कर देनी चाहिये। फसल से अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए खेत में प्रति इकाई पौधों की उचित संख्या होना बहुत आवश्यक है। पौधों की उचित संख्या के लिए आवश्यक बीज दर व पंक्ति से पंक्ति एवं पौधे से पौधे की उचित दूरी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है बारानी खेती के लिए 80 कि.ग्रा. तथा सिंचित क्षेत्र के लिए 60 कि.ग्रा. बीज की मात्रा प्रति हैक्टेयर पर्याप्त होती है। बारानी फसल के लिए बीज की गहराई 7 से 10 से.मी. तथा सिंचित क्षेत्र के लिए बीज की बुवाई 5 से 7 से.मी. गहराई पर करनी चाहिये। फसल की बुवाई पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 से 50 से.मी. पर करनी चाहिये।

खाद एवं उर्वरक– चने की फसल दलहनी होने के कारण इसकी नाइट्रोजन की कम आवश्यकता होती है क्योंकि चने के पौधों की ज?ों में ग्रन्थियां पाई जाती है। ग्रन्थियों में उपस्थित जीवाणु वातावरण की नाइट्रोजन का जड़ों में स्थिरीकरण करके पौधे की नाइट्रोजन की काफी मात्रा की आवश्यकता की पूर्ति कर देती है। लेकिन प्रारम्भिक अवस्था में पौधे की जड़ों में ग्रंन्थियों का पूर्ण विकास न होने के कारण पौधे को भूमि से नाइट्रोजन लेनी होती है। अतः नाइट्रोजन की आपूर्ति हेतु 20 कि.ग्रा. नाइट्रोजन प्रति हैक्टेयर की आवश्यकता होती है। इसके साथ 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से देना चाहिये। नाइट्रोजन की मात्रा यूरिया या डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) तथा गोबर खाद व कम्पोस्ट खाद द्वारा दी जा सकती है। जबकि फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट या डीएपी या गोबर व कम्पोस्ट खाद द्वारा की जा सकती है। एकीकृत पोषक प्रबन्धन विधि द्वारा पोषक तत्वों की आपूर्ति करना लाभदायक होता है। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए 2.50 टन गोबर या कस्पोस्ट खाद को भूमि की तैयारी के समय अच्छी प्रकार से मिट्टी में मिला देनी चाहिये। बुवाई के समय 22 कि.ग्रा. यूरिया तथा 125 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट या 44 कि.ग्रा. डीएपी में 5 किलो ग्राम यूरिया मिलाकर प्रति हैक्टेयर की दर से पंक्तियों में देना पर्याप्त रहता है।

सिंचाई– चने की अधिकतर खेती बारानी क्षेत्रों में संचित नमी में की जाती है। यदि सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तो नमी की कमी होने की स्थिति में एक या दो सिंचाई की जा सकती है। पहली सिंचाई 40 से 50 दिनों बाद तथा दूसरी सिंचाई फलियां आने पर की जानी चाहिये। सिचिंत क्षेत्रों में चने की खेती के लिए 3 से 4 सिंचाई पर्याप्त होती है। बुवाई से पहले पलेवा करके फसल की बुवाई करनी चाहिये। इसके पश्चात फसल की गुड़ाई करने के पश्चात बुवाई के 35–40 दिन बाद प्रथम 70–80 दिन बाद दूसरी एवं 105–110 दिनों बाद अन्तिम सिंचाई करनी चाहिये। यदि बुवाई के बाद दो ही सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो तो प्रथम बुवाई के 40–50 दिनों बाद तथा द्वितीय 80–85 दिनों बाद करनी चाहिये।

निराई–गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

चने की फसल में अनेक प्रकार के खरपतवार जैसे बथुआ, खरतुआ, मोरवा, प्याजी, मोथा, दूब इत्यादि उगते हैं। ये खरपतवार फसल के पौधों के साथ पोषक तत्वों, नमी, स्थान एवं प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा करके उपज को प्रभावित करते हैं। इसके अतिरिक्त खरपतवारों के द्वारा फसल में अनेक प्रकार की बीमारियों एवं कीटों का भी प्रकोप होता है जो बीज की गुणवत्ता को भी प्रभावित करते हैं। खरपतवारों द्वारा होने वाली हानि को रोकने के लिए समय पर नियंत्रण करना बहुत आवश्यक है। चने की फसल में दो बार गुड़ाई करना पर्याप्त होता है। प्रथम गुड़ाई फसल बुवाई के 30–35 दिन पश्चात व दूसरी 50–55 दिनों बाद करनी चाहिये। यदि मजदूरों की उपलब्धता न हो तो फसल बुवाई के तुरन्त पश्चात पैन्सीमैथालीन की 2.50 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर खेत में समान रूप से मशीन द्वारा छिड़काव करना चाहिये। फिर बुवाई के 30–35 दिनों बाद एक गुड़ाई कर देनी चाहिये। इस प्रकार चने की फसल में खरपतवारों द्वारा होने वाली हानि की रोकथाम की जा सकती है।

कीट एवं बीमारी नियन्त्रण

चने की फसल में अनेक प्रकार के कीटों एवं बीमारियों का प्रकोप होता है जिनका उचित समय पर नियंत्रण करना बहुत आवश्यक है।

दीमक, कटवर्म एवं वायर वर्म

यदि बुवाई से पहले एन्डोसल्फॉनए क्यूनालफोस या क्लोरोपाइरीफोस से भूमि को उपचारित किया गया है तथा बीज को क्लोरोपाइरीफोस कीटनाशी द्वारा उपचारित किया गया है तो भूमिगत कीटों द्वारा होने वाली हानि की रोकथाम की जा सकती है। यदि खड़ी फसल में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरोपाइरीफोस 20 ईसी या एन्डोसल्फान 35 ईसी की 2 से 3 लीटर मात्रा को प्रति हैक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ देनी चाहिये। ध्यान रहे दीमक के नियन्त्रण हेतु कीटनाशी का जड़ों तक पहुचना बहुत आवश्यक है। कटवर्म की लटें ढेलों के नीचे छिपी होती है तथा रात में पौधों को जड़ों के पास काटकर फसल को नुकसान पहुंचाती हैं। कटवर्म के नियंत्रण हेतु मिथाइल पैराथियोन 2 प्रतिशत या क्यूनालफोस 1.50 प्रतिशत या एन्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत चूर्ण की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव शाम के समय करना चाहिये। ट्राईक्लोरोफॉन 5 प्रतिशत चूर्ण की 25 कि.ग्रा. मात्रा को भी प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव किया जा सकता है।

प्रकाशक–गिरिराज चाचा, मुद्रक–मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक–अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय–4006577 व्यवस्था – 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक–एसएसपी जबलपुर /04/2020–2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

लोकतंत्र को मजबूत करने विद्यार्थी राजनीति में भी आएं : मुख्यमंत्री

महाकौशल महाविद्यालय के नव निर्मित भवन का सीएम ने किया लोकार्पण

जबलपुर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकतंत्र को मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। भारत के पड़ोसी देश सहित पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। श्री मोदी के इस सपने को पूरा करने के लिए विद्यार्थी कई क्षेत्रों में जाकर आगे बढ़े लेकिन राजनीति में भी आगे आए। यहां पर भी युवाओं की सख्त आवश्यकता है। उक्त बात रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वह प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन के लोकापर्ण अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से आगे कहा कि पढ़-लिखकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भी आजादी की लड़ाई में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने भारत के साथ ही अन्य देशों में जाकर आजादी के लिए अन्य देशों में सेनाएं तैयारी की।

मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि जबलपुर में विकास की गति ने जोर पकड़ा है। इस बार में कुछ बड़ी-बड़ी सौगातें लेकर आया हूं। उन्होंने केबिनेट मंत्री राकेश सिंह द्वारा किए गए कार्यो की भी तारीफ की। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय ईश्वरदास रोहाणी के कार्यो की तारीफ करते हुए उनके बेटे अशोक रोहाणी की तारीफ करते हुए कहा कि वह अपने पिता के कदमों पर चल रहे हैं।

खुद का विकास करें न कि डिग्री पाने पढाई करें

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हुए कहा विद्यार्थी स्वंय का विकास भी करें, सिर्फ कॉलेज की डिग्री पाने के लिए न पढाई करें। उन्होंने विद्यार्थियों से पूछा कि वह क्या बनना चाहते हैं तो किसी ने कहा कि वह आईपीएस बनना चाहते हैं किसी ने आईएएस किसी ने डॉक्टर किसी ने आर्मी और किसी ने प्रोफेसर बनने का बताया। तब मुख्यमंत्री बोले कि यहां सभी विद्यार्थी सेवा में जाना चाहते हैं लेकिन किसी भी बच्चे ने नहीं कहा कि वह राजनीति में जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का सपना है कि वह लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। इसके लिए विद्यार्थियों को राजनीति में भी आना चाहिए।

महाविद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

सिविल लाइन क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके आगमन पर खुली जीप में कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उनके साथ केबिनेट मंत्री राकेश सिंह और केंट विधायक अशोक रोहाणी सवार थे। करीब दो सौ मीटर तक जीप में सवार बड़ी संख्या में लोगों ने उन पर फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात भी करते रहे। महाविद्यालय में प्रवेश पश्चात् उन्होंने भवन का लोकापर्ण पंडितों द्वारा पूजन के बाद किया। प्रथम चरण में दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात केंट विधायक अशोक रोहाणी ने मंच पर स्वागत भाषण दिया। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर मंत्री राकेश सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अभिलाष पांडे आदि मौजूद रहे।

24 करोड़ के दो भवनों का किया सीएम ने किया लोकार्पण

डुमना एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत केबिनेट मंत्री राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्लेश सोनकर ने किया। शाम पांच बजे वह महाकौलश कॉलेज पहुंचे यहां पर उन्होंने करीब 14 करोड़ की लागत से महाकौशल कॉलेज परिसर में निर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया उसी कॉलेज परिसर में साइंस कॉलेज में बनी बिल्डिंग का भी उन्होंने 10.36 करोड़ की लागत से बिल्डिंग का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री शाम को कल्चुरी रेसीडेंसी में शाम करीब 7 बजे पहुंचे व कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी के साथ रात्रि 8 बजे बैठक की। उसके बाद होटल विजन में रोटरी क्लब के कार्यक्रम में शामिल हुए।

टाइगर रिजर्व में बाघ की खाल तस्करी का भंडाफोड़

मण्डला, देशबन्धु। कान्हा टाइगर रिजर्व की सीमाओं से सटे वन परिक्षेत्र बिछिया में वन्यजीव अपराध से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। वन विभाग और पुलिस के संयुक्त अभियान में बाघ की खाल की तस्करी के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया मुखबिर से मिली गुप्त सूचना पर वन परिक्षेत्र बिछिया की टीम ने तत्काल कार्रवाई की। टीम ने ग्राम भीमपुरी निवासी दो आरोपियों मिस्तर और गोविंद को बाघ की खाल का विक्रय करने के दौरान रंगे हाथों पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की गई, जिसके आधार पर इस तस्करी नेटवर्क में शामिल एक और आरोपी अघ्हन (निवासी अतरिया) को 26 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया।

कोतमा में न्यायाधीश के घर पर पथराव, बदमाशों ने दी जान से मारने की धमकी

जमानत नहीं देने पर गुस्साए बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

अनूपपुर, देशबन्धु। दिल्ली में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पर हमले के बाद मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा तहसील स्थित न्यायालय में पदस्थ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश के घर पर बदमाशों ने पथराव कर दिया। इतना ही नहीं उन्हें जान से मारने की धमकी दी। न्यायाधीश ने भालूमाड़ा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने एक जमानत आवेदन खारिज करने के बाद मजिस्ट्रेट के घर पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद प्रदेशभर में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किये जा रहे हैं। पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

पुलिस ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश कोतमा अमनदीप सिंह छावड़ा पिता कुलदीप सिंह छावड़ा उम्र 39 वर्ष ने 25 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कर बताया कि 24 अक्टूबर को रात्रि लगभग 12:30 बजे के पश्चात् वह अपने परिवार सहित अपने आवास में सो रहे थे। तभी अज्ञात व्यक्तियों ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने शासकीय आवास के गेट लैम्प, दीवार में लगे लोहे के एंगल को तोड़कर घर के आंगन में पथराव कर रहे थे। आरोपियों ने मजिस्ट्रेट को जान से मारने की धमकी भी दी। जब मजिस्ट्रेट अपने निवास से बाहर निकले तो आरोपी वहां से फरार हो गए। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना थाने में दी। शनिवार शाम को भालूमाड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं।

मामले की जांच शुरू

अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोतिउर्रहमान ने बताया कि बीती रात मजिस्ट्रेट के घर में कुछ अज्ञात हमलावारों ने पथराव किया और जान से मारने की धमकी दी है। पिछले दिनों मजिस्ट्रेट ने एक आरोपी का जमानत आवेदन खारिज कर दिया गया था। पुलिस इस मामले को उससे भी जोड़कर विवेचना कर रही है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूनो के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व को बनाया जायेगा चीतों का दूसरा पुनर्वास केन्द्र

केन्द्र सरकार ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

दमोह, देशबन्धु। प्रदेश के सागर और दमोह जिलों में फैले नौरादेही टाइगर रिजर्व को अब चीतों के पुनर्वास के लिए चुना गया है। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी दे दी है, जिससे प्रदेश को एक और वन्यजीव परियोजना में बड़ी उपलब्धि मिली है। सूत्रों के अनुसार, नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने नौरादेही में चीतों को बसाने के लिए सेंट्रल कैम्पा फंड से राशि भी स्वीकृत कर दी है। इस बजट से रिजर्व क्षेत्र में चार क्वॉरेन्टाइन बाड़े और एक सॉफ्ट रिलीज बाड़े तैयार किए जाएंगे, ताकि चीतों को नए माहौल में सुरक्षित रूप से अनुकूलित किया जा सके। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के तहत दक्षिण अफ्रीका से चीतों का अगला समूह वर्ष 2026 में लाया जाएगा। इससे पहले कुनो नेशनल पार्क में चीतों के सफल पुनर्वास के बाद अब नौरादेही को दूसरा केंद्र बनाया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नौरादेही का विशाल घासीय क्षेत्र, जलस्रोत और वन्यजीवों की समृद्ध प्रजातियां इसे चीतों के निवास के लिए आदर्श बनाती हैं। इस पहल से न केवल प्रदेश की जैव-विविधता में वृद्धि होगी, बल्कि मध्य प्रदेश को चीता स्टेट के रूप में नई पहचान भी मिलेगी।

नामीबीया से 8, साउथ अफ्रीका से 12 चीते लाये गये थे

वर्तमान में में प्रदेश में 27 जीते हैं। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में 25 और नीमच मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में दो चीते छोड़े गए हैं। 17 सितंबर 2022 को नामीबीया से 8 और उसके बाद साउथ अफ्रीका से 12 चीते लाए गए थे।

छिंदवाड़ा में गंदा पानी पीने से बीमार महिला की मौत

रजौला गांव में 400 लोग हुए थे पीड़ित

छिंदवाड़ा, देशबन्धु। अमरवाड़ा स्थित रजौला गांव में गंदा पानी पीने से बीमार हुई 36 वर्षीय महिला की रविवार सुबह मौत हो गई। महिला दुर्गा चंद्रवंशी को परिजन शनिवार शाम जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। उन्होंने अस्पताल के गेट पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

रजौला गांव में गंदा पानी पीने से पिछले दिनों 400 से अधिक लोग बीमार हुए थे। जिसके चलते कलेक्टर ने गांव में ही अस्थायी अस्पताल बनवाया था। छिंदवाड़ा के सिंगोड़ी के पास स्थित रजौला गांव में गंदा पानी पीने से पिछले दिनों 400 से अधिक लोग बीमार हो गए थे। हालात इतने बिगड़े कि छिंदवाड़ा कलेक्टर ने खुद मोर्चा संभालते हुए गांव के पंचायत भवन में ही अस्थायी अस्पताल बनवाया था। जहां दो दिनों तक ग्रामीणों का इलाज चला और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई। लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। बीती शाम इसी बीमारी से पीड़ित दुर्गा चंद्रवंशी उम्र 36 वर्ष पति स्वर्गीय नरेश चंद्रवंशी निवासी रजौला को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। लेकिन इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

अस्पताल गेट पर शव रखकर प्रदर्शन

महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के गेट पर ही शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे कलेक्टर से मिलने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. रवि टांडेकर भी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने परिजनों की बात सुनी, कहा अभी तक मेरे पास कोई शिकायत नहीं आई है। जब शिकायत आएगी तो जांच जरूर की जाएगी।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

पीड़ित के परिजन सागर चंद्रवंशी ने बताया कि उन्होंने कई बार स्टाफ को बताया कि हम रजौला गांव से आए हैं जहां पानी की समस्या चल रही है। महिला के पेट में तेज दर्द हो रहा है, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया सिर्फ एक बोतल चढ़ाई और ध्यान नहीं दिया।

बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के कम्बाईन हार्वेस्टरों के प्रवेश पर लगी रोक हटी

जबलपुर, देशबन्धु। फसल कटाई में इस्तेमाल किये जाने वाले कम्बाइंड हार्वेस्टरों को स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाये बिना जिले में प्रवेश पर लगाई गई रोक को बारिश की वजह से बनी परिस्थितियों को देखते हुये स्थगित कर दिया गया है। इस बारे में रविवार को आदेश भी जारी कर दिया गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड द्वारा जारी आदेश के मुताबिक अब बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगे कम्बाइंड हार्वेस्टर जिले के भीतर प्रवेश कर सकेंगे।

भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष रामदास पटेल व प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि सभी तहसील के किसानों व हार्वेस्टर मालिकों ने भारतीय किसान संघ को अवगत कराया था कि जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के कारण हार्वेस्टर जिले की सीमा में कार्यवाही के डर से आने में कतरा रहे हैं। साथ ही किसानों का कहना था कि यदि समय पर पर्याप्त हार्वेस्टर नहीं आए तो धान की कटाई प्रभावित होगी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिगड़ते मौसम के बाद किसानों व हार्वेस्टर मालिकों की समस्या से कृषि विभाग के अधिकारियों व जिला कलेक्टर को जानकारी देकर तत्काल मांग की गई कि किसान हित में फसल कटाई में इस्तेमाल किये जाने वाले कम्बाइंड हार्वेस्टरों को स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाये बिना जिले में प्रवेश की लगाई गई रोक को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

सीएम हेल्प लाइन पर झूठी शिकायतें करने वालों पर होगी एफआईआर

इंदौर, जबलपुर, रीवा संभाग के साथ खरगोन जिले में ऐसे ज्यादा लोग

भोपाल, देशबन्धु। नगरपालिकाओं और नगरपरिषदों में झूठी और ब्लैकमेलिंग वाली शिकायतें करने वालों को ढूंढ़कर ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय की तरफ से मिले निर्देशों के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी निकायों को पत्र लिखकर आदतन शिकायतकर्ताओं की लिस्ट बनाकर जिला कलेक्टर कार्यालय में देने के निर्देश दिए हैं।

पूर्व में मुख्यमंत्री भी जन प्रतिनिधियों की शिकायत पर निर्देश दे चुके हैं कि शिकायत दर्ज करने से पहले उसकी जांच करें, झूठी मिलने पर एफआईआर जैसे सख्त कदम भी उठाएं।

विभाग लगातार निकायों से जुड़ी सीएम हेल्पलाइन पर की जा रही शिकायतों की समीक्षा करता रहता है। इसमें सामने आया कि इंदौर, जबलपुर, रीवा जैसे कई संभागों व खरगोन जिले में भी एक-एक व्यक्ति द्वारा 100-100 शिकायतें की जा रही हैं। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसे आदतन शिकायतकर्ता न सिर्फ लगातार शिकायत करते हैं, बल्कि समाधान में भी रोड़े अटकाते हैं। या तो मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर लेते हैं या जान बूझकर शिकायत बंद नहीं करने देते। इसलिए ऐसे आदतन लोगों को पहचान कर उन्हें सीएम हेल्पलाइन में ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

सामने आया शिकायतों का पैटर्न

जिलों से आई जानकारी की मदद से नगरीय प्रशासन विभाग अब तक कई जिलों से 58 आदतन शिकायतकर्ता पहचाने जा चुके हैं। समीक्षा में शिकायतों का पैटर्न भी सामने आया है। जैसे पड़ोसी के मकान या प्रतिद्वंदी के शोरूम -दुकान का नक्शा गलत होने या अतिक्रमण की शिकायत। स्व निधि-पीएम आवास या पेंशन में अपात्र होने पर बार-बार शिकायत। विभाग के अधिकारीयों की भ्रष्टाचार आदि की शिकायत, जबकि इसके लिए ईओडब्ल्यू या लोकायुक्त जैसी एजेंसियां हैं। ये भी सामने आया कि ज्यादातर ये वही लोग हैं, जो आरटीआई में भी तमाम तरह की जानकारी मांगते रहते हैं।

राज्य सभा सांसद ने सीएम को लिखा था पत्र

राज्य सभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने एक महीने पहले मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बड़वानी सहित पूरे प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायतों पर कार्रवाई की मांग की थी।

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 110

मीडियम ब्रॉयलर - रु. 118

छोटा ब्रॉयलर - रु. 128

मोबाइल नं. 9300692405

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 132

मुर्गा मीडियम - रु. 122

मुर्गा बड़ा - रु. 114

मुर्गा जम्बो - रु. 114

मो.-9039925000, 9425800409

FOR PRIVATE SCREENING CALL +917999968989

FOR ONLINE BOOKING & OFFER BOOK FROM BOOKMYSHOW

CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889

समदड़िया सिनेमा

BOOK YOUR TICKET & FOOD NO WhatsApp SAMDREEYACINEMA+917999968989

THAMMA: 09:00AM 10:15AM 12:00PM 01:00PM 02:30PM 04:00PM 05:30PM 07:00PM 08:30PM 10:00PM 11:15PM

EK DEEWANE KI DEEWANIYAT: 09:15AM 12:00PM 02:45PM 04:45PM 08:30PM 11:15PM

KANTARA A LEGEND CHAPTER-1: 10:15AM 01:30PM 05:30PM 07:30PM 10:30PM

आवश्यकता है

देशबन्धु के फोल्डिंग विभाग में कार्य करने हेतु युवक एवं कार्यालय में भृत्य की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति पूरे विवरण एवं फोटो के साथ व्यक्तिगत सम्पर्क करें:-

अच्छा वेतन योग्यतानुसार

कार्मिक प्रबंधक - 9424643421

दैनिक देशबन्धु, नौदरापुल, जबलपुर

मानसून की हो चुकी विदाई, लेकिन बरसात का दौर कायम

प्रदेश के कई जिलों में गरज चमक के साथ आंधी का अलर्ट

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन (अवदाब) के सक्रिय होने से प्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार से सिस्टम का असर और बढ़ गया है। धार, बड़वानी, झाबुआ और अलीराजपुर में अगले दो दिन तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, इंदौर और उज्जैन सहित 24 जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश के आसार हैं।

भोपाल में शनिवार रात से ही रिमझिम का सिलसिला जारी है। उज्जैन, शाजापुर और पांढुर्णा समेत कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। शाजापुर के अकोदिया और पांढुर्णा में तो सड़कों पर पानी बहने लगा। भोपाल में घने बादलों और धुंध के कारण विजिबिलिटी घटी, जो इस सीजन की पहली बड़ी धुंध मानी जा रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 24 घंटों में इंदौर संभाग के धार, बड़वानी, झाबुआ और अलीराजपुर जिलों में ढाई से साढ़े चार इंच तक वर्षा दर्ज की जा सकती है। इसके अलावा इंदौर, उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट, जबलपुर में हल्की बारिश व गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 से 29 अक्टूबर तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, गरज-चमक और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इसका सबसे अधिक असर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और जबलपुर संभागों में देखने को मिलेगा।